CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

ཨོཾ། དམ་ཚིག་སྡུའི་གཏོར་མའི་ཆོ་ག་ཆུང་ངུར་བསྡུས་པ་བཞུགས་སོ།།

# समग्र धर्मपाल सङ्क्षिप्त बलिविधि

अनुवाद प्रकाशक:

बौद्ध शिक्षा विस्तार मैत्री धर्म द्वीप केन्द्र

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

# ཀུན་ཏན་སྒྲིབ་གཏོར་མདེ་ཆོ་ག་ཆུང་དུར་བསྡུས་པ་བཞུགས་སོ།།

## समग्र धर्मपाल सङ्क्षिप्त बलिविधि

**लेखक**

विद्याधर ग्युर्मेदोर्जे

**प्रकाशक**

बौद्ध शिक्षा विस्तार मैत्री धर्म द्वीप केन्द्र

(कपन, काठमाडौं) अन्तर्गत बौद्ध शिक्षा विस्तार अनुवाद समिति ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri


| | | |
|---|---|---|
| ग्रन्थ | : | समग्र धर्मपाल सङ्क्षिप्त बलिविधि<br>धमचेन ची तोर्महो छ्योग ञुङ्डुर दुइपा स्ह्युक्सो |
| विधा | : | पद्य/काव्य स्तुतिगान |
| लेखक | : | विद्याधर ग्युर्मेदोर्जे<br>(देवयुक्त वन्दरगाहको टाकुरामा बसेर रचना गर्नुभएको) |
| अनुवादक | : | जेचुन साङ्गे खाण्डो रिन्पोछे (जुना माया थिङ),<br>खेन्पो पाल्साङ नोर्बु बोम्जन लामा |
| भाषा सम्पादन | : | खोजराज गोले,<br>पेमा मोक्तान तामाङ |
| सर्वाधिकार | : | जेचुन साङ्गे खाण्डो रिन्पोछे,<br>खेन्पो पाल्साङ नोर्बु बोम्जन लामा, |
| प्रकाशक | : | बौद्ध शिक्षा विस्तार मैत्री धर्म द्वीप केन्द्र<br>(कपन, काठमाडौं) अन्तर्गत बौद्ध शिक्षा विस्तार अनुवाद समिति । |
| सहयोगी | : | हिउँमाया लोप्चन/तामाङ<br>ङिमा दावा तामाङ/पाखिन |
| संस्करण | : | पहिलो |
| मिति | : | २०८० |
| प्रति | : | १००० |
| मूल्य | : | रू. २००/- |
| ISBN | : | 978-9937-1-3948-9 |
| टाईपिङ, सेटिङ तथा डिजाईन | : | लोप्साङ सेराप लामा |


Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri


# ། དཔལ་ཡུལ་བདེ་ཆེན་དགའ་བའི་གླིང་།།

**PALYUL DECHEN GAWELING NYINGMAPA BUDDHIST MONSATERY**

**H.E. PALYUL LHATUL RINPOCHE CHARITY FOUNDATION**


Ref: 009/601/22 Date 26/09/2022

། དེ་ཡང་མ་འཛིས་འཁོར་བའི་མཛའ་བཤེས་ཚེན་མཉམ་མེད་བུ་རམ་ཤིང་བའི་ལུང་རྟོགས་ཀྱི་བསྟན་པ་རིན་པོ་ཆེ་འཕགས་ཡུལ་དུ་དར་ཕྱུག་པའུ་སྐུ་ཚོགས་བཞིན་པའི་དུས་ས་སྐྱོབ་དཔོན་བཀའ་དྲིན་ཅན་བདུན་འབྱུང་གནས་དང་། མཁའ་ཚེན་ཞི་བ་མཆོད་ཐུགས་བསྟེན་ཟབ་མེད་པ་དང་། བོད་ཀྱི་ཚོས་ཕྱུག་མེས་དཔོན་རྣམས་ཀྱི་སྐྱིང་སྐོམ་མས་དང་། ལོ་ཙཱ་བ་སྐུ་ཅོ་ཞང་གཤུམ་སོགས་ཀྱི་ལྟག་བསམ་དང་གཞན་བཅུ་ཅིག་ཅར་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་ཐུ་ཚུན་ཟུང་སྡུམ་ཚོགས་པ་ལས་བྱང་བ། ཕུལ་བའི་བཀའ་བསྒྲན་རིན་པོ་ཆེ་དང་། ཁད་པར་དུ་གསང་སྔགས་ཀྱུད་སྡེ་དུག་དང་འཇེལ་བའི་རིང་ཕྱུག་བཀའ་མ་དང་། ཅི་ཕྱུག་གཉིར་མ། ཟབ་མོ་དག་སྐུང་གི་ཚོས་སྐོར་ཐེག་དགུའི་ཚོས་ཆུལ་ཚང་ལ་མ་ནོར་བ་འདི་ཉིད་ཀྱི་མ་ལུགས་ཀྱི་དུ་བཤད་དང་སྒྲུབ་པའི་ཚོས་སྐོར་ཐེག་དགུའི་ཚོས་ཆུལ་ཚང་ལ་མ་ནོར་བ་འདི་ཉིད་ཀྱི་མ་ལུགས་ཀྱི་ཐུགས་ཀར་ཐུགས་ཁངས་ཐོག་ཏུ་ཆོས་སྐོར་ཐེག་དགུའི་ཚོས་ཆུལ་ཚང་ལ་མ་ནོར་བ་འདི་ཉིད་ཀྱི་ཞལ་ལུང་ཁ་ཡི་ཟེ་ཀྱུ་དུ་བཤད་དང་སྒྲུབ་པས་འཇིག་སྟེན་སྲིད་ཞིའི་བར་དུ་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོས་སྐྱོང་སྲུང་བྱེད་པའི་ཐུགས་ཀྱི་བསྟན་པ་རིན་པོ་ཆེ་ཤ་སྟག་ཏུ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཁྱབ་བདག་དཔལ་ལྡན་བླ་མ་དམ་པ་ཐམས་ཅད

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

ཞ་དོལ་པོ་སྤྲུལ་སྐུ་དགེ་རྩ་ཚོགས་པ།
Dolpo Tulku Charitable Foundation
Trust Regn. Number Trust 741

ཞ། དེ་ཡང་སྐལ་བཟང་རྣམ་འདྲེན་བཞེ་བའི་མདོ་སྡ་གས་ཀྱི་ཚོས་ཚུལ་ཟབ་མོ་རྒྱ་གར་འགག་བའི་ཡུལ་དུ་དར་ཞིང་རྒྱས་བའི་དུས་སུ་སློབ་དཔོན་ཆེན་པོ་བཟླ་འབྱུང་གནས་དང་མཁན་ཆེན་ཞི་བ་འཚོའི་སྐུགས་བསྒྲེད་བླ་ན་མེད་པ་དང་། བོད་ཀྱི་ཚོས་རྒྱལ་མེས་དཔོན་རྣམས་ཀྱི་སྙིང་རུས་དང་། ལོ་རྩ་བ་སྐ་ཅོག་ཞང་གསུམ་སོགས་ཀྱི་ལྟག་བསམ་དང་། གང་ཅན་ཞའི་བསོད་ནམས་ཀྱི་བགོ་སྐལ་བཟང་པོ་སོགས་རྒྱ་རྒྱན་ཕུན་སུམ་ཚོགས་པ་དེ་དག་ལས་བྱང་བ་རྒྱལ་བའི་བཀའ་བསྟན་རིན་པོ་ཆེ་སྤེལ་དང་། ཁྱད་པར་གསང་སྔགས་རྒྱུད་སྡེ་དུག་དང་འབྲེལ་བའི་རིང་རྒྱུད་བཀའ་མ། ཉེ་བརྒྱད་གཉེར་མ། ཟབ་མོ་དག་སྣང་གི་ཚོས་སྐོར་གཞི་ལས་འབྲས་གསུམ་ཚང་ལ་མ་ནོར་བ་འདི་ཉིད་ཀྱི་ཉ་ལ་ཡིའི་རི་རྒྱུད་གང་ནས་བཀུད་དང་སྣུབ་བས་འཇོམ་སྲིད་གསུངས་གནང་བཞིན་པ་དང་། དེ་དག་ཀྱང་ཕྱི་ནང་གསང་བའི་འགལ་རྐེན་མེད་ཁྱོད་སྲིད་གསུམ་ཚང་ལ་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོས་བཟུང་དངོས་བྱིན་བརླབས་དུ་འགྱུར་བའི་ཐེག་པས་ཀྱི་པོ་ཉ་དམ་ཅན་ཚོས་སྐྱོང་སྲུང་མའི་གསོལ་མཚོད་ནི་ཆེས་གལ་ཆེ་ལས་ཀྱི་རྒྱུ་ཡིད་ཀྱི་ཁྱེར་ཅན་ཚོས་སྐྱོང་སྲུང་མའི་གཏོར་མ་ཞེས་པ་དང་། ཆོ་གའང་རྒྱས་པ་ལས་ཀྱང་ཁ་ཅིག་ཏུ་ཡོད་པ་མེད་ཀྱང་། ཁོ་བོ་ཅག་ཐུབ་པའི་ཚོས་སྐྱོང་གཞི་ལས་འབྲས་གསུམ་ཚང་ལ་མ་ནོར་བ་ཡིན་པས་ཁོ་བོ་ཅག་ཀྱང་ཚོས་སྐྱོང་སྲུང་མའི་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཐོབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཚོས་སྐྱོང་སྲུང་མ་ཚོགས་ཀྱ

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

## प्रकाशकीय

बौद्ध शिक्षा विस्तारको निमित्त बौद्धदर्शन तथा योग (विश्वास र अभ्यास) को पाटो महत्त्वपूर्ण मानिन्छ । योगकै एक पक्षको रूपमा प्रणिधान (प्रार्थना) साथै पूजा पनि पर्दछन् । कुनै पनि दर्शनलाई बुझ्न तथा अवलम्बन गर्नको निमित्त त्यसमाथि विश्वास जगाउनुपर्ने हुन्छ । विश्वासको वातावरण निर्माण गर्ने शिलशिलामा प्रार्थना वा स्तुतिले पनि महत्त्वपूर्ण भूमिका खेल्दछ ।

यही तथ्यलाई हृदयङ्गम गर्दै यस बौद्ध शिक्षा विस्तार मैत्री धर्म द्वीप केन्द्र अन्तर्गत बौद्ध शिक्षा विस्तार अनुवाद समितिले सम्भोट लिपिमा अङ्कित, प्रकाशित भोटभाषामा रहेका बौद्ध धार्मिक ग्रन्थहरूलाई नेपालीभाषामा पनि अनुवाद गर्ने उद्देश्य लिएको छ । यसक्रममा सबैभन्दा पहिलो त्रिरत्न तथा धर्मपाल (क्षेत्रपाल) हरूका स्तुतिग्रन्थलाई अनुवाद गरिएको छ । प्रस्तुत् ग्रन्थमा सबै विषयहरूलाई सङ्क्षेपीकरण गरी समेटिएकोले उपयोगी हुने ठहरसहित प्रकाशित गरिएको हो ।

यस ग्रन्थभित्र बाहिरी, भित्री र गुह्य लगायतका विपत्ति, विघ्न, बाधाहरूका समनविधि संलग्न छन् । यसैगरी तत्काल सुख, शान्ति र आनन्द दिलाउने एवंरीतले अन्ततः मोक्ष र बोधिलाभको उपाय ज्ञान र विधि संलग्न रहेको छ । प्रस्तुत् स्तुतिका विधिवत् पाठ गरी पूजा सम्पन्न गरिएमा बाहिरी, भित्री तथा गुह्यबाधाहरूबाट मुक्ति मिल्नेछ । यस्तैगरी अनुकूल प्रत्ययुक्त भई साधारण तथा उत्तम सिद्धि प्राप्त हुनेछ ।

यस्तो महत्त्वपूर्ण ग्रन्थलाई सम्भोट लिपि र तिब्बतीभाषामा मात्रै सीमित राख्नु हुँदैन । यसलाई धेरैभन्दा धेरै लिपि र भाषामा

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

प्रकाशित गर्नु गराउनु अपरिहार्य रहेको छ । यही तथ्यलाई मनन्गर्दै अनुवाद गरिएको छ । अनुवादको क्रममा शब्दार्थ र सार दुवैलाई लक्षित गर्दै यी दुवै पक्षलाई न्याय हुने किसिमले अनुवाद गरिएको छ ।

हालसम्म पनि तिब्बती-नेपाली शब्दकोश उपलब्ध नहुनाले तिब्बती बौद्ध मूलग्रन्थमा प्रयोग गरिएका तिब्बती शब्दको समानान्तर नेपाली शब्द पहिल्याउन निकै कठिन छ । यसैकारण अनुवादको क्रममा नेपाली शब्दको सट्टा संस्कृत शब्दका केही प्रयोग हुन पुगेको छ । यस्तैगरी तिब्बती र नेपालीभाषाका व्याकरण साथै शब्द संरचना विधानमा पनि फरक छन् । यसले पनि अनुवादलाई निकै कठिन बनाएको छ । परिणामतः नेपालीभाषिक शुद्धा-शुद्धिको क्रममा पनि लामो समय लाग्यो । यी दुवै भाषा र व्याकरणका विज्ञको अभाव अर्को समस्या ठहरियो ।

उल्लेखित समस्याबीच संस्थागत रूपबाट पहिलो पटक पाठक, साधक तथा साधना चाहनेका लागि अनुवादित स्तुतिग्रन्थ प्रस्तुत् गरिएको छ । यस स्तुतिग्रन्थ साँच्चैको अभ्यास गर्न चाहानेहरूका लागि सहायकसिद्ध होस् । अनुवादको क्रममा कतै समस्या देखिएछन् भने औंल्याउँदै सुझाव दिनुहुनेछ भन्ने विश्वास लिएका छौं । धन्यवाद !

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

# विषय सूची


| | |
|---|---|
| आर्य अष्ट मङ्गल पद | १ |
| सप्त पद प्रार्थना (सात लाइनको प्रार्थना) | ७ |
| शरण गमन | ८ |
| चार अप्रमाण | ९ |
| सप्ताङ्ग पूजा | १० |
| मण्डल | १७ |
| त्रिकाय प्रार्थना | २२ |
| समग्र धर्मपाल सङ्क्षिप्त बलिविधि विहरति स्मः | २५ |
| अतिथि निमन्त्रणा | २७ |
| स्तुति | ४० |
| समस्त निधिपतिहरूका निम्ति बलि चढाउने | ४८ |
| समग्र भूमिपति बलिपूजा | ५३ |
| अर्पित बलिमा आलम्बन गरी डाक्ने | ५९ |
| दीर्घायु कामना | ७४ |
| सुखवती भुवनको सङ्क्षिप्त प्रणिधान | ७७ |
| परिणामना र प्रणिधान | ८१ |
| वज्रसत्व मन्त्र | ८७ |
| आर्य भद्रचर्या प्रणिधानराज· विहरति स्मः | ८८ |


Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།།འཕགས་པ་བཀྲ་ཤིས་བརྒྱད་པའི་ཚོགས་སུ་བཅད་པ་བཞུགས་སོ།།

फाग्प टशी ग्येपी छ्ग्सु च्येपा श्युग्सो ।
आर्य अष्ट मङ्गल पद विहरति स्मः

ལས་གང་ཞིག་རྩོམ་པ་ན་ཐོག་མར་འདི་ཚར་གཅིག་བརྗོད་ན་གྲུབ་པ་བདེ་བ་
ཡིད་བཞིན་དུ་སྐྱེད་པར་འགྱུར་བས་ཅི་ནས་ཡིད་ལ་བྱའོ། ।
(कुनै पनि काम आरम्भअघि एक पटक यो श्लोक वाचन गरिएमा मनले चिताएको पूरा हुने भएकोले जसरी भएपनि पाठ गर्नुपर्दछ ।)

ཨོཾ། སྣང་སྲིད་རྣམ་དག་རང་བཞིན་ལྷུན་གྲུབ་བའི།

**ओमः नङस्री नम्धग् रङ्शिन ल्हुन्ड्रुब्पी ।**

ओम् विशुद्ध तथा सहज सिद्ध सांसारिक स्वभावमय ।

།བཀྲ་ཤིས་ཕྱོགས་བཅུའི་ཞིང་ན་བཞུགས་པ་ཡི།

**टशी क्षोग्च्युई शिङ्न श्युग्पही ।**

दश दिशाका मङ्गल भुवनमा विराजमान ।

།སངས་རྒྱས་ཆོས་དང་དགེ་འདུན་འཕགས་པའི་ཚོགས།

**साङ्ग्ये क्षोईधाङ् गेदुन् फाग्पी छ्योग् ।**

बुद्ध, धर्म र आर्य सङ्घ गणहरूलाई ।

།ཀུན་ལ་ཕྱག་འཚལ་བདག་ཅག་བཀྲ་ཤིས་ཤོག

**कुन्ल क्षाग्छल् दाग् च्याग् टशी श्योग् ।**

वन्दना गर्दछु; हाम्रो मङ्गल होस् ।

།སྒྲོན་མེའི་རྒྱལ་པོ་རྩལ་བརྟན་དོན་འགྲུབ་དགོངས།

**डोन्मेही ग्याल्पो चाल्तेन् धोन्ड्रुब गोङ ।**

प्रदीपराज स्थिर सिद्धार्थज्ञ ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།བྱམས་པས་རྒྱན་དཔལ་དགེ་བཟང་དཔལ་དམ་པ།

**ཇ་ཨམ་པེ་གྱེན་པལ་གེ་ཐག་པལ་ཐམ་པ།**

मैत्रीको श्री अलङ्कार शुभकीर्ति श्री सन्त ।

།ཀུན་ལ་དགོངས་པ་རྒྱ་ཆེར་བཟང་པ་ཅན།

**कुन्ल गोङ्पा ग्याक्षेर ढाग्पा च्येन् ।**

सबैका परवाह गर्ने, महान् कीर्तिवान् ।

།ལྷུན་པོ་ལྷར་འཕགས་རྒྱལ་བཟང་དཔལ་དང་ནི།

**ल्हुन्पो तर फाग् चल्ढाग् पाल ढाङ नी ।**

सुमेरुपर्वत झैं श्री उच्च सुकीर्ति र श्रीले युक्त ।

།སེམས་ཅན་ཐམས་ཅད་ལ་དགོངས་བཟང་པའི་དཔལ།

**सेमच्येन थाम्चे लगोङ् ढाग्पी पाल् ।**

सबै प्राणीमा भावना प्रसिद्ध यश श्रीले ।

།ཡིད་ཚིམས་མཆོད་པ་རྒྱལ་རབ་བཟང་དཔལ་ཏེ།

**हिछिम् जेप चल् रब् ढाग् पाल्ते ।**

सन्तुष्ट गरिदिने पराक्रम श्रीकीर्ति ।

།མཆན་རྩམ་ཐོས་པའི་བཀྲ་ཤིས་དཔལ་འཕེལ་བ།

**छेन्चम् थोईपे टशी पाल् फेल्वा ।**

नाम मात्र सुनेमा पनि श्री मङ्गल वृद्धि हुने ।

།བདེ་བར་གཤེགས་པ་བརྒྱད་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ།

**देवार श्येग्पा ग्येला छ्यागछल्लो ।**

अष्ट तथागतहरूलाई वन्दना गर्दछु ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།འཇམ་དཔལ་གཞོན་ནུར་དཔལ་ལྡན་རྡོ་རྗེ་འཇིགས།

**ज्यम्पल श्योननु पल्देन दोर्जे जीन ।**

कुमार मञ्जुश्री, श्रीमान् वज्रधर (वज्रपाणि) ।

།སྤྱན་རས་གཟིགས་དབང་མགོན་པོ་བྱམས་པའི་དཔལ།

**च्येनरे शिगवाङ् गोन्पो झ्यम्पी पाल ।**

अवलोकितेश्वर श्री मैत्रीनाथ ।

།ས་ཡི་སྙིང་པོ་སྤྲིན་པ་རྣམ་པར་སེལ།

**सहि निङ्पो डिब्पा नम्पर सेल ।।**

भूमिगर्भ सर्वनिवारण विष्कम्भि ।

།ནམ་མཁའི་སྙིང་པོ་འཕགས་མཆོག་ཀུན་ཏུ་བཟང་།

**नम्खाई निङ्पो फाग्क्षोग् कुन्तु शाङ ।**

क्षितिजगर्भ, आर्यवर समन्तभद्र ।

།ཨུཏྤལ་རྡོ་རྗེ་པད་དཀར་གླུ་ཤིང་དང་།

**उत्पल दोर्जे पेकार लुशिङ धङ ।**

उत्पलवज्र, सेतोकमल, नागवृक्ष ।

།ནོར་བུ་ཟླ་བ་རལ་གྲི་ཉི་མ་ཡི།

**नोर्बु दवा रल्डी निमही ।**

मणि, चन्द्र, खड्ग र सूर्यको ।

།ཕྱག་མཚན་ལེགས་བསྟམས་བཀྲ་ཤིས་དཔལ་གྱི་མཆོག

**क्षाग्छेन लेग्नाम् टशी पल्गी क्षोग ।**

शुभ हस्तचिह्न धारण गर्नुभएको परम् श्री ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་བརྒྱད་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ།

**भ्याङक्षुब सेम्पा ग्येला क्षाग्छल्लो ।**

अष्ट बोधिसत्त्वहरूमा वन्दना गर्दछु ।

།རིན་ཆེན་གདུགས་མཆོག་བཀྲ་ཤིས་གསེར་ཉི་ཁ།

**रिन्छेन दुग क्षोग टशी सेरघी ञ्या ।**

महारत्न, उत्तमछत्र, मङ्गल, सुवर्णमाछा ।

།འདོད་འཇུང་བུམ་བཟང་ཡིད་འོང་ཀླ་མ་ལ།

**दोईज्युङ बुम्शाङ यिहोङ कमल ।**

काम्यदान, भद्रकलश, आकर्षक कमल ।

།སྐྱན་གྲགས་དུང་དང་ཕུན་ཚོགས་དཔལ་བེའུ།

**ञ्यान्ढग धुङ धङ फुन्छोग पल्वेहु ।**

यशका शङ्ख, श्रीसम्पन्न वल्स ।

།མི་ནུབ་རྒྱལ་མཚན་དབང་བསྐྱར་འཕོར་ལོ་སྟེ།

**मिनुव ग्यल्छेन वाङ ग्युर खोर्लो ते ।**

विजयध्वजा, आधिपत्यचक्र लगायत ।

།རིན་ཆེན་རྟགས་མཆོག་བརྒྱད་ཀྱི་ཕྱག་མཚན་ཅན།

**रिन्छेन ताग्क्षोग ग्येकी क्षागछेन च्येन ।**

अष्ट मङ्गलको हस्तचिह्न धारण गर्नेवाला ।

།ཕྱོགས་དུས་རྒྱལ་བ་མཆོད་ཅིང་དགྱེས་བསྐྱེད་མ།

**क्षोग धुई ग्याल्व क्षोईचिङ ग्येकेमा ।**

दिशा कालका जिन (बुद्ध) पुजेर हर्षित पार्नुभएकी ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།སྒེག་སོགས་ངོ་བོ་དྲན་པས་དཔལ་སྤེལ་བའི།

**गेग् सोग ङोवो ढेन्पे पल्पेल्वी ।**

लास्य (पुज्यदेवी) लगायतका स्वभाव सम्झिँदा श्री विस्तार हुने ।

།བཀྲ་ཤིས་ལྷ་མོ་བརྒྱད་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ།

**टशी ल्हमो ग्येला क्षाग्छल्लो ।**

अष्ट मङ्गलमय देवीहरूलाई वन्दना गर्दछु ।

།ཚངས་པ་ཆེན་པོ་བདེ་འཇུང་སྲེད་མེད་བྱ།

**छङ्पा छेन्पो देज्युङ सेमेभु ।**

महाब्रह्मा, शङ्कर, नारायण ।

།མིག་སྟོང་ལྡན་དང་རྒྱལ་པོ་ཡུལ་འཁོར་སྐྱོང་།

**मिगतोङ देनधङ ग्यल्पो युल्खोर स्क्योङ ।**

सहस्र नयन (हजार आँखा) भएका इन्द्रराज, राष्ट्रपाल ।

།འཕགས་སྐྱེས་པོ་དང་གླུ་དབང་མིག་མི་བཟང་།

**फाग्केपो धङ लुवाङ मिग मिशाङ ।**

विरूढक, नागेन्द्र, विरूपाक्ष ।

།རྣམ་ཐོས་སྲས་ཏེ་ལྷ་རྫས་འཁོར་ལོ་དང་།

**नाम्थोई सेते ल्हजे खोर्लो धङ ।**

वैश्रवणपुत्र लगायतका देवद्रव्य चक्र र ।

།དྲི་ཁུ་ལ་དང་མདུང་ཐུང་རྡོ་རྗེ་ཅན།

**त्रिशूल धाङ दुङ्युङ दोर्जे चेन ।**

त्रिशूल, भाला, वज्री ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།པི་ཝཾ་རལ་གྲི་མཚོད་རྟེན་རྒྱལ་མཚན་འཛིན།

**पिवं रल्डी क्षोईतेन ग्याल्छेन जिन ।**

वीणा, खड्ग, चैत्य र विजयध्वजा धारण गरी ।

།སས་གསུམ་གནས་སུ་དགེ་ལེགས་བཀྲ་ཤིས་སྤེལ།

**ससुम नेसु ग्येलेग टशी पेल ।**

तीन भुवनमा शुभकार्य र मङ्गल फैलाउने ।

།འཇིག་རྟེན་སྐྱོང་བ་བརྒྱད་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ།

**ज्यिग्तेन क्योङ्वा ग्येला क्षाग्छल्लो ।**

यी आठ लोकपालहरूलाई वन्दना गर्दछु ।

།བདག་ཅག་དེང་འདིར་བྱ་བ་རྩོམ་པ་ལ།

**दगच्याग धेङ दिर भ्यवा चोम्पला ।**

हामीले यहाँ अहिले शुभकार्यको प्रारम्भ गर्दा ।

།གེགས་དང་ཉེ་བར་འཚེ་བ་ཀུན་ཞི་ནས།

**गेग धङ ञेवर छेवा कुन श्हिने ।**

विघ्न (बाधा) र हिंसा गर्नेहरू सबैलाई शान्त पारेर ।

།འདོད་དོན་དཔལ་འཕེལ་བསམ་དོན་ཡིད་བཞིན་འགྲུབ།

**दोईधोन पल्फेल सम्धोन हिशिन डुब ।**

श्री कामेच्छाको वृद्धि एवं मनोकामना सिद्ध भई ।

།བཀྲ་ཤིས་བདེ་ལེགས་ཕུན་སུམ་ཚོགས་པར་ཤོག

**टशी देलेग फुन्सुम छोग पार श्योग ।**

शुभ मङ्गल कार्य सु-सम्पन्न होस् ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri
།ལྟ་བ་ཐོས་ནས་ཀྱང་། །ཉལ་ཞིང་བརྟན་པོ་མཐོང་། །གཡུལ་དུ་འཇུག་ཅེ་བཙོང་ན་ཕྱོགས་ལས་རྒྱལ། །བྱ་རྒོམ་དུས་བཙོང་ན་འདོད་དོན་འཕེལ། །རྒྱུན་དུ་བཙོང་ན་ཚེ་དཔལ་གྱགས་འབྱོར་ཤིས། །བདེ་ལེགས་ཕུན་ཚོགས་བསམ་དོན་ཡིད་བཞིན་འགྲུབ། །སྲིག་སྒྲིབ་ཀུན་བྱང་མདོན་མཐོ་དེས་ལེགས་ཀྱི། །དོན་ཀུན་འགྲུབ་པ་རྒྱལ་བ་མཆོག་གིས་གསུངས། །རབ་ཚེས་མེ་སྦྱེལ་རྒྱ་བ་གསུམ་པའི་ཚེས་གསུམ་གཟའ་ཉི་མ་དང་རྒྱུ་སྐར་རྒྱལ་ཀྱི་དུས་བཟང་པོའི་ཚ་ལ་འཇམ་དཔལ་དཀྱིལ་པའི་རྡོ་རྗེའི་ཡིད་མཚོ་ལས་བྱང་བའི་ནོར་བུའི་དོ་ཤལ་ཆེན་པོའི། །

बिहान उठेर वाचन गरिएमा सबै इच्छा पूरा हुनेछ । सुत्ने बेला वाचन गरिएमा राम्रो सपना देखिनेछ । युद्धमा जानुपरेको खण्डमा यो पाठ वाचन गरिएमा विजयी हुनेछ । कार्यारम्भमा पाठ गरिए चिताएको पूरा हुनेछ । सदैव पाठ गरिएमा आयु, कीर्ति, सम्पत्ति र शुभ मङ्गल भई चिताए अनुसार सिद्ध हुनेछ । सबै पाप आवरण शुद्ध भई सुगति र सर्वज्ञा सिद्ध हुनेछ भनी सिद्धार्थ जिनोत्तमले बताउनुभएको छ । यो अग्नि बाँदर वर्ष तेस्रो महिनाको तेस्रो दिन आइतबार नक्षत्रराजको, शुभ दिनमा ज्याम्पल गेपि दोर्जे चित्तसागरबाट उत्पन्न भएको महामणिमाला हो ।

ཚིག་བདུན་གསོལ་འདེབས། །

सप्त पद प्रार्थना (सात लाइनको प्रार्थना)

ཧཱུྃ། ཨོ་རྒྱན་ཡུལ་གྱི་ནུབ་བྱང་མཚམས།

**हुँः ओग्येन युल्धी नुब भ्यङ छम ।**

हुङ् ओडियान देशको पश्चिम-उत्तर कोणमा,

པདྨ་གེ་སར་སྡོང་པོ་ལ།

**पेमा गेसर दोङपो ला ।**

पद्म केशरको कमलवृक्षमा,

ཡ་མཚན་མཆོག་གི་དངོས་གྲུབ་བརྙེས།

**याछेन क्षोगघी ङोईद्रुब ने ।**

आश्चर्यजनक परम् सिद्धि प्राप्त,

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

པདྨ་འབྱུང་གནས་ཞེས་སུ་བཀོད།
**पेमा ज्युङने शेसु ढग ।**
पद्मसंभव नामले प्रख्यात हुनुभएको,

འཁོར་དུ་མཁའ་འགྲོ་མང་པོས་བསྐོར།
**खोरघु खाण्डो माङपोई कोर ।**
डाकिनीका परिवारले घेरिनुभएको,

སྐྱེད་ཀྱི་རྗེས་སུ་བདག་བསྐྱབ་ཀྱིས།
**खेकी जेसु दाग डुब्की ।**
म हजुरको अनुशरण गर्दछु ।

བྱིན་གྱིས་བརླབ་ཕྱིར་གཅེག་སུ་གསོལ།
**झिन्ची लाब छिर शेगसु सोल ।**
आशिर्वाद दिनको निम्ति पाल्नुहोस् ।

གུ་རུ་པདྨ་སིདྡྷི་ཧཱུྃ།
**गुरु पेमा सिद्धि हुँ ।**
गुरु पद्म सिद्धि हुँ ।

སྐྱབས་འགྲོ།
शरण गमन

སངས་རྒྱས་ཆོས་དང་ཚོགས་ཀྱི་མཆོག་རྣམས་ལ།
**साङ्गे क्षोई धाङ छोग्की क्षोग नाम्ला ।**
बुद्ध, धर्म र उत्तम सङ्घहरूमा,


Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།བྱང་ཆུབ་བར་དུ་བདག་ནི་སྐྱབས་སུ་མཆི། ।
**भ्याङ क्षुब भरघु दग्नी क्यब्सु छी ।**
बोधि लाभ नभएसम्म म शरणमा जानेछु,

བདག་གིས་སྦྱིན་སོགས་བསྒྲུབ་པའི་བསོད་ནམས་ཀྱིས།
**दगघी जिन्सोग गिपी सोई नामकी ।**
मैले गरेको दान आदिका पुण्यहरूले,

།འགྲོ་ལ་ཕན་ཕྱིར་སངས་རྒྱས་འགྲུབ་པར་ཤོག ।
**डोला फेनछीर साङ्गे डुब्पर स्योग ।**
लोक हितका निम्ति बुद्धत्व सिद्ध गर्न सकुँ ।

ཅེས་ལན་གསུམ་བརྗོད།
तीनपटक पाठ गर्ने ।

ཚད་མེད་བཞི།
चार अप्रमाण

སེམས་ཅན་ཐམས་ཅད་བདེ་བ་དང་བདེ་བའི་རྒྱུ་དང་ལྡན་པར་གྱུར་ཅིག
**सेमच्येन थाम्च्ये देवा धङ देवी ग्युधाङ देनपर ग्युर चिग ।**
समस्त सत्त्वहरू सुख र सुखको हेतुले युक्त होउन् ।

སྡུག་བསྔལ་དང་སྡུག་བསྔལ་གྱི་རྒྱུ་དང་བྲལ་བར་གྱུར་ཅིག ।
**दुग्ङल धङ दुग्ङलघी ग्यु धङ ढलवार ग्युर चिग ।**
दुःख र दुःखको हेतुबाट मुक्त होउन् ।

སྡུག་བསྔལ་མེད་པའི་བདེ་བ་དམ་པ་དང་མི་འབྲལ་བར་གྱུར་ཅིག ।
**दुग्ङल् मेपी देव धम्पधङ मिडल वार ग्युर चिग ।**
दुःखरहित परम् सुखदेखि वियोग नहोउन् ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

ཉེ་རིང་ཆགས་སྡང་གཉིས་དང་བྲལ་བའི་བཏང་སྙོམས་ཚད་མེད་པ་ལ་གནས་པར་གྱུར་ཅིག ।ཚེས་ལན་གསུམ་བརྗོད།

**नेरिङ क्षागदङ् निघङ ढाल्वी ताङञ्योम छेमेपाला नेपर ग्युर चिग ।**

नजिककालाई काख, टाढाकालाई पाखा नगरेर उपेक्षा अप्रमाणमा स्थिर होउन् । तीनपटक पाठ गर्ने ।

ཡན་ལག་བདུན་པ།
सप्ताङ्ग पूजा

རྒྱ་སྐྱེད་སུ་དག་ཕྱོགས་བཅུའི་འཇིག་རྟེན་ན།

**जिने सुधाग क्षोग च्युई ज्यिग्तेन्ना ।**

दश दिशाका लोकमा जो जति भएका ।

།དུས་གསུམ་གཤེགས་པ་མི་ཡི་སེང་གེ་གྱུན།

**धुईसुम शेग्पा मिहि सेङ्गे कुन ।**

त्रिकालका सबै नरसिंह बुद्धहरू ।

།བདག་གིས་མ་ལུས་དེ་དག་ཐམས་ཅད་ལ།

**दाग्घी मालुई धेघाग थाम्चेला ।**

लगायत तथागतहरूलाई ।

།ལུས་དང་དག་ཡིད་དང་བས་ཕྱག་བགྱིའི།

**लुईघङ ङगहि घङवे क्षाग्गीहो ।**

म तन, मन, वचनद्वारा प्रसन्नतापूर्वक ढोग गर्दछु ।

།བཟང་པོ་སྤྱོད་པའི་སྨོན་ལམ་སྟོབས་དག་གིས།

**शाङ्पो च्योईपी मोन्लम् तोब धाग्घी ।**

भद्रचर्या प्रणिधानको बलले ।


Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།རྒྱལ་བ་ཐམས་ཅད་ཡིད་ཀྱིས་མངོན་སུམ་དུ།
**ग्यल्वा थाम्चे हिकी ङोन सुम्धु ।**
सम्पूर्ण जिनलाई चित्तद्वारा साक्षात्कार गरी ।

།ཞིང་གི་རྡུལ་སྙེད་ལུས་རབ་བཏུད་པ་ཡི།
**शिङ्घी दुल्ञे लुईराब तुईपाही ।**
भूमिमा रहेको धुलोको सङ्ख्या जति शरीर निहुरेर ।

།རྒྱལ་བ་ཀུན་ལ་རབ་ཏུ་ཕྱག་འཚལ་ལོ།
**ग्यल्वा कुन्ला राब्तु क्षाग्छल्लो ।**
समस्त जिन (बुद्ध) हरूलाई ढोग गर्दछु ।

།རྡུལ་གཅིག་སྟེང་ན་རྡུལ་སྙེད་སངས་རྒྱས་རྣམས།
**दुलचिग तेङ्न दुल्ञे साङ्गे नाम ।**
एक कणमा रहेका धूलोको सङ्ख्यासरि बुद्धहरू ।

།སངས་རྒྱས་སྲས་ཀྱི་དབུས་ན་བཞུགས་པ་དག།
**साङ्गे सेकी उईन श्युग्पा धाग ।**
बुद्धपुत्रका बीचमा विराजमान हुनुभएका ।

།དེ་ཕྱིར་ཆོས་ཀྱི་དབྱིངས་རྣམས་མ་ལུས་པ།
**धेतर क्षोईकी ईङ्नाम मलुईपा ।**
त्यसैगरी सम्पूर्ण धर्म धातुहरूमा ।

།ཐམས་ཅད་རྒྱལ་བ་དག་གིས་གང་བར་མོས།
**थाम्चे ग्याल्वा दाग्घी घाङवर मोई ।**
जिनहरूले भरिएको श्रद्धा गर्दछु ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།དེ་དག་བསྟོགས་པ་མི་ཟད་རྒྱ་མཚོ་རྣམས།
**धेधाग डाग्पा मीशे ग्याछो नाम ।**
उहाँहरूलाई प्रशंसा गरेको अक्षय समुद्रहरूका

།དབྱངས་ཀྱི་ཡན་ལག་རྒྱ་མཚོའི་སྒྲ་གུན་ཀྱིས།
**याङ्की यानलाग ग्याछोई डकुन्धी ।।**
मिठो स्वरको अङ्ग र सागररूपी शब्दलाई ।

།རྒྱལ་བ་ཀུན་ཀྱི་ཡོན་ཏན་རབ་བརྗོད་ཅིང་།
**ग्यल्व कुन्धी योन्तन राबज्योई चिङ ।**
सम्पूर्ण जिनहरूका गुण वर्णन गरी ।

།བདེ་བར་གཤེགས་པ་ཐམས་ཅད་བདག་གིས་བསྟོད།
**देवर श्येग्पा थाम्चे दाग्गी तोई ।**
म सर्व सुगतहरूका स्तुति गर्दछु ।

།མེ་ཏོག་དམ་པ་ཕྲེང་བ་དམ་པ་དང་།
**मेतोग् धाम्पा ठेङ्वा धम्प धङ ।**
उत्कृष्ट फूलको उत्तम माला ।

།སིལ་སྙན་རྣམས་དང་བྱུག་པ་གདུགས་མཆོག་དང་།
**सिल्ञेन नाम धङ ज्युग्पा दुग्क्षोग धङ ।**
दिव्य बाजाहरू, विलेपन र उत्तम छत्र ।

།མར་མེ་མཆོག་དང་བདུག་སྤོས་དམ་པ་ཡིས།
**मर्मे क्षोग्धङ दुग्पोई धाम्पाही ।**
उत्तम दीप र उत्तम धूपले ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།རྒྱལ་བ་དེ་དག་ལ་ནི་མཆོད་པར་བགྱི།
**ग्याल्वा धेधाग् लानि क्षोईपरग्यी ।**
ती जिन (बुद्ध) हरूका पूजा सत्कार गर्दछु ।

།ན་བཟའ་དམ་པ་རྣམས་དང་དྲི་མཆོག་དང་།
**नशा धाम्पा नाम धङ ढीक्षोग धङ ।**
दिव्य वस्त्रहरू उत्तम र सुगन्ध ।

།ཕྱེ་མ་ཕུར་མ་རི་རབ་མཉམ་པ་དང་།
**क्षेमा फुर्म रिराव ञ्यम्पा धङ ।**
चूर्ण पुटिका सुमेरु पर्वत समान ।

།བགོད་པ་ཁྱད་པར་འཕགས་པའི་མཆོག་གིས་སྤྲིས།
**कोईपा खेपर फाग्पी क्षोग कुन्धी ।**
व्यवस्थित उत्तम पूजा सामग्रीद्वारा ।

།རྒྱལ་བ་དེ་དག་ལ་ནི་མཆོད་པར་བགྱི།
**ग्याल्वा धेधाग लनिक्षोईपर गी ।**
जिन (बुद्ध) हरूका पूजा सत्कार गर्दछु ।

།མཆོད་པ་གང་རྣམས་བླ་མེད་རྒྱ་ཆེ་བ།
**क्षोईपा घाङनाम लामे ग्याक्षेवा ।**
अनुत्तर वैपुल्य (भव्य) पूजाहरूद्वारा ।

།དེ་དག་རྒྱལ་བ་ཐམས་ཅད་ལ་ཡང་མོས།
**धेधाग ग्याल्वा थाम्चे लयाङ मोई ।**
ती समस्त जिन (बुद्ध) हरूलाई पनि भक्ति गर्दछु ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།བཟང་པོ་སྤྱོད་ལ་དད་པའི་སྟོབས་དག་གིས།
**शाङपो च्योईला धेपी तोब धाग घी ।**
भद्रचर्यामा श्रद्धा गरिएको बलले ।

།རྒྱལ་བ་ཀུན་ལ་ཕྱག་འཚལ་མཆོད་པར་བགྱི།
**ग्यल्वा कुन्ला क्षागछल् क्षोईपर गी ।**
जिन (बुद्ध) हरूलाई दण्डवत् गरी पूजा गर्दछु ।

།འདོད་ཆགས་ཞེ་སྡང་གཉི་ལུག་དབང་གིས་ནི།
**दोईक्षाग शेदाङ तिमुग वाङघी नी ।**
रिस, राग र मोहको वशमा परेर नै ।

།ལུས་དང་དག་དང་དེ་བཞིན་ཡིད་ཀྱིས་ཀྱང་།
**लुईधङ ङग्धङ धेशिन हिकी क्यङ ।**
शरीर, वचन र त्यसैगरी चित्तले पनि ।

།སྡིག་པ་བདག་གིས་བགྱིས་པ་ཅི་མཆིས་པ།
**दिग्पा दाग्घी गीपा चिक्षिपा ।**
म द्वारा जति पापकर्महरू गरिएका छन् ।

།དེ་དག་ཐམས་ཅད་བདག་གིས་སོ་སོར་ཤཱག་གས།
**धेघाग थाम्चे दाघी सोसोर श्याग ।**
ती सबै प्रतिदेशना गर्दछु ।

།ཕྱོགས་བཅུའི་རྒྱལ་བ་ཀུན་དང་སངས་རྒྱས་སྲས།
**क्षोग च्युई ग्याल्वा कुन धङ साङ्गे स्रे ।**
दश दिशाका समस्त जिन र बुद्धपुत्र ।


Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།རང་རྒྱལ་རྣམས་དང་སློབ་དང་མི་སློབ་དང་།
**राङ ग्यल नाम धङ लोब धङ मिलोब धङ ।**
प्रत्येक बुद्धहरू र शैक्ष, अशैक्ष ।

།འཕྲོ་བ་ཀུན་གྱིས་བསོད་ནམས་གང་ལ་ཡང་།
**डोवा कुन्धी सोईनाम घाङला याङ ।**
सबै प्राणीद्वारा गरिएका पुण्य ।

།དེ་དག་ཀུན་གྱི་རྗེས་སུ་བདག་ཡི་རང་།
**धेघाग कुन्गी जेसु दाग हिरङ ।**
कार्यहरूलाई अनुमोदन गर्दछु ।

།གང་རྣམས་ཕྱོགས་བཅུའི་འཇིག་རྟེན་སྒྲོན་མ་རྣམས།
**घाङ नाम क्षोग च्युई जिग्तेन डोन्म नाम ।**
दशै दिशाका उहाँ लोकप्रदीपहरू ।

།བྱང་ཆུབ་རིམ་པར་སངས་རྒྱས་མ་ཚགས་བརྙེས།
**भ्याङक्षुब रीमपर साङ्गे मक्षाग ञे ।**
बोधिक्रममा अरागबुद्धत्व प्राप्त गर्नु भएका ।

།མགོན་པོ་དེ་དག་བདག་གིས་ཐམས་ཅད་ལ།
**गोन्पो धेघाग दाग्घी थाम्चे ला ।**
उहाँ समस्त नाथहरूलाई म ।

།འཕོར་ལོ་བླ་ན་མེད་པར་བསྐོར་བར་བསྐུལ།
**खोर्लो लाना मेपार कोवार्र कुल ।**
अनुत्तर धर्मचक्र प्रवर्तन गर्न अनुरोध गर्दछु ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།སྒྲུབ་དན་འདའ་སྟོན་གང་བཞེད་དེ་དག་ལ།
**ञ्याङेन दातोन घाङशे धेघाग ला ।**
निर्वाण प्राप्त गर्ने चाहना राख्नेहरूलाई ।

།འགྲོ་བ་ཀུན་ལ་ཕན་ཞིང་བདེ་སྐྱིར།
**डोवा कुन्ला फेन शिङ देवई क्षिर ।**
सर्वप्राणीका हित र सुखका निम्ति ।

།བསྐལ་པ་ཞིང་གི་རྡུལ་སྙེད་བཞུགས་པར་ཡང་།
**कल्प शिङ्घी दुल्ञे श्युग पर याङ ।**
भूमिको धुलो जति कल्पौँसम्म रहनका लागि ।

།བདག་གིས་ཐལ་མོ་རབ་སྦྱར་གསོལ་བར་བགྱི།
**दाग्घी थाल्मो राब ज्यार सोल्वर गी ।**
म अञ्जलीबद्ध गरेर प्रार्थना गर्दछु ।

།ཕྱག་འཚལ་བ་དང་མཆོད་ཅིང་ཉཧགས་པ་དང་།
**क्षाग्छल् वाघाङ क्षोईचिङ श्याग्पा धङ ।**
वन्दना, पूजा र पापदेशना ।

།རྗེས་སུ་ཡི་རང་བསྐུལ་ཞིང་གསོལ་བ་ཡི།
**जेसु हिराङ् कुल शिङ सोल्वाही ।**
अनुमोदन, धर्मचक्र प्रवर्तन गर्न याचना गरी ।

།དགེ་བ་ཅུང་ཟད་བདག་གིས་ཅི་བསགས་པ།
**गेवा च्युङ्शे दाग्घी चि साग्पा ।**
मैले सञ्चय गरेको जति पुण्य छन् ।


Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།ཐམས་ཅད་བདག་གིས་བྱང་ཆུབ་ཕྱིར་བསྟོའོ། ।

**थाम्चे दागघी भ्याङक्षुब क्षिर ङोहो ।**

ती सबै बोधिज्ञान प्राप्तिको निम्ति परिणामना गर्दछु ।

མཆོག
मण्डल

ཨཱ། །ཨོཾ་བཛྲ་བྷཱུ་མི་ཨཱཿ ཧཱུྃ།

**ॐ वज्र भूमि आः हुङ् ।**

གཞི་ཡོངས་སུ་དག་པ་དབང་ཆེན་གསེར་གྱི་ས་གཞི།

**शि योङसु धग्पा वाङक्षेन सेरघी साशी ।**

अत्यन्त शुद्ध र महान् बलियो सुर्वणमय भूमि ।

།ཨོཾ་བཛྲ་རེ་ཁེ་ཨཱཿ ཧཱུྃ།

**ॐ बज्र रेखे आः हुङ् ।**

ཕྱི་ལྗགས་རི་ཁོར་ཡུག་གིས་བསྐོར་བའི་དབུས་སུ་ཧཱུྃ།

**छि च्यगरी खोरयुग घी कोरवाई उईसु हुङ ।**

बाहिरबाट फलामको पर्खालले घेरिएको बीचमा हुङ ।

རིའི་རྒྱལ་པོ་རི་རབ། ཤར་ལུས་འཕགས་པོ། ལྷོ་འཇམ་བུ་གླིང་།

**रिहि ग्यल्पो रिराब । स्यार लुईफाग पो । ल्हो जम्बुलिङ ।**

सुमेरु पर्वतराज, पूर्वमा विदेह, दक्षिणमा जम्बुद्वीप,

ནུབ་བ་གླང་སྤྱོད། བྱང་སྒྲ་མི་སྙན། ལུས་དང་ལུས་འཕགས།

**नुब भालाङ च्योई । भ्याङ डमिञेन । लुई घङ लुई फाग ।**

पश्चिममा अपर गोदनीय, उत्तरमा कुरु, देह र विदेह,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

རྡ་ཡབ་དང་རྡ་ཡབ་གཞན། གཡོ་ཕྱན་དང་ལམ་མཆོག་འགྲོ།
**ङ यब धङ ङ यब शेन । योदेन धङ लम् क्षोग डो ।**
चमर र अपर चमर, शठ र उत्तरपन्थ,

སྨྲ་མི་སྣན་དང་སྨྲ་མི་སྣན་ཀྱི་ཟླ། རིན་པོ་ཆེའི་རི་བོ།
**ङ मिञेन धङ ङ मिञेनघी दा । रिन्पोछेही रिवो ।**
कुरु र कौरव, रत्नपर्वत,

དཔག་བསམ་གྱི་ཤིང་། འདོད་འཇོའི་བа། མ་རྨོས་པའི་ལོ་ཏོག
**पागसम् घीशिङ । दोई ज्योही वा । ममोईपी लोतोग ।**
कल्पवृक्ष, कामधेनु गाई, नजोती फलेको अन्न (स्व उत्पन्न अन्न),

འཁོར་ལོ་རིན་པོ་ཆེ། ནོར་བུ་རིན་པོ་ཆེ། བཙུན་མོ་རིན་པོ་ཆེ།
**खोरलो रिन्पोछे । नोर्बु रिन्पोछे । चुन्मो रिन्पोछे ।**
चक्ररत्न, मणिरत्न, स्त्रीरत्न,

བློན་པོ་རིན་པོ་ཆེ། གླང་པོ་རིན་པོ་ཆེ། རྟ་མཆོག་རིན་པོ་ཆེ།
**लोन्पो रिन्पोछे । लाङपो रिन्पोछे । ता क्षोग रिन्पोछे ।**
मन्त्रीरत्न, हस्तिरत्न, अश्वरत्न,

དམག་དཔོན་རིན་པོ་ཆེ། གཏེར་ཆེན་པོའི་བུམ་པ།
**माग पोन रिन्पोछे । तेर छेन पोई बुम्पा ।**
सेनापतिरत्न, महानिधिको कलश,

སྐེག་པ་མ། ཕྲེང་བ་མ། གླུ་མ། གར་མ། མེ་ཏོག་མ། བདུག་སྤྲོས་མ།
**गेगमा, ठेङवामा, लुमा, घरमा, मेतोग्मा, दुग्पोईमा ।**
लास्यादेवी, माला चढाउने देवी, गीत गाउने देवी,
नृत्य देवी, फूल चढाउने देवी, धूप चढाउने देवी,

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

སྣང་གསལ་མ། དྲི་ཆབ་མ། ཉི་མ། ཟླ་བ། རིན་པོ་ཆེའི་གདུགས།
**नाङ्सलमा, ढिक्षबमा, निमा, दावा, रिन्पोछेही दुग ।**
बत्ती चढाउने देवी, सुगन्धित जल चढाउने देवी, सूर्य, चन्द्रमा, रत्नको छत्र,

ཕྱོགས་འཕས་རྣམ་པར་རྒྱལ་བའི་རྒྱལ་མཚན་ལྟ་དང་མཉེའི་དཔལ་འབྱོར་
**क्षोगले नामपर ग्याल्वाई ग्यल्छेन ल्हधङ मिहि पालज्योर**
दिग्विजयका ध्वजाहरू, देवता र मनुष्यका

ཕུན་སུམ་ཚོགས་པ་མ་ཚད་པ་མེད་པ་འདི་ཉིད་ངེན་ཅན་རྩ་བ་དང་
**फुन्सुम छोग्पा म छाङ्वा मेपा दिनी ढिनचेन चावा धङ**
सु-सम्पन्न श्रीसम्पत्ति, कुनै अपुरो नभएको, यी सबै मूल तथा

བརྒྱུད་པར་བཅས་པའི་དཔལ་ལྡན་བླ་མ་དམ་པ་རྣམས་དང་
**ग्युईपर चेपी पल्देन लामा धम्पा नाम धङ**
परम्परागत श्रीमान् सन्त, गुरुहरू र

ཡི་དམ་རྒྱལ་བའི་དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ལྷ་ཚོགས་སངས་རྒྱས་དང་
**हिधम ग्यल्वाई किल्खोरघी ल्ह छोग साङ्गे धङ**
इष्टदेव जिन मण्डलमा भएका देवगण, बुद्ध र

བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའི་ཚོགས་དང་བཅས་པ་རྣམས་ལ་དབུལ་
**भ्याङक्षुब सेम्पी छोग धङ चेपा नाम्ला**
बोधिसत्त्व लगायतको महासङ्घ समेतलाई

བར་བཅྱེའོ། །ཐུགས་བརྩེས་འགྲོ་བའི་དོན་དུ་བཞེས་སུ་གསོལ།
**वुलवर ग्यिहो थुग्जे डोवाई धोन्धु शेसु सोल ।**
चढाउँदछु । करुणाले प्राणीहरूका निम्ति ग्रहण गरिदिनुहोस् ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།བཞེས་ནས་བྱིན་གྱིས་བརླབ་ཏུ་གསོལ།།
**शेने ह्रिन्धी लाब्तु सोल ।**
ग्रहण गरी अधिष्ठान दिनुहोस् ।

ས་གཞི་སྤོས་ཀྱིས་བྱུགས་ཤིང་མེ་ཏོག་བཀྲམ། ।
**साशी पोईकी ज्युग्शीङ मेतोग टम् ।**
भूमिमा सुगन्धित धूप छरेर फूलले सजाइ,

རི་རབ་གླིང་བཞི་ཉེ་ཟླས་བརྒྱན་པ་འདི།
**रिराब लिङ्शी न्दि गेन्पा दी ।**
सुमेरु पर्वत, चारद्वीप, चन्द्र, सूर्यले अलङ्कृत यो

།སངས་རྒྱས་ཞིང་དུ་དམིགས་ཏེ་ཕུལ་བ་ཡིས།
**साङ्गे शिङ्धु मिग्ते फुलवही ।**
बुद्धभुवनमा आलम्बन गरी अर्पण गरेकोले,

།འགྲོ་ཀུན་རྣམ་དག་ཞིང་དུ་སྤྱོད་པར་ཤོག ।
**डोकुन नामधाग शिङ्धु च्योईपर श्योग ।**
सम्पूर्ण प्राणीले शुद्ध भुवनको उपभोग गर्न पाउन् ।

ཏྭཾ་གུ་རུ་རཏྣ་མཎྜལ་པུཥྤ་མེ་ཕྲ་ས་མུ་དྲ་སྥ་ར་ཎ་ས་མ་ཡེ་ཨཱ་ཧཱུྃ།
**त्वं गुरु रत्न मण्डल पुच्छ मेघ समुद्र स्फरण समये आ हुङ् ।**

མཉེས་བྱེད་མཆོད་བཟང་པོ་འདི་འབུལ་བས།
**ञेजे मण्डल शाङ्पो दिफुल्वे ।**
प्रसन्न हुने भद्रमण्डल यो चढाउँनाले ।


Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།བྱང་ཆུབ་ལམ་ལ་བར་ཆད་མི་འབྱུང་ཞིང་།
**ज्याङ्क्षुब लामला भार्छे मीज्युङ शिङ ।**
बोधिमार्गमा विघ्न वा बाधा उत्पन्न नभई ।

།དུས་གསུམ་བདེ་གཤེགས་དགོངས་པ་རྫོགས་པ་དང་།
**धुईसुम देशेग गोङ्पा तोगपा धाङ ।**
त्रिकालका सुगत बुद्धको ज्ञान बोध भई ।

།སྲིད་པར་མི་འགྲུལ་ཞེ་བར་མི་གནས་ཤིང་།
**स्री पार मिठुल शिवार मिनेश्यिङ् ।**
सांसारिक भ्रम र शान्ति (निर्वाण) मात्रमा नलागेर ।

།ནམ་མཁའ་མཉམ་པའི་འགྲོ་རྣམས་སྒྲོལ་བར་ཤོག ।
**नाम्खा ञ्याम्पी डोनाम डोल्वार श्योग ।**
आकाशव्यापी प्राणीका उद्धार गर्न सकियोस् ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri



ཨེ་མ་ཧོ་ཨེ། སྤྲོས་བྲལ་ཆོས་ཀྱི་དབྱིངས་ཀྱི་ཞིང་ཁམས་སུ།
**ऐमहो । टोईढल क्षोईकी ईङकि शिङ खाम्सु ।**
ओहो ! निष्प्रपञ्च धर्मधातुका क्षेत्रमा ।

ཆོས་ཉིད་དུས་གསུམ་སྐྱེ་འགག་མེད་པའི་ངང་ཏུ།
**क्षोईनी धुईसुम केगग मेपी ङङ् ।**
त्रिकाल धर्मता अनुत्पन्न अनिरुद्धद्वारा ।

བྱ་བྲལ་ལྷུན་རྫོགས་བདེ་བ་ཆེན་པོའི་སྐུ།
**भ्याढल ल्हुन्जोग देवा क्षेन्पोई कु ।**
क्रियामुक्त, सहजसिद्ध, महासुखकाय ।

ནམ་མཁའ་བཞིན་དུ་ཐུགས་རྗེ་ཕྱོགས་རིས་མེད།
**नाम्खा शिन्दु थुग्जे क्षोगरी मे ।**
पक्षपातरहित आकाश झैं करुणा भएका ।

བླ་མ་ཆོས་ཀྱི་སྐུ་ལ་གསོལ་བ་འདེབས།
**लामा क्षोईकी कुला सोल्वादेव ।**
गुरु धर्मकायलाई प्रार्थना गर्दछु ।

ཨོ་རྒྱན་པདྨ་འབྱུང་གནས་ལ་གསོལ་བ་འདེབས།
**ओर्ग्येन पेमाज्युङ्नेला सोल्वादेव ।**
ओडियानका गुरु पद्मसंभवलाई प्रार्थना गर्दछु ।

བདེ་ཆེན་ལྷུན་གྲུབ་བདེ་ཞིང་ཁམས་སུ།
**देक्षेन ल्हुन्गी ढुबपी शिङ खाम्सु ।**
निर्भोग महासुख क्षेत्रमा ।


Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

སྐུ་གསུང་ཐུགས་དང་ཡོན་ཏན་ཕྲིན་ལས་ཀྱི།

**कुसुङ थुग्धाङ योन्तेन ठिन्लेकी ।**

काय, वाक, चित्त, कर्म र गुणका ।

ཡེ་ཤེས་ལྔ་ལྡན་བདེ་བར་གཤེགས་པའི་སྐུ།

**हिशे ङदेन देवार श्येगपी कु ।**

पञ्चज्ञानयुक्त सुगतकाय ।

ཐུགས་རྗེས་བྱེ་བྲག་སྣ་ཚོགས་སོ་སོར་སྟོན།

**थुग्ज्ये झेढाग नछोग सोसोर तोन ।**

विविध प्रकारका करुणा दर्साउनुहुने ।

བླ་མ་ཡོངས་སྤྱོད་རྫོགས་སྐུ་ལ་གསོལ་བ་འདེབས།

**लामा लोङच्योई जोग्कुला सोल्वादेव ।**

गुरु सम्भोगकायलाई प्रार्थना गर्दछु ।

ཨོ་རྒྱན་པདྨ་འབྱུང་གནས་ལ་གསོལ་བ་འདེབས།

**ओर्ग्येन पेमा ज्युङनेला सोल्वादेव ।**

ओडियानका गुरु पद्मसंभवलाई प्रार्थना गर्दछु ।

མི་མཇེད་འཇིག་རྟེན་དག་པའི་ཞིང་ཁམས་སུ།

**मिज्ये ज्यिग्तेन धागपी शिङ खाम्सु ।**

सह-लोकधातु विशुद्ध क्षेत्रमा ।

ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོས་འགྲོ་བའི་དོན་ལ་བྱོན།

**थुग्ज्ये क्षेन्पोई डोवई धोन्ला भ्योन ।**

प्राणी उद्धारका निम्ति अवतरण हुनुभएको महाकारुणिक ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

གང་ལ་གང་འདུལ་ཐབས་ཀྱི་འགྲོ་དོན་མཛད་ཅིང་།
**घङ्ला घाङ्दुल थाब्की डोघोनजे ।**
जसलाई जेले हित हुन्छ; त्यही उपायले लोकको हित गर्नुभएको ।

འདས་དང་མ་བྱོན་དང་ལྡན་དུས་གསུམ་གྱིས།
**देघाङ मभ्योन धता धुईसुमग्यि ।**
भूत, भविष्य र वर्तमान गरी त्रिकालका ।

བླ་མ་སྤྲུལ་པའི་སྐུ་ལ་གསོལ་བ་འདེབས།
**लामा ट्रुल्पी कुला सोल्वादेव ।**
गुरु निर्माणकायलाई प्रार्थना गर्दछु ।

ཨོ་རྒྱན་པདྨ་འབྱུང་གནས་ལ་གསོལ་བ་འདེབས།
**ओर्ग्येन पेमा ज्युङ्नेला सोल्वादेव ।**
ओडियानका पद्मसंभवलाई प्रार्थना गर्दछु ।

འོག་མིན་ཆོས་ཀྱི་དབྱིངས་ཀྱི་ཕོ་བྲང་ནས།
**होगमिन क्षोईकी ईङ्की फोढाङने ।**
अकनिष्ठ धर्मधातुको भुवनबाट ।

དུས་གསུམ་སངས་རྒྱས་གུན་གྱི་ངོ་བོ་ཉིད།
**धुईसुम साङ्गे कुन्गी ङोवो ञी ।**
त्रिकालका सम्पूर्ण बुद्धहरूका स्वरूप ।

རང་སེམས་ཆོས་སྐུ་མངོན་སུམ་སྟོན་མཛད་པའི།
**राङसेम क्षोईकु ङोनसुम तोन जेपी ।**
प्रत्यक्ष रूपमा स्वचित्त धर्मकायमा दर्साउनुहुने ।


Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

ཙ་བའི་བླ་མ་རྣམས་ལ་གསོལ་བ་འདེབས།

**चावाई लामा नाम्ला सोल्वादेव ॥**

मूलगुरुहरूलाई प्रार्थना गर्दछु ।

ཨཱ། །དམ་ཅན་སྲུངི་གཏོར་མའི་ཆོ་ག་ཉུང་ངུར་བསྡུས་པ་བཞུགས་སོ། ।

समग्र धर्मपाल सङ्क्षिप्त बलिविधि विहरति स्मः

ཨཱ། །ཨོཾ་སིདྡྷི་རསྟུ། བླ་མ་མཆོག་དང་དབྱེར་མེད་ཡི་དམ་ལྷ། །དམ་ཅན་ཚོགས་མཆོད་ཆོགས་ལ་ཕྱག་འཚལ་ནས། །དེ་མཉེས་ཞེད་པའི་གཏོར་མའི་ལས་རིམ་དག །དང་པོའི་ལས་ཅན་དོན་དུ་ཉུང་ངུར་བྱི། །འདིར་དམ་ཅན་སྲུངི་གཏོར་མའི་ཕྱིན་ལས་ལ་འཇུག་པར་འདོད་པས། ཡིད་དང་མཐུན་པའི་གནས་སུ་སྐུ་རྟེན་སྦྱན་གཟིགས་སོགས་མཇེས་པར་བསྟར་ཞིང་། གཏོར་སྟོད་གསུམ་ཀྱི་ནང་དུ་བླ་མ་ཡི་དམ་དབྱེར་མེད། ནག་པོ་ཆེན་པོ་ཡེ་ཤེས་དམ་ཅན་སྲུངི། གཏེར་སྐུང་གཞི་བདག་དང་བཅས་པའི་གཏོར་མ་ཚུན་ལྷན། སྐུན་ར་ཀ་ཉེར་སྲུངི་དང་བཅས་པ་བཤམ། རང་གི་མདུན་དུ་ནང་མཆོད། རྡོར་དྲིལ། ཐོད་རྡེ། མེ་ཏོག་སོགས་མཁོ་བའི་ཡོ་བྱད་རྣམས་ཆོགས་པར་བྱས་ལ། བདག་གི་རྣལ་འབྱོར་བཟློག་པའི་བར་སྔོན་དུ་འཚོགས།

ॐ सिद्धिरस्तु । उत्तम गुरु र अभेद इष्टदेव साथै धर्मपाल सागर गणलाई नमन गरी उहाँहरू प्रसन्न हुने बलि कार्यविधि नव साधकका निम्ति थोरै लेख्नेछु । यहाँ समग्र धर्मपाल बलि कार्यविधिमा प्रवेश गर्न चाहानेहरूले आफूलाई मनपर्ने स्थानमा सुदर्शन प्रतिमाहरू सुसज्जित गरी तीन बलिपात्रमित्र अभेद गुरु, इष्टदेव, महाकाल समग्र ज्ञान धर्मपाल एवं निधिपाल साथै भूमिपतिहरूका आभुषणयुक्त बलि, औषधी, जल र रक्त उपभोग गर्ने बस्तुहरूका साथ प्रबन्ध गर्नु । आफ्नो सामु सानो कपाल, वज्र, घण्टा, डमरु तथा फूलहरू आदि चाहिने सामग्रीहरू राख्नु । सर्वप्रथम आफ्नो गुरुयोग पाठ गरिसकेपछि ।

མཆོད་གཏོར་རྣམས། རཾ་ཡཾ་ཁཾ་གིས་བསམ་སྦྱང་།

पूजा बलिहरूमा रम् यम् खम् ले पवित्र अनि शुद्ध पार्नु ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

སྟོང་པའི་དང་ལས་ཡོ་ལས་རླུང་། རཾ་ལས་མེ་ཀོ་ལས་མི་མཚོའི་

**तोङपी ङङ्ले यम् ले लुङ रम् ले मे कम् ले मि गोइ**

शून्यता स्वभाव यम् बाट वायु, रम् बाट अग्नि, कम् बाट मनुष्यको ।

སྒྱེད་བུ་གསུམ་ལ་བརྟེན་པའི་ཨ་ཡིག་ལས་བྱུང་བའི་ཐོད་པའི་

**ग्येभु सुम्ला तेन्पी अ यीगले भ्युङवई थोइपी**

कपालमा तीन चुल्होमा स्थित अ अक्षरबाट उत्पन्न भएको ।

སྐོད་དུ་བཅུད་ཐམས་ཅད་རྣོ་ཨོཾ་སྭཱ་ཨཱཾ་ཧཱུྃ

**नोइघु च्युई थाम्चे हुँ ॐ स्वा आं हा**

कपालीपात्रमा सबै तत्त्वहरू हुङ् ओम् स्वा आं हा

མུཾ་ལཱཾ་མཱཾ་པཱཾ་ཏཱཾ་ལེ་དུ་ཙི་ཌཱ་དང་སྦྱོན་མ་ལྔར་གྱུར་པ་

**मुम् लाम् माम् पाम् ताम् ले दुईची ङ धाङ डोन्म ङरग्युर्प**

मुम् लाम् माम् पाम् ताम् बाट पञ्चामृत र पञ्चदीपमा परिणत भई ।

སོ་སོའི་ས་བོན་གྱིས་མཚན་པ་དང་བཅས་པའི་འོག་གི་རླུང་གཡོས་

**सो सोई सबोनगी छेन्पा धङ च्येपी होगगी लुङ योइ**

यी पाँचका आ-आफ्नो बीजले सुसज्जित तलको वायु चलेर ।

མེ་སྤྲིང་རྩས་ཐམས་ཅད་ཞུ་ཞིང་འདྲེས་པའི་སྟོང་གི་ནམ་མཁའ་

**मेवर जेथाम्चे श्युशिङ डेपी तेङगी नम्खा**

अग्नि बलेर, सबै द्रव्यहरू पग्लेर मिश्रित भएको, माथि आकाशमा ।

ལ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་གི་ཡི་གེ་གསུམ་གནས་པ་ལས་འཕྲོས་པའི་

**ला ॐ आ हुङ् घी हिगे सुम नेपाले ठोइपी**

स्थित ओम् आः हुङ अक्षरबाट उदय भएको ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

འོད་ཟེར་གྱིས་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱིས་གུགས་ཀ་ནས་

**होइशेरघी धेशिन शेग्पा थाम्चेकी थुगकने**

किरणले सम्पूर्ण तथागतहरूका हृदयबाट ।

ཡེ་ཤེས་ཀྱི་བདུད་རྩི་བཀུག་ཡི་གེ་གསུམ་ལ་ཐིམ་སྟེ་རིམ་པར་

**हिशेकी दुइची कुग । हिगे सुमला थीम्ते रिम्पर**

ज्ञानामृत लिएर ती तीन अक्षरमा लय भई क्रमैसित

ཞུ་བ་ལས་དམ་ཚིག་གི་ཇ་ས་དང་རོ་གཅིག་ཏུ་གྱུར་པར་བསམ་ལ།

**श्युवाले धम्छिग्घी जे धड रोचिग्तु ग्युर ।**

पग्लेर समयद्रव्यसँग एकरस भयो भनी भावना गर्नु ।

ལག་གཡོན་གདེངས་ཨོཾ་ཀྱིས་སྦྱང་། གཡས་གདེངས་ཨཱཿ ས་སྦྱིལ།

སྐེམ་པ་བཀན་ཏེ་ཧཱུྃ་གིས་ཁ་དོག་དྲི་རོ་ཕུན་སུམ་ཚོགས་པར་བྱས། མགའ་ཕྱིང་གི་ཕྱག་

རྒྱ་རྩེ་ཧོཿ ཞེས་ཟགས་མེད་ཀྱི་བདུད་རྩིར་བལྟས་ལ་བྱིན་ཀྱིས་བརླབ།

त्यसपछि दायाँ हात उठाएर **ओम्** ले शुद्ध पार्ने । बायाँ हात उठाएर **आ** ले फैलाउने । अञ्जुली बनाएर **हुङ** ले वर्ण, सुगन्ध र रस सबै सु-सम्पन्न बनाउने । गरुड मुद्रा गर्दै **हो** भनेर अनास्रव अमृतलाई हेरेर अधिष्ठान गर्ने ।

དེ་ནས་མཇོན་བསྐུ་བ་ནི།

अतिथि निमन्त्रणा

རང་གི་སྐྱིང་གའི་ཧཱུྃ་ལས་འོད་ཟེར་ལྕགས་ཀྱུའི་རྣམ་པ་ཅན་

**राङ्घी निङगई हुङ् ले होइसेर च्यागक्युई नम्पाचेन**

आफ्नो मुटुको हुङ (अक्षर)बाट ज्योतिको अङ्कुश आकारको ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

སློག་འཇུག་པ་ལྟར་འཕྲོས་པས་དཔལ་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་མགོན་པོ་
**लोग ख्युग्पा तार ठोइपे पाल हिशेकी गोन्पो**
बिजुलीसरि उदय भई श्रीज्ञान धर्मपालहरू ।

སོགས་དམ་ཅན་ལྷམ་དུལ་བཀའ་སྲུངས་འཁོར་དང་བཅས་པ་ཐམས་ཅད།
**सोग धम्चेन च्यामढल कादोई खोरघङ चेपा थाम्चे**
भाइ बहिनी, परिचारक स-परिवार ।

རང་བཞིན་ཆོས་ཀྱི་དབྱིངས་ལས་སྤྲུལ་འཕྲུལ་གྱི་རོལ་པ་ཞི་བྱེད་
**राङशिन क्षोईकी ईङले ग्युठुलघी रोल्पा शिढोइ**
स्वभाव धर्मताबाट मायावी लीलामा शान्त, क्रोध ।

ཉམས་དུ་མར་འཆར་བ་རྣམ་འཕྲུལ་བསམ་གྱིས་མི་ཁྱབ་པའི་བགོད་པ་
**नाम धुमर क्षार्व नम्ठुल सम्घी मिख्याबपी कोइप**
आदि अनेक स्वरूपको अवतारका अचिन्तनीय रचना ।

ཆེན་པོ་མདུན་གྱི་ནམ་མཁར་བརྒྱ་ས་སྐྱ་ཪིཿ ས་སྐྱ་དྲངས་པར་བསམ་ཞིང་།
**छेन्पो दुन्घी नामखर बज्र समाज**
सामुन्ने आकाशमा बज्र समाज
यसरी आमन्त्रणा गरियो भनी सोच्नुहोस् ।

ཧཱུྃ། ཆོས་དབྱིངས་མཁའ་ལྟར་དག་པའི་དབྱིངས།
**हुङ क्षोईङ खातार धाग्पी ईङ ।**
हुङ् धर्मता आकाश झैँ निर्मल धातु ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།མི་གཡོ་དོག་མིན་ཉམས་དགའ་གནས།
**मियो होगमिन ञामगाई ने ।**
अचल अकनिष्ठ रम्यस्थान ।

།རྡོ་རྗེ་གདན་དང་ན་ལེ་ནྡ།
**दोर्जे देन धङ नलेन्डा ।**
बोधगया र नालन्द ।

།དུར་ཁྲོད་བརྒྱད་དང་ཉེར་བཞིའི་ཡུལ།
**धुर्थो गेधङ ञेरशिई युल ।**
आठ श्मशानघाट र चौबीस स्थान ।

།ཕྱོགས་བཅུའི་ཞིང་ཁམས་རབ་འབྱམས་ནས།
**क्षोगच्युई शिङ्खम रबज्यम्ने ।**
साथै दश दिशाका अनन्त क्षेत्रबाट ।

།དཔལ་ལྡན་མགོན་པོ་ལྷམ་དུལ་ནི།
**पाल्देन गेन्पो च्यम्ढल नी ।**
श्रीमद्नाथ, भाइ, बहिनी ।

བཀའ་སྩོད་དམ་ཅན་རྒྱ་མཚོར་བཅས།
**कादोइ धम्चेन ग्याछोर चे ।**
आज्ञाकारी व्रती सागरसहित ।

།བདག་གིས་དད་པས་སྤྲུན་འདེན་ན།
**दागघी धेपे च्येनडेनन ।**
मैले श्रद्धाले निमन्त्रणा गर्दा ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།སྔོན་གྱི་ཞལ་བཞེས་དམ་བཅས་ལྟར།
**ञोन्ची भयाल्शे धम्चे तार ।**
पहिले गरिएको वाचा अनुसार ।

།བསྟན་པ་བསྲུང་ཕྱིར་གཤེགས་སུ་གསོལ།
**तेन्पा सुङछिर शेगसु सोल ।**
धर्मको रक्षा गर्न पाल्नुहोस् ।

།ཨོཾ་ཨཱི་བཛྲ་ཏྷརྨ་པཱ་ལ་ས་པ་རི་ཝཱ་ར་བཛྲ་སཱ་མཱ་ཛཿ ས་སྦྱོན་དབས་ལ།
**ॐ श्री बज्र धर्मपाल सपरिवार वज्र स मा ज**
निमन्त्रणा गर्ने

ཧཱུྃ། དུས་གསུམ་སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད་ཀྱི།
**हुङ धुईसुम साङ्गे थाम्चेकी ।**
हुङ त्रिकालको सबै बुद्धहरूका ।

།བསྟན་པ་སྲུང་མཛོད་དམ་ཚིག་ཅན།
**तेन्पा सुङजे धमछिग चेन ।**
शासनपालक, समयधारी ।

།ཉེམ་དྲུ་བཅུད་སྤྲོད་འཁོར་དང་བཅས།
**ञाम्दुल काद्दोई छोरछङचे ।**
आज्ञाकारी भाइ, बहिनी स-परिवारसहित ।

།འདིར་ཞེ་དགྱེས་པར་བཞུགས་སུ་གསོལ།
**दिरनी गेपर श्युगसु सोल ।**
यहाँ खुसीका साथ बस्नुहोस् ।


Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།ཇཿ ཧཱུྃ་བཾ་ཧོཿ ས་མ་ཡ་ཛཿས་ན་ཏིཥྛཏུ། ཞེས་བཞུགས་སུ་གསོལ།

**ज हुङ् बम् हो :- समय आसन तिष्ठन्तु**

भनेर बस्न अनुरोध गर्ने ।

སྲུང་མ་རྣམས་ཀྱི་སྤྱི་བོར་རྡོ་རྗེས་བཞག །བདུད་རྩི་ལྷགས་ལ་བྱིན་བར་མོས་ཏེ།

धर्मपालहरूका शिरमा वज्र राखेर र जिब्रोमा अमृत दियो भन्ने विश्वासका साथ

ཨོཾ་བཛྲ་ས་མ་ཡ་ཏ་ན་ཏ་ན་ཧཱུྃ་ཕཊ། ཅེས་དམ་ལ་བཞག ।

**ओम वज्र समय हनहन हुङ् फट् ।**

वचनमा बाँध्ने ।

ཧཱུྃ། ཐུན་མོང་ལྡོག་པར་བློ་ན་མེད།

**हुङ् थुन्मोङ खेपर लानामे ।**

हुङ साधारण तथा विशिष्ट अनुत्तर ।

ཕྱི་ནང་གསང་བའི་མཆོད་སྤྲིན་ནི།

**छिनङ साङवाई क्षोइटिननी ।**

बाह्य, भित्री, गुह्य, पूजामेघ;

ངོས་བཅའ་མས་ཡིད་ལས་བྱུང་བ་དག

**ङेइश्यम हिले ज्युङव धग ।**

प्रत्यक्ष सजाइ मनद्वारा उत्पन्न गरिएको ।

ནམ་མཁའ་གང་བར་སྤྲོས་ཏེ་མཆོད།

**नम्खा घाङवर टोईते क्षोइ ।**

आकाश नै भरिनेगरी फैलाएर चढाउँदछु ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།ཨོཾ་ཤྲཱི་བཛྲ་དྷརྨ་པཱ་ལ་ས་པ་རི་ཝཱ་ར་ཨརྒྷཾ་པ་ཏྱཙྪ་སྭཱ་ཧཱ།
དེ་བཞིན་དུསྦྱར་ཏེ་པུཥྤེ། ཐུཔྤེ། ཨཱ་ལོ་ཀེ། གནྡྷེ། ནཻ་ཝེ་དྱེ། ཤཔྡ་
ཏྱཙྪ་སྭཱ་ཧཱ། ཞེས་མཆོད།

**ॐ श्री वज्र धर्मपाल स-परिवार अर्घम प्रतिच्छ स्वाहा ।**
त्यसैगरी **पाद्यं पुष्पे, धुपे, ओलोके, गान्धे, नैविद्य, शब्द प्रतिच्छ स्वाहा ।** भनी जोडेर पाठ गर्ने ।

མ་ཧཱ་ཨ་མྲྀ་ཏ་པཱུ་ཇཱ་ཁཱ་ཧི། མ་ཧཱ་རཀྟ་པཱུ་ཇཱ་ཁཱ་ཧི།
**महाअमृत पूजा खाहि । महारक्त पूजा खाहि ।**

ཞེས་སྨན་རགས་སྐོལ། གཏོར་མ་འབུལ་བ་ནི།
भनेर ओखती जल, रक्त र तोर्मा (बलि) चढाउने ।

ལྷ་རྣམས་ཀྱི་ལྷགས་རྡོ་ལས་བྱང་བའི་རྡོ་རྗེ་སྲུག་ཅན་གྱི་འོད་ཟེར་གྱིས་
**ल्ह नामकी ज्याग हुँ ले ज्युङवी दोर्जे वुगुचेनघी होइसेर घि**
देवहरूका जिब्रो हुङबाट प्रकट भएको बज्रनली किरणले

གཏོར་མའི་བཅུད་དུངས་ཏེ་གསོལ་བར་བསམ་ལ་རྡོར་ཕལ་ཆེན་དུ་མྱེ་ནས།
**तोरमाई च्युईढङ्ते सोलवर ग्युर**
बलिका तत्त्व चुसेर खानुभयो भन्ने सोच्दै बज्राञ्जली माथितिर खोलेर

ཨོཾ་གུ་རུ་མཎྜ་ལ་དེ་ཝ་གཎ་པ་རི་ཝཱ་ར་ཨི་དཾ་བ་ལིཾ་ཀ་ཁ་ཁ་
**ओम्गुरुमण्डल देवगण स-परिवार इदं बलिंत ख ख**


Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

ཁྲ་ཧི་ཁྲ་ཧི། ཨོཾ་ཐྲུ་ར་ཀུ་ར་ཨི་ཙི་ཀི་ཏྲི་ཡུ་ཙྪུཥྨ་ཀྲོ་ཊ་ཧཱུྃ་ཕཊ།
खाहि खाहि । ओम् भुरुकुरु इचिकि भ्यिउचुष्म क्रोघ हुङ् फट् ।

ཨོཾ་མ་ཧཱ་ཀཱ་ལ་ཨེ་ཀ་ཇ་ཊེ་ཀུ་ཊ་ཧེ་ད་ཧཱུྃ་ཕཊ།
ओम् महाकाल एकजटी गुणह्रीद हुङ फट् ।

ཨོཾ་ཤྲཱི་མ་ཧཱ་ཀཱ་ལ་ཀྵཱིཾ་ཀྵཱིཾ་བི་ཐཱ་ན་བི་ན་ཡ་ཀཱ་ཧཱུྃ་ཕཊ།
ओम्श्री महाकाल क्षीम् क्षीम् विघानन् विनयक हुङ् फट् ।

ཨོཾ་ཤྲཱི་མ་ཧཱ་ཀཱ་ལ་ག་ཎ་ཀུ་རྱ་རཾ་སི་དྡྷི་ཧཱུྃ་ཕཊ།
ओम्श्री महाकाल गण गुह्य रम् सिद्धि हुङ् फट् ।

ཨོཾ་མ་ཧཱ་ཀཱ་ལ་བི་ཀཱ་ལ་ཏྲི་ཡཾ་ཛཿ ཨོཾ་བཛྲ་ཀི་ལི་ཀི་ལ་ཡ་རྡྷརྨ་པཱ་ལ།
ओम् महाकाल विकाल त्रि यम् जः ओम् वज्र किली किलय धर्मपाल ।

ཨོཾ་རོ་རུ་ཨེ་ཀ་ཇ་ཊེ་ཁྱིད་ཁ་རཀྟཱ་རུ་ལུ་རུ་ལུ་ཧཱུྃ་ཕྱོ་ཧཱུྃ་ཛ་ཛཿ
ओम् रोरु एकजटी ग्रिङ्ख रक्मो रुलुरुलु हुङ् भ्यो हुङ् जः जः

ཨོཾ་མ་ཧཱ་དེ་ཝ་ཛཿ ཨུ་མ་དེ་ཝཱི་ཧྲཱིཾ་ཧ་རི་ནི་ས་པཱ་ཤཾ་ཀུ་རུ་ཧོཿ
आमे् महा देव जः उम देवी ह्रीं हरिनिस पाशम्कुरु होः-

ཧཱི་ཤཀ་རུ་ར་ཀཾ་ནཱ་ག་ཙིཏྟ་ཏྲཾ་མ་མ་ཡོ་ཧ་ཨགྲ་མ་ཧ་ཧ་
ह्री शरु रग्रम् नाग चित्त त्रम् ममयोस्ह ग्रम् ह ह

ག་ཤ་ལ་ཛཿ ཛཿ ཨོཾ་མ་ཧཱ་རཱ་ཛ་ས་མ་ཡ་བཻ་ཤྲ་མ་ཎ་ཡ་སརྦ་ཙིཏྟ
गशल जः जः ओम् महाराज समय वैश्रमणाय सर्वचित्त

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

རཏྣ་ཧྲིཿཛཿ ཨོཾ་མ་མ་ར་ལི་པྲ་མ་ཡ་ཀཱ་ལི་ཡེ་ཛཿ ཛཿ
**रत्न ह्रिम् जः ओम् ममरलि प्रमय कालिये जः जः**

ཨོཾ་ཡ་མ་ར་ཛ་ས་མ་ཡ་ཧཱུྃ་ཕཊ། ཨོཾ་བཛྲ་སཱ་དྷུ་
**ओम् यमराज समय हँङ् फट्। ॐ वज्रसाधु**

ས་མ་ཡ་བྷ་ག་ཏཾ་ཤེ་ནི་ཀྲ་མ་ནི་ས་མ་ཡ་སཱ་དྷུ་ཏྲཱི་ཛཿ ཛཿ ཧཱུྃ་བཾ་ཧོཿ
**समय भगवत्रम् शेनि क्रमनि समय साधु त्री जः जः हुँ वम् होः**

ཨོཾ་བཛྲ་ཌཱ་ཀི་ནི་ཨཱ་ཡུཥ་པྲེ་ཤྭ་རི་ཧྲཱིཿ མུྃ་ལཾ་པཾ་ཏཾ།
**ओम् वज्रडाकिनी आयुषेश्वरी ह्रीः मुम् लम् पम् तम्:-**

ཨོཾ་ན་ག་ཙནྡྲི་ཙ་ར་ར་ཏྲི་ཀིཾ་ཀ་ར་ཡ་ཀྵ་ཡ་ཀྵ་ས་མ་ཡ་ཙིཏྟ་
**ओम् नागचन्त्रि चररत्रि किङ्कर यक्ष यक्ष समय चित्त**

ཧྲིཾ་ཧྲིཾ་ཛཿ ཛཿ ཞེས་སྙིང་པོ་ཀུན་གྱི་མཐར།
**ह्रिम् ह्रिम् जः जः** भनेर सारमन्त्रहरूकापछि

ས་པ་རི་ཝཱ་ར་ཨི་དཾ་བ་ལིཾ་ཏ་ཁ་ཁ་ཁཱ་ཧི་ཁཱ་ཧི།
**स-परिवार इदं बलिंत ख ख खाहि खाहि**

བཏྲག་ས་པ་གསུམ་མམ་བདུན་གྱིས་གཏོར་མ་ཕུལ་ལ།
पढेर तीन या सात पटक वाचन गरी तोर्मा चढाउनुहोस् ।

དཔལ་མ་ཧཱ་ཀཱ་ལ་ཁྲག་འཐུང་གི་རྒྱལ་པོ།
**पाल महाकाल ठागथुङघी ग्याल्पो ।**
श्री महाकाल, हेरुक्कराज,


Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།གཙུག་ལག་ཁང་དང་དཀྱིལ་འཁོར་སྐྱོ་སྐྱང་མ།
**चुगलाग खाङ धङ किल्खोरघी स्रुङ्मा ।**
विहार र मण्डलका रक्षक,

།དུག་གསུམ་ནད་ཀྱི་སྨན་པ།
**धुगसुम नेकी मेन्पा ।**
त्रिविष रोगका चिकित्सक,

།རྣལ་འབྱོར་ཡོངས་ཀྱི་དགྲ་ལྷ།
**नालज्योर योङकी डाल्ह ।**
सबै योगीहरूका शत्रुदेव,

།བདུད་དཔུང་སྤྲོལ་བའི་དཔའ་བོ།
**दुईपुङ डोल्वी पावो ।**
मारसैन्यबाट मुक्त गर्ने वीर,

།བསྟན་པའི་བཀའ་སྲུང་ཆེན་པོ།
**तेन्पी कासुङ छेन्पो ।**
बुद्धशासनको महारक्षक,

།ལེགས་ལྡན་རྡོ་རྗེ་སྲིན་པོ་ཆོག་ཀྱི་བདག་པོ།
**लेगदेन दोर्जे स्रीन्पो छ्योगकी दग्पो ।**
सुभगवज्र, असुर गणनायक,

།ནག་པོ་ཆེན་པོ་ཕྱག་བཞི་པ།
**नगपो छेन्पो क्षागशीपा ।**
चतुर्भुज महाकाल,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།སྒྱེ་མཛེད་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་མགོན་པོ་ཕྱག་དྲུག་པ།

**ञ्युर्जे हिशे की गोन्पो क्षाग ढुग्पा ।**
शीघ्र ज्ञानका षट्भुजनाथ,

།དཔལ་མགོན་མ་ནིང་ནག་པོ།

**पालगोन मनिङ नाग्पो ।**
श्रीनाथ कालषण्डक,

།མཐུ་ཆེན་དྲག་པོ་ཞལ་བཞི།

**थुछेन ढग्पो श्याल शी ।**
उग्र महाशक्ति चर्तुमुख,

།རྡོ་རྗེ་ཐ་མེན་སྐ་ན་ཆེན་པོ།

**दोर्जे ठामेन स्यना छेन्मो ।**
वज्रडाक महाश्वन,

།མ་མོ་སྤྲུལ་ཀྱི་སྒུང་མ།

**ममो डग्की सुङमा ।**
मातृका तन्त्रपाल,

།ལྷ་ཆེན་དབང་ཕྱུག་ཆེན་པོ།

**ल्हछेन वाङक्षुग छेन्पो ।**
महादेव, महेश्वर,

།ཁྱབ་འཇུག་དུག་གི་སྦུ་གྲི

**ख्यावज्युग दुग्घी पुढी ।**
विष नाशक विष्णु,


Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།རྒྱལ་ཆེན་རྣམ་སངས་ཐོས་སྲས།
**ग्यालछेन नममाङ थोईस्रे ।**
महाराज वैश्रवणपुत्र,

།ཞིང་སྐྱོང་དུར་ཁྲོད་ཀྱི་མ་མོ།
**शिङ क्योङ धुर्ठोइकी ममो ।**
क्षेत्रपाल श्मशान घाटको मातृका,

།ལས་གཤིན་འཆི་བདག་ནག་པོ།
**लेशिन छी दग नग्पो ।**
मृत्युपति कालो यमदूत,

།དམ་ཅན་རྡོ་རྗེ་ལེགས་པ།
**धमचेन दोर्जे लेगपा ।**
समय वज्रसाधु,

།བཀྲ་ཤིས་ཚེ་རིང་མཆེད་ལྔ།།
**टाशी छेरिङ छेञ्ज ।**
दीर्घायुषी मङ्गल पञ्चदेवी,

བཅོན་རྒོད་འབར་བ་སྤུན་བདུན་ལ་སོགས་ཏེ་
**चेनगोई बरवा पुनदुन लसोग्ते**
चेन्गोबर्वा सात भ्राता आदि ।

དམ་པ་ཆོས་སྐྱོང་བའི་སྡུད་མ་བཀའ་སྡོད་ཕོ་ཉའི་
**धम्पा क्षोईक्योङ्वी सुङमा कादोई फोनाइ**
सद्धर्मपाल आज्ञाकारी दूत रक्षक ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

དམག་ཚོགས་འཁོར་དང་བཅས་པ་རྣམས་ཀྱིས་མཆོད་སྤྲིན་གྱི་
**मग्छोग खोरधाङ चेपा नामकी क्षोइजिन्धी**
सैन्यगणसहित स-परिवारलाई पूजादान गरिएको ।

གཏོར་མ་རྒྱ་ཆེན་པོ་འདི་བཞེས་ལ།
**तोर्मा ग्याछेन्पो दिशेला ।**
वैपुल्य यस बलि भोग गर्नु भएर ।

སངས་རྒྱས་ཀྱི་བསྟན་པ་སྲུངས།
**साङ्गेकी तेन्पा सुङ ।**
बुद्धशासनको रक्षा गर्नुहोस् ।

དཀོན་མཆོག་གི་དབུ་འཕང་བསྟོད།
**कोन्छोगघी उफङ तोई ।**
त्रिरत्नको महिमा स्तुति गाउनुहोस् ।

དགེ་འདུན་དང་ཆོས་ཀྱི་རྒྱལ་སྲིད་སྐྱོངས།
**गेदुन धङ क्षोईकी ग्याल्सी क्योङ ।**
सङ्घ र धर्मशासनको रक्षा गर्नुहोस् ।

འཇིག་རྟེན་གྱི་རྒྱུད་པ་སོལ།
**जिग्तेन्घी गुईपा सोल ।**
संसारको विपत्तिहरू हटाउनुहोस् ।

སེམས་ཅན་གྱི་ཕན་བདེ་སྤེལ།
**सेमचेनघी फेन दे पेल ।**
प्राणीहरूमा सुख समृद्धि फैलाउनुहोस् ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

རྣལ་འབྱོར་པ་རྣམས་ཀྱི་སྟོང་ས་གྲོགས་མཛོད།
**नालज्योरपा नामकी तोङढोग जोई ।**
योगीहरूका सहायता गर्नुहोस् ।

སྔགས་འཆང་རྣམས་ཀྱི་ཕྱིན་ལས་སྒྲུབས། སྡང་བའི་དགྲ་ཐུལ།
**ङगक्षाङ नामकी ठिन्ले डुब । दङवी डाथुल**
मन्त्रधरहरूका कार्य सिद्ध गरिरिनुहोस् । क्रुद्ध शत्रुलाई वशमा पार्नुहोस् ।

གེགས་བའི་བགེགས་ཚོམས། ཁྱད་པར་དམ་ཚིག་འདིར་འདུས་པ་
**नोइपी गेग क्षोम । खेपर धमछिग दिर दुइपा**
विघ्न बाधाहरू नाश गर्नुहोस् । विशेषगरी यहाँ यो समयमा भेला

རྣམས་ཀྱི་ཕྱི་ནང་གསང་བའི་འགལ་རྐྱེན་ཞི་བ་དང་།
**नामकी छिनाङ साङवार्ड गलकेन शिवा धङ ।**
भएकाहरूका बाह्य, भित्री, गुह्य कठिनाइ विपत्तिलाई शान्त पार्नुभई

མཐུན་རྐྱེན་སྤྱིན་པའི་ལེགས་ཚོགས་ཐམས་ཅད་འཕེལ་ཞིང་རྒྱས་པ་དང་།
**थुनकेन मोन्पी लेग्छोग थाम्चे फेलशिङ ग्येपा धङ ।**
सद्भाव अनुकूल प्रत्यय श्री यशका संभार वृद्धि गराउनुभई

མཆོག་དང་ཐུན་མོང་གི་དངོས་གྲུབ་མ་ལུས་མྱུར་དུ་འགྲུབ་པའི་
**क्षोग धङ थुनमोङघी ङोईदुव मलुईपा ञ्युरधु डुब्पी**
उत्तम तथा साधारण सिद्धि सबै शीघ्र प्राप्त हुने

ཕྲིན་ལས་མཛོད་ཅིག ।ཅེས་ཕྲིན་ལས་གསོལ།
**ठिन्ले जोइचिग ।**
कार्य गरिदिनुहोस् । यसरी काम गर्न लगाउने ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri



ཧཱུྃ། འཇིགས་བྱེད་ཐག་འཆུད་དཔལ་ལྡན་ནག་པོ་ཆེ།
**हुँ जिग्जे ठागथुङ पाल्देन नागपो छे ।**
हुङ् भैरव हेरुक्कश्रीमद् महाकाल,

།བདུད་དཔུང་མཐར་བྱེད་དུར་ཁྲོད་སྐྱོལ་བའི་གཡིང་།
**दुईपुङ थरजे धुर्ठोई डोल्वई घिङ ।**
मारसैन्य पार गराउने श्मशान किङ्कर,

།སྒྲུབ་པོའི་རེ་སྐོང་ལེགས་ལྡན་ཚོགས་ཀྱི་བདག
**डुब्पोई रेकोङ लेगदेन छोगकी दग ।**
साधकको ईच्छापूर्ण गर्ने सुभग गणपति,

།རྒྱལ་བའི་བཀའ་སྩོད་མཐུ་ཆེན་ཁྱོད་ལ་བསྟོད།
**ग्यल्वी कादोई थुछेन ख्योईला तोई ।**
बुद्धको आज्ञापालक महाशक्तिशाली तपाईँलाई स्तुति गर्दछु ।

།མི་འགྱུར་རྣམ་དག་ཆོས་དབྱིངས་ངང་ཉིད་ལས།
**मिग्युर नमधग क्षोईईङ ङङ्गी ले ।**
विशुद्ध अपरिवर्तन धातुका स्वभावबाट,

།ཡེ་ཤེས་ཆེན་པོས་ཐུགས་རྗེས་སྐྱེར་སྤྲུལ་པ།
**हिसे छेन्पोई थुगजे कुरदुल्पो ।**
महाज्ञान करुणाको रूपमा अवतरित,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།མ་རུངས་འདུལ་མཛོད་མ་དཀྲ་ཀུ་ལའི་གཙོ།
**मरुङ दुल्जे महाकालई चौं ।**
दुष्टहरूलाई वशमा पार्ने प्रमुख महाकाल,

།དྲག་པོ་སྟོབས་ལྡན་ཁྲོད་ལ་ཕྱག་འཚལ་བསྟོད།
**ढागपो तोबदेन ख्योईला क्षागछल तोई ।**
रौद्र बलवान् तपाईँलाई नमन र स्तुति गर्दछु ।

།གཉན་ཆེན་འབར་བ་མི་བཟད་རྟེ་རུ་ཀ
**तुमछेन बरवा मिशेहेरुका ।**
क्रोध ज्वलित भयानक हेरुक,

།གདུག་པ་འདུལ་མཛོད་ཐུགས་རྡེ་ཆེན་པོའི་སྐུ།
**दुगपा दुल्जे थुग्जे छेन्पोइ कु ।**
दुष्टलाई विनित गर्ने महाकारुणिक काय,

།ལོག་རྟོག་རབ་འཇོམས་རྒྱུ་དང་ཕཊ་སྭཱ་ཧཱ།
**लोगतोग रब ज्योम हुँ धङ फट ङचेन ।**
मिथ्या सङ्कल्प नाश गर्ने हुङ् फट् शाब्दी,

།ཡེ་ཤེས་ཐུགས་ལྡན་འཁོར་དང་བཅས་ལ་བསྟོད།
**हिसे थुगदेन खोर धङ चेलातोई ।**
ज्ञान, करुणायुक्त स-परिवारलाई स्तुति गर्दछु ।

།འཇིག་རྟེན་འདས་པའི་དུས་ན་སྐྱེས་བྱུང་བ།
**जिग्तेन देपी धुइन ङोन ज्युङबा ।**
लोकको अतितमा उत्पन्न भएका,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།ཆེ་མཆོག་དེ་རྡ་ག་དཔལ་སྐུ་གསུམ་རྫོགས།
**छेक्षोग हेरुका पाल कुसुमजोग,**
श्री महापरम् हेरुक, त्रिकायपूर्ण भएको,

།སྲིད་རྩའི་བདག་འཛིན་རྡུ་དྲ་སྤེ་གསུམ་འདུལ།
**स्रीचई दगजिन रुडा देसुम दुल ।**
भवका मूल आत्मग्राह तीन स्कन्ध विनित गरेका,

།རྩལ་ཆེན་ཐིན་ལས་མཛོད་ལ་ཕྱག་འཚལ་བསྟོད།
**चल्छेन ठिनले जेला क्षागछल तोई ।**
महाविक्रम कर्मकारीलाई पनि नमन र स्तुति गर्दछु ।

།རབ་འཇིགས་དུར་ཁྲོད་བསྐལ་མེ་འབར་བའི་གློང་།
**रबजिग धुरठोई कल्मे वरवाई लोङ ।**
भयानक श्मशानघाटमा बलेको विपुल कल्पाग्नि,

།རིག་འཛིན་སྲོག་ཤིང་རྣལ་འབྱོར་དབུ་ལྡེ་ཆེ།
**रिगजिन स्रोगशिङ नलज्योर डल्हाछे ।**
विद्याधरका प्रमुख योगी महाशत्रुदेव,

།བསྟན་པའི་བཀའ་སྲུང་མཐུ་སྟོབས་རྫུ་འཕྲུལ་ཅན།
**तेन्पी कासुङ थुतोब जुठुल चेन ।**
बुद्धशासनको आज्ञापालक बलवान् तथा ऋद्धिवान,

།དེག་པ་གྲུབ་འདུལ་ཁྱོད་ལ་ཕྱག་འཚལ་བསྟོད།
**ढेगपा कुनदुल ख्योइला क्षागछल तोई ।**
सबै अहङ्कार विनित गर्ने तपाईंलाई नमन र स्तुति गर्दछु ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།རྡོ་རྗེ་གཞོན་ནུ་ཡབ་ཡུམ་མཁའ་གློང་ནས།
**दोर्जे श्योन्नु यबयुम खालोङ्ने ।**
वज्रकुमार, मातापिता, आकाशधातुबाट,

།ཐུགས་རྗེ་དྲགས་གཏུམ་ཁྲོས་པའི་ཚེ་འཕྲུལ་ལས།
**थुगजे ढगतुम ठोइपी क्षोठुल ले ।**
महाकरुणा कोधचण्डको प्रतिहार्य (ऋद्धि) बाट उत्पन्न,

།མི་སྣུན་མཉམ་གྲལ་ཤྭ་ན་ཆེ།
**मिस्नुन महाकाल श्यनछे ।**
भयानक महाकाल महाश्वन,

།ཐྲེ་མེན་འཁོར་དང་བཅས་ལ་ཕྱག་འཚལ་བསྟོད།
**ठमेन खोर धङ चेला क्षागछल तोई ।**
डाक स-परिवारलाई नमन र स्तुति गर्दछु ।

།ཀུན་བཟང་ཐུགས་ཀྱི་སྤྱུལ་པ་ཁྲག་འཐུང་ཡུམ།
**कुन शङ थुगकी टुलपा ठाग्थुङ युम ।**
समन्तभद्रको हृदयबाट निर्मित माताहेरुका,

།ཡེ་ཤེས་མ་མོ་རྡོ་རྗེ་རལ་གཅིག་མ།
**हिसे म मो दोर्जे रल चिगमा ।**
ज्ञानमातृका वज्र एकजटी,

།གསང་སྔགས་བཀའ་ཡི་སྐུང་མ་མཐུ་མོ་ཆེ།
**साङ ङग काहि सुङमा थुमोछे ।**
गुह्यतन्त्रको आज्ञापालक महाशक्तिशाली,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།སྤྲེ་ལྷ་འཁོར་ཚོགས་ཕོ་ཉར་བཅས་ལ་བསྟོད།
**देञ खोरछोग फोञर चेला तोई ।**
पञ्चवर्ग परिवारगण र दूतसहितलाई स्तुति गर्दछु ।

།སྤྱན་རས་གཟིགས་སྤྲུལ་དབང་ཕྱུག་ལྷ་ཆེན་པོ།
**च्येन्रेशिग ट्रुल वाङक्षुग ल्ह छेन्पो ।**
अवलोकितेश्वरद्वारा निर्मित अवतार महेश्वर महादेव,

།འཇིག་རྟེན་མེས་པོ་ཁམས་གསུམ་ཀུན་ཀྱི་བདག
**जिग्तेन मेपो खमसुम कुन्घी दग ।**
लोकका महापिता त्रिधातुपति,

།དངོས་གྲུབ་མཆོག་སྩོལ་ཡོན་ཏན་རྫོགས་པའི་ལྷ།
**ञेइद्रुब क्षोगचोल योन्तेन जोगपी ल्ह ।**
उत्तमसिद्धि प्रदान गर्ने गुणले परिपूर्ण देव,

།རྒྱལ་བའི་བཀའ་སྩོད་མཐུ་ཆེན་ཁྲོད་ལ་བསྟོད།
**ग्यल्वई कादोई थुछेन ख्योईला तोई ।**
बुद्धको आज्ञापालक महाशक्तिशाली तपाईँलाई स्तुति गर्दछु ।

།ཧེ་རུ་ཀ་དཔལ་ཐུགས་ལས་སྤྲུལ་པའི་སྲས།
**हेरुकापाल थुगले ठुल्पी स्रे ।**
श्री हेरुकको हृदयबाट निर्मित पुत्र,

།འཇིགས་བྱེད་མི་གཙད་སྟེ་བརྒྱད་དེགས་པའི་གཙོ།
**जिगजे मिशे देग्ये ढेग्पी चो ।**
भयानक भैरव अष्टवर्गीय दर्पको प्रमुख,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།དྲག་ཤུལ་ཁྱིན་ལས་ཀུན་སྒྲུབ་རྣ་རྒྱ་ལ།
**ढगश्युल ठिन्ले कुडुव राहुला ।**
उग्र सर्वकर्म सिद्धि गर्नुहुने राहुल,

།སྲིད་བཞི་སྟེ་བརྒྱད་འཁོར་དང་བཅས་ལ་བསྟོད།
**सीङशी देगे खोर धङ चेला तोई ।**
चार बहिनी, अष्टवर्ग स-परिवारलाई स्तुति गर्दछु ।

།ས་བརྒྱད་དབང་ཕྱུག་སེམས་དཔའ་རིན་ཆེན་མད།
**सगे वाङक्षुग सेम्पा रिन्छेन मङ ।**
आठौं भूमेश्वर सत्व, बहुरत्न,

།ནམ་མཁའི་མཛོད་མངའ་དབུལ་བའི་གཏུང་བ་འཕྲོག
**नम्खाई जोइङ वुल वई दुङवा ठोग ।**
अन्तरिक्ष निधिले युक्त दरिद्र र सास्ती मास्ने,

།ཡིད་བཞིན་འདོད་དགུའི་ཆར་འབེབ་དཔག་བསམ་ཤིང་།
**हिशिन दोइगुई क्षारबेब पागसम शिङ ।**
मनोकामना पूरा गर्ने अभिलाषाको वर्षा कल्पवृक्ष,

།རྣམ་མངའ་ཐོས་སྲས་དཔལ་བསོས་པོ་ལ་བསྟོད།
**नममाङ थोईस्रे डल्सो पोला तोई ।**
कुवेर वैश्रवणपुत्रलाई स्तुति गर्दछु ।

།མི་འགྱུར་བདེ་ཆེན་ཆོས་དབྱིངས་ངང་ཉིད་ལས།
**मिग्यूर देछेन क्षोईइङ ङङनीले ।**
अपरिवर्तन महासुख धर्मधातुको स्वभावबाट,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།མ་རུངས་འདུལ་ཕྱིར་དྲག་མོའི་སྐུར་སྟོན་མ།
**मरुङ दुलछिर ढगमोई कुरतोन्मा ।**
दुष्ट विनित गर्न स्द्र रूप दर्साएकी,

།སྒྱུ་འཕྲུལ་རྡོ་རྗེའི་གར་མཛད་མ་མོའི་གཙོ།
**ग्यूँठुल दोर्जेई घरजे ममोई चो ।**
मायावज्रको नृत्य गर्ने प्रमुख मातृका,

།རྒྱལ་བའི་བསྟན་སྲུང་གཙོ་ལ་ཕྱག་འཚལ་བསྟོད།
**ग्यल्वी तेनस्रुङ चोला क्षागछल तोई ।**
बुद्धशासनको मूलरक्षक तपाईंलाई नमन र स्तुति गर्दछु ।

།མྱུར་མཁྱོགས་མཐུ་རྩལ་ཐོགས་མེད་ཕྲིན་ལས་ཀྱིས།
**ञ्यूरग्योग थुचल थोग्मे ठिन्लेकी ।**
अतिशीघ्र अबाध (बाधा नभएको) बल शक्तियुक्त कार्यले,

།གདུག་ཅན་དགྲ་དང་བདུད་བགེགས་ཕམ་མཛད་པ།
**दुगचेन डा धङ दुईगेग फम जेपा ।**
विष रूपी शत्रु र बाधक मारहरूलाई हराउने,

།གཤིན་རྗེ་གཤེད་མོའི་བཀའ་ཉན་དམ་ཚིག་ཅན།
**शिनजे शेपोई कावेन धम छिगचेन**
यमराजको आज्ञापालक समयधारी,

།བཻ་སྦྱ་སྟ་ཀྲ་འཁོར་དང་བཅས་ལ་བསྟོད།
**बैभ सत्व खोर धङ चेला तोई ।**
वैभसत्व स-परिवारलाई स्तुति गर्दछु ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།སྟོན་ཆེ་ཤཱཀྱ་ཐུབ་པའི་སྐུན་སྟ་རུ།
**डोन्छे शयाक्य थुब्पी च्येनङारु ।**
यसअघि शाक्यमुनिको सामुमा,

།བསྟན་པ་སྲུང་ཞིང་ལེགས་ཉེས་སྨྲངས་འཛིན་པ།
**तेन्पा सुङशिङ लेगञे ताङ जिनपा**
बुद्धशासनको रक्षा गर्छु भनी वाचा गरेको,

།དགེ་བསྙེན་ཆེན་པོ་རྡོ་རྗེ་ལེགས་པ་སྟེ།
**गेञेन छेन्पो दोर्जे लेगपा ते ।**
महाउपासक सु-वज्र,

།འཇིག་རྟེན་སྐྱོང་བ་ཁྱོད་ལ་ཕྱག་འཚལ་བསྟོད།
**जिग्तेन क्योङवा ख्योइला क्षागछल तोई ।**
लोकपाल तपाईंलाई नमन र स्तुति गर्दछु ।

།ཡེ་ཤེས་བསྐྱེད་མཛད་ཆོས་སྐུ་ཡུམ་ཆེན་མོ།
**हिसे केजे क्षोइकु युमछेन्मो ।**
ज्ञानको जन्म दिने धर्मकाय महामाता,

།རྒྱལ་ཀུན་རྡོ་རྗེའི་བཙུན་མོ་རྣལ་འབྱོར་མ།
**ग्यलकुन दोर्जेई चुन्मो नलज्योरमा ।**
सर्वजिनका वज्रमहिषी योगिनी,

།གངས་ཅན་སངས་རྒྱས་བསྟན་སྲུང་འཁོར་ལོའི་བདག
**घङचेन साङ्गे तेन सुङ खोरलोई दग ।**
हिमवत्मा बुद्धशासनको रक्षा गर्नुहुने चक्रवर्ती,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།བཀྲ་ཤིས་ཆེ་ཡི་དབང་ཕྱུག་མ་ལ་བསྟོད།
**टाशी छेहि वाङक्षुग माला तोई ।**
मङ्गल आयुश्वरीलाई स्तुति गर्दछु ।

།དཀྱིལ་འཁོར་སློབ་དཔོན་པདྨ་སཾ་བྷ་ཝེ།
**किल्खोर लोब्पोन पद्मसंभवई ।**
मण्डल, आचार्य पद्मसंभवको,

།བཀའ་ཉན་དམ་ཚིག་རྗེས་དགོངས་གཏེར་ཁྱི་བདག
**काग्येन दमछिग जेगोङ तेरघी दग ।**
आज्ञाकारी वाचा स्मरण गर्ने निधिपति,

།མཐུ་རྩལ་ཐོགམེད་ནམ་བཞིའི་ཕྲིན་ལས་ཀྱིས།
**थुचल थोगमे नमशिई ठिन्ले की ।**
अबाध (बाधा नभएको) बल प्रभावकारी चार कर्मले,

།དམ་ལྡན་རེ་སྐོང་བཅོམ་ཚོད་ཆོད་ལ་བསྟོད། ।
**धमदेन रेकोङ चेनगोई ख्योइला तोई ।**
समययुक्त इच्छापूर्ति गर्ने चेन्गो तपाईंलाई स्तुति गर्दछु ।

ཨེས་བསྟོད་ཨིང་།
यसरी स्तुति गर्ने ।

ཕྱོགས་བདག་སྦྱིའི་གཏོར་འབུལ་ནི།
समस्त निधिपतिहरूका निम्ति बलि चढाउने

རང་གི་ཐུགས་ཀའི་ས་བོན་ལས་བྱུང་བའི་འོད་ཟེར་ཁྱིས་
**रङघी थुगकाई सवोन ले ज्युङवी होइशेर घी**
आफ्नो हृदयको बीजबाट प्रकटित किरणले

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

གཏེར་གྱི་བདག་པོ་འཁོར་བཅས་སྤྱན་དྲངས་པར་བསམ་ཞིང་།
**तेरघी दाग्पो खोरचे च्येन्ढङपर ग्युर**
निधिपतिको स-परिवारलाई निमन्त्रणा । भावना गर्दै

ཧཱུྃ། སྤྱོན་ཚེ་པདྨ་འབྱུང་གནས་སྤྱན་སྤྱི་རུ།
**हुँ डोन्छे पद्म ज्युङने च्येनङरु ।**
हुङ् यसअघि पद्मसंभवको सामुमा,

།ཟབ་གཏེར་སྐུང་མར་ཞལ་བཞེས་དམ་ཚོག་ཅན།
**शाबतेर सुङमर श्यल्शे धमछिग च्येन ।**
गम्भीर निधिपाल बन्छु भनेर दिएको समयधारी,

།མཐུ་ཆེན་གཏེར་གྱི་བདག་པོ་ཆེན་པོ་རྣམས།
**थुछेन तेरघी दगपो छेन्पो नाम ।**
शक्तिशाली महानिधिपतिहरू,

།རང་རང་གཡོག་འཁོར་བཅས་པ་འདིར་གཤེགས་ཤིག
**रङ रङ योग खोर चेपा दिर शेगशी ।**
आ-आफ्ना परिचारकसहित यहाँ पाल्नुहोस् ।

།ཁེ་དྷི་པ་ཏི་ས་པ་རི་ཤྲ་ར་བཛྲ་ས་མཱ་ཛ་ཿ ས་སྒྲུབ་དབུས།
**निधिपति स-परिवार बज्र समाज**
आमन्त्रणा गर्ने ।

ཁེ་དྷི་པ་ཏི་ས་པ་རི་ཤྲ་ར་ཨི་དཾ་བ་ལིཾ་ཏ་ཁ་ཁ་ཁཱ་ཧི་ཁཱ་ཧི།
**निधिपति स-परिवार इदं बलिंत ख ख खाहि खाहि ।**

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

ནེ་རྡེ་པ་ཏི་སཱ་པ་རི་ཝཱ་ར་ཨརྒྷཾ་ནས། ཨཧ་པཱ་ཏྲཾ་སྭཱ་ཧཱ།

**निधिपति स-परिवार अर्घम देखि शब्द प्रतिच्छ स्वाहा**

མ་ཧཱ་པཉྩ་ཨ་མྲི་ཏ་ཁཱ་ཧི། མ་ཧཱ་རཀྟ་ཁཱ་ཧི།

**महापञ्च अमृत खाहि । महारक्त खाहि ।**

ཞེས་མཆོད་པ་དང་སྨན་གཏོར་རྟག་རྒྱས་འབུལ།

भनी जडीबुटी पूजा तथा रक्तबलि चढाउनुहोस् ।

ཟབ་གཏེར་སྡུད་མའི་དབང་པོ་འཕོར་དང་བཅས་པ་རྣམས་ཀྱིས་

**शब्तेर स्नुङमी वाङपो खोर धङ चेपा नाम्की**

गम्भीर प्रधान निधिपालकसहित स-परिवारले

མཆོད་པ་དམ་པ་འདི་བཞེས་ལ་སངས་རྒྱས་ཀྱི་བསྟན་པ་སྲུངས།

**क्षोईपा धम्पा दिशेला साङ्गे की तेन्पा स्नुङ,**

यो परम्पूजा स्वीकार्नु भई बुद्धशासनको रक्षा गर्नुहोस् ।

དཀོན་མཆོག་གི་དབུ་འཕང་བསྟོད།

**कोन्क्षोग्घी दुफङ तोई ।**

त्रिरत्नको महिमा स्तुति गाउनुहोस् ।

དགེ་འདུན་དང་ཆོས་ཀྱི་རྒྱལ་སྲིད་སྐྱོང་ས།

**गेदुन धङ क्षोईकी ग्याल्स्री क्योङ ।**

सङ्घ र धर्मशासनको रक्षा गर्नुहोस् ।

འཇིག་རྟེན་གྱི་རྒྱུད་པ་སོལ།

**जिग्तेन्घी गुईपा सोल ।**

संसारका विपत्तिहरू हटाउनुहोस् ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

སེམས་ཅན་གྱི་ཕན་བདེ་སྤེལ།
**सेमचेनघी फेन दे पेल ।**
प्राणीहरूमा सुख समृद्धि फैलाउनुहोस् ।

ནཱལ་འཇོར་པ་རྣམས་ཀྱི་སྐྱོངས་གྲོགས་མཛོད།
**नालज्योरपा नामकी तोङढोग जोई ।**
योगीहरूलाई सहयोग गर्नुहोस् ।

སྡགཁཱཌ་འཆང་རྣམས་ཀྱི་ཕྱིན་ལས་སྒྲུབས།
**ङगक्षाङ नामकी ठिन्ले ड्रुब ।**
मन्त्रधरहरूका कार्य पूर्ण गरी दिनुहोस् ।

སྡང་བའི་དགྲ་ཐུལ། བཀོད་པའི་བགེགས་ཚོམས།
**दङवी डाथुल नोइपी गेग क्षोम ।**
भयानक शत्रुहरूलाई वशमा पार्नुहोस्, बाधा विघ्नहरू नाश गर्नुहोस् ।

ཁྱེད་པར་དམ་ཚིག་འདིར་འདུས་པ་རྣམས་ཀྱི་ཕྱི་ནང་
**खेपर धमछिग दिर दुइपा नामकी छिनाङ**
विशेषगरी प्रतिज्ञा गरिएअनुसार यहाँ भेला भएकाहरूका बाह्य, भित्री,

གསང་བའི་འགལ་རྐྱེན་ཞི་བ་དང་།
**साङवी गलकेन शिवा धङ ।**
गुह्य कठिनाइ र विपत्ति शान्त पारेर

མཐུན་རྐྱེན་སྤྱིན་པའི་ལེགས་ཚོགས་ཐམས་ཅད་འཕེལ་ཞིང་
**थुन्केन मोन्पी लेग्छोग थाम्चे फेलशिङ**
सद्भाव अनुकूल प्रत्यय श्री यशका संभार

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

རྒྱས་པ་དང་། མཆོག་དང་ཐུན་མོང་གི་དངོས་གྲུབ་མ་ལུས་པ་

**ग्येपा धङ । क्षोग धङ थुनमोङघी ङोईद्धुव मलुईपा**

वृद्धि गराइ उत्तम तथा साधारण सिद्धि सबै

མྱུར་དུ་འགྲུབ་པའི་ཕྱིན་ལས་མཛོད་ཅིག །ཕྱིན་ལས་བཅོལ།

**ञ्युरधु डुब्पी ठिन्ले जोइचिग ।**

शीघ्र प्राप्त हुने कार्य गरिदिनुहोस् । यसरी कार्य गर्न लगाउने ।

ཧཱུྃ། དུས་གསུམ་རྒྱལ་བའི་བཀའ་སྩོད་དཔའ་བོ་ཆེ།

**हुँ धुइसुम ग्यल्वी कादोई पावोछे ।**

हुङ् त्रिकालका जिन (बुद्ध) को आज्ञा पालन गर्ने महावीर,

རིགས་འཛིན་གྱུན་གྱི་ཅི་བསྒྲིའི་དམ་ཚིག་ཅན།

**रिगजिन कुन्घी चिगीई धमछिगच्येन ।**

सबै विद्याधरका मनोकाङ्क्षा पूरा गर्छु भनी वाचा गरेका,

ཞབ་གཉེར་བསྟན་པ་བསྲུང་བར་དམ་མཛོས་པའི།

**शाबतेर तेन्पा सुङवर धमनोइपी ।**

गम्भीर निधिशासन रक्षा गर्न प्रतिज्ञा गर्नुभएका,

གཉེར་གྱི་བདག་པོ་འཁོར་དང་བཅས་ལ་བསྟོད། ।

**तेरघी दगपो खोरधाङ चेला तोई**

निधिपतिसहित स-परिवारलाई स्तुति गर्छु ।

ཞེས་པས་བསྟོད།

भनी स्तुति गर्नु

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

## ས་ཁོལ་ཡོངས་སུ་སྐོང་བ།
समग्र भूमिपति बलिपूजा

གཏོར་མ་ཨོཾ་བཛྲ་ཨ་མྲི་ཏ་ཀུཎ་ཌ་ལི་ཧ་ན་ཧ་ན་ཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཿ ཡིས་བསང་།

तोर्मा **ओम्वज्र अमृत कुण्डली हन हन हुङ् फट् :** शुद्धिकरण गर्ने,

ཨོཾ་སྭ་བྷཱ་ཝ་ཤུདྡྷ་སརྦ་དྷརྨ་སྭ་བྷཱ་ཝ་ཤུདྡྷ་ཧཱུྃ། གིས་སྦྱངས།

**ओम् स्वाभाव शुद्ध सर्वधर्म स्वभाव शुद्ध हुङ्** शुद्ध पार्ने ।

སྟོང་པའི་དང་ལས་བྱུང་ལས་རིན་པོ་ཆེའི་སྣོད་ཟབ་ཅིང་རྒྱ་ཆེ་བའི་

**तोङपी ङङले भ्रुंले रिन्पोछेही नोइ शबचिङ ग्याछेवाई**
शून्यताको स्वभाव भ्रुम्बाट गम्भीर विशाल रत्नको पात्र

ནང་དུ་གཏོར་མ་ཁ་དོག་དྲི་ངོ་རྒྱས་པ་ཕུན་སུམ་ཚོགས་པར་བསམ་ལ།

**नाङधु तोरमा खधोग ढिरो नुइपा फुनसुम छोगपर ग्युर ।**
भित्र बलि (तोर्मा) को वर्ण, गन्ध र स्वाद आदिले सम्पन्न भएका भावना गर्ने ।

ཨོཾ་ཨཱཿ ཧཱུྃ་ཧོཿ ལན་གསུམ་བརྗོད།
**ॐ आः हुङ् होः** तीनपटक पाठ गर्ने

ས་ཕྱོགས་བདག་དེ་པ་རི་ཝཱ་ར་བརྟུ་ས་མཱ་ཛོས་སྦྱན་དྲངས།
**भूमिपति स-परिवार वज्र समाजः** आमन्त्रित गर्ने ।

ས་ཕྱོགས་བདག་དེ་པ་རི་ཝཱ་ར་ཨོཾ་ཨ་ཀཱ་རོ་མུ་ཁཾ་སརྦ་ཌྷརྨཱ་ཎཾ་

**भूमिपति सपरिवार ओम् अकारो मुखम् सर्व धर्माणम्**

ཨཱ་དྱ་ནུཏྤན་ནཏྭཱཏ་ཏ་ཨོཾ་ཨཱཿ ཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱ་ཧཱ།
**आद्यनुत्पन्नत्वात ओम् आ हुङ् फट् स्वाहा ।**

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

ལན་གསུམ་གྱིས་འབུལ། ཨོཾ་བཛྲ་ཨརྒྷཾ་ནས། ཤཔྡ་པ་ཊིཙྪ་སྭཱ་ཧཱ་བར་དང་།
तीनपटक अर्पण गर्ने **ओम् वज्र अर्घम्** देखि **शब्द प्रतिच्छ स्वाहा**सम्म

མ་དཱུ་པཉྩ་ཨ་མྲི་ཏ་ཁཱ་ཧི། ཞེས་སྤྱི་ནང་གིས་མཆོད།
**महापञ्च अमृत खाहि** भनी बाहिर, भित्रका पूजा चढाउने

ཞི་ཞིད་བདག་གཞུག་མར་གནས་པ་འཞོར་དང་བཅས་པ་རྣམས་ཀྱིས་
**शिदग ञुग्मर नेपा खोर धाङ चेपा नाम्की**
सदैव विराजमान हुनुभएका भूमिपति स-परिवारसहितले

མཆོད་པ་དམ་པ་འདི་བཞེས་ལ་སངས་རྒྱས་ཀྱི་བསྟན་པ་སྲུངས།
**क्षोईपा धम्पा दिशेला साङ्गेकी तेन्पा स्रुङ**
यस परम्पूजा ग्रहण गर्नुभई बुद्धशासनको रक्षा गर्नुहोस् ।

དཀོན་མཆོག་གི་དབུ་འཕང་བསྟོད།
**कोन्क्षोग्घी उफङ तोई ।**
त्रिरत्नका महिमा स्तुति गाउनुहोस् ।

དགེ་འདུན་དང་ཆོས་ཀྱི་རྒྱལ་སྲིད་སྐྱོངས།
**गेदुन धङ क्षोईकी ग्याल्स्री क्योङ ।**
सङ्घ र धर्मशासनको रक्षा गर्नुहोस् ।

འཇིག་རྟེན་གྱི་རྒྱུད་པ་སོལ།
**जिग्तेन्घी गुईपा सोल ।**
संसारका विपत्तिहरू हटाउनुहोस् ।

སེམས་ཅན་གྱི་ཕན་བདེ་སྤེལ།
**सेमचेनघी फेन दे पेल ।**
प्राणीहरूमा सुख समृद्धि फैलाउनुहोस् ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

ནལ་འཇོར་པ་རྣམས་ཀྱི་སྟོང་ས་བྱིགས་མཛོད།
**नालज्योरपा नामकी तोङढोग जोई ।**
योगीहरूलाई सहयोग गर्नुहोस् ।

སྔགས་འཆང་རྣམས་ཀྱི་ཕྱིན་ལས་སྒྲུབས།
**ङगक्षाङ नामकी ठिन्ले डुब ।**
मन्त्रधरहरूका कार्य सिद्ध गरिदिनुहोस् ।

སྡང་བའི་དབུ་ཐུལ། བཀོད་པའི་བགེགས་ཚོམས།
**दङवी डाथुल नोइपी गेग क्षोम ।**
भयानक शत्रुहरूलाई वशमा पार्नुहोस् । बाधा विघ्नहरू नाश गर्नुहोस् ।

ཁྱད་པར་དམ་ཚིག་འདིར་འདུས་པ་རྣམས་ཀྱི་ཕྱི་ནང་
**खेपर धमछिग दिर दुइपा नामकी छिनाङ**
विशेषगरी प्रतिज्ञा गरिएअनुसार यहाँ भेला भएकाहरूका बाह्य, भित्री,

གསང་བའི་འགལ་རྐྱེན་ཞི་བ་དང་། མཐུན་རྐྱེན་
**साङवी गलकेन शिवा धङ । थुनकेन**
गुह्य कठिनाइ शान्त बनाएर, सद्भाव अनुकूल

སྐྱོན་བའི་ལེགས་ཚོགས་ཐམས་ཅད་འཕེལ་ཞིང་རྒྱས་པ་དང་།
**मोन्पी लेगछोग् थाम्चे फेलशिङ ग्येपा धङ ।**
प्रत्यय श्री यशका संभार वृद्धि गराइ,

མཆོག་དང་ཐུན་མོང་གི་དངོས་གྲུབ་མ་ལུས་པ་མྱུར་དུ་འགྲུབ་པའི་
**क्षोग धङ थुनमोङघी ङोईढुव मलुईपा ञ्युरधु डुब्मी**
उत्तम तथा साधारण सबै सिद्धि शीघ्र प्राप्त हुने

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

ཐིན་ལས་མཛོད་ཅིག ।
**ठिन्ले जोइचिग ।**
कार्य गरी दिनुहोस् ।

ཤིདག་ཆེན་པོ་ཁྱོད་རྣམས་ཀྱིས།
**शिदग छेन्पो ख्योइ नामकी ।**
महाभूमिपति तपाईंहरूले,

།མཆོད་སྤྲིན་གཏོར་མ་འདི་བཞེས་ལ།
**क्षोई जिन तोर्मा दिशेला ।**
यस पूजाबलि दान ग्रहण गर्नु भएर,

།རྣལ་འབྱོར་བདག་ཅག་འཁོར་བཅས་ལ།
**नलज्योर दगच्यग खोरचेला ।**
हामी योगीहरूका स-परिवारलाई,

།ནད་མེད་ཚེ་དང་དབང་ཕྱུག་དང་།
**नेमे छे धङवाङक्षुग धङ ।**
निरोगी, दीर्घायु, शक्ति,

།དཔལ་དང་གྲགས་དང་སྐལ་བ་བཟང་།
**पाल धङ ढाग धङ कल्पा शङ ।**
श्री कीर्ति र सौभाग्य,

།ལོངས་སྤྱོད་རྒྱ་ཆེན་ཀུན་ཐོབ་ཅིང་།
**लोङ च्योई ग्याछेन कुन थोव चिङ ।**
सबै विशाल सम्पत्ति प्राप्त गराइ,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།ཞི་དང་རྒྱས་ལ་སོགས་པ་ཡི།
**शिघ्रङ ग्येला सोगपाही ।**
शान्ति र वृद्धि आदिले,

།ལས་ཀྱི་དངོས་གྲུབ་བདག་ལ་སྩོལ།
**लेकी ङेईद्धुव दगला चोल ।**
मलाई कर्मको सिद्धि प्रदान गर्नुहोस् ।

།དམ་ཚོག་ཅན་ཕྱིས་བདག་ལ་སྐྱབས།
**धमछिग चेनघी दगला स्खुङ ।**
व्रती (धर्मपाल) हरूले मेरो रक्षा गर्नुहोस् ।

།དངོས་གྲུབ་ཀུན་ཕྱི་སྟོངས་ཐོགས་མཛོད།
**ङेईद्धुब कुन्घी दोङ ढोग जोई ।**
सबै सिद्धि प्राप्त गर्न साथ दिनुहोस् ।

།དུས་མིན་འཆི་དང་ནད་རྣམས་དང་།
**धुईमिन छि धाङ नेनाम धङ ।**
अकाल मृत्यु, रोगहरू,

།གདོན་དང་བགེགས་རྣམས་མེད་པར་མཛོད།
**दोन धङ गेग नम मेपार जोई ।**
भूत र बाधकहरू नष्ट गरी दिनुहोस्,

།རྨི་ལམ་ངན་དང་མཚན་མ་ངན།
**मिलाम ङेनधङ छेन्मा ङेन ।**
दुःस्वप्न र कुलक्षण,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།སྒྲུབ་དན་པ་མེད་པར་མཛོད།
**ज्यजे डेन्पा मेपार जोई ।**
कुकार्य निवारण गर्नुहोस् ।

།འཇིག་རྟེན་བདེ་ཞིང་འོ་ལེགས་དང་།
**जिग्तेन देशिङ लोलेग धड ।**
लोकमा सुख, समृद्धि र बालीनाली,

།འབྲུ་རྣམས་འཕེལ་ཞིང་ཕྱུགས་འཕེལ་བ།
**डुनम फेलाशिङ क्षुगफेल्वा ।**
फसलका अभिवृद्धि गराउँदै वस्तुभाउ फैलाउनु भई,

།དགེ་ལེགས་ཐམས་ཅད་འབྱུང་བའི་གནས།
**गेलेग थम्च्ये ज्यूङवई ने ।**
सम्पूर्ण शुभ कुशलताका स्रोत (भूमिपति) हरूले

།ཡིད་ལ་འདོད་པ་གྲུབ་འགྱུར་མཛོད། ।
**हिला दोइपा कुन डुब जोई ।**
सबै मनोकाङ्क्षा सिद्ध गरिदिनुहोस्,

ཅེས་བརྗོད།
(भनी भावना गर्ने)

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri


त्यसपछि अर्पित बलिमा आलम्बन गरी डाक्ने,

ན་མོ། རིགཇིན་ཆགྱུའི་དཔལ་ལྡན་བླ་མ་དམ་པ་རྣམས་ཀྱི་
**नमो रिगजिन चाग्युईकी पाल्देन लामा धम्पा नाम्की**
नमो; श्रीमद् पारम्परिक विद्याधर परम् गुरुहरूका

བཀའ་བདེན་པ་དང་། སངས་རྒྱས་ཀྱི་བཀའ་བདེན་པ་དང་།
**कादेन्पा धङ । साङ्गेकी कादेन्पा धङ ।**
सत्य वचन र बुद्धको सत्यवचन,

ཆོས་ཀྱི་བཀའ་བདེན་པ་དང་། དགེ་འདུན་གྱི་བཀའ་བདེན་པ་དང་།
**क्षोईकी कादेन्पा धङ । गेदुनघी कादेन्पा धङ ।**
धर्मको सत्यवचन, सङ्घको सत्य वचन र

གསང་སྔགས་དང་རིག་སྔགས་དང་གཟུངས་སྔགས་དང་
**साङ ङग धाङ रिगङग धङ शुङ ङग धाङ**
गुह्यमन्त्र, विद्यामन्त्र र धारणीमन्त्र

སྙིང་པོ་དང་ཕྱག་རྒྱ་དང་ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་བདེན་པ་དང་།
**निङपो धङ क्षाग्या धाङ तिङङे जीनघी देन्पा धाङ ।**
सार, मुद्रा र समाधिको सत्य र

ཆོས་ཉིད་གདོད་ནས་སྟོང་ངམ་ཆོས་ཅན་རྒྱུ་འབྲས་བསྒྲུབ་པ་
**क्षोईनी दोइने तोङ क्याङ क्षोईचेन ग्युङे लुवा**
धर्मत्व अनादिदेखि नै शून्य भएपनि (धर्मी) संवृद्धिमा हेतुफल

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

མེད་པའི་བདེན་པ་དང་། ཁྱད་པར་རྡོ་རྗེའི་ཚོས་སྐྱོང་བའི་
**मेपी देन्पा धङ । खेपर दोर्जे क्षोईक्योङ वाई**
सत्य, निश्चल र विशिष्ट वज्र धर्मपाल

སྐུང་མ་བཀའ་སྲོད་ཕོ་ཉའི་དམག་ཚོགས་འགོར་དང་བཅས་པ་
**सुङ्मा कादोई फोन्नाई मगछोग खोर धङ चेपा**
रक्षापाल आज्ञाकारी दूतको सैन्यगण स-परिवारसहितका

རྣམས་ཀྱི་བཀའ་བདེན་པ་དང་། བདེན་པ་ཆེན་པོའི་མཐུ་ལ་
**नामकी कादेन्पा धङ । देन्पा छेन्पोई थुला**
सत्य वचन, महासत्यको शक्ति,

བརྟེན་ནས་བསྟན་དང་འགྲོ་བའི་སྡིག་དག།
**तेन्ने तेन धङ डोवी च्यिडा ।**
आश्रयले बुद्धशासन र प्राणीहरूका समग्र शत्रु,

ཁྱད་པར་རིག་པ་འཛིན་པ་བདག་ཅག་ཡོན་མཆོད་འགོར་དང་
**खेपर रिगजिनपा दगच्याग योन क्षोई खोर धङ**
विशेष विद्याधर हामीहरू दानपति स-परिवारसहितलाई

བཅས་པ་རྣམས་ལ་སྔ་དག་ལག་གིས་བསྣར་བ།
**चेपा नामला ङडा लग्घी दारवा ।**
पहिलेका (भूतका) शत्रुले त्रसित गराउने,

ཕྱི་དག་ཡིད་ལ་སེམས་པ། ད་དག་ཐད་དུ་འཇུག་པའི་
**छिडा हिला सेम्पा । धडा थेधु जुग्पी**
मनमा पछि (भविष्य) का शत्रुबारे सम्झाउने, वर्तमानमा सिधै आक्रमण गर्ने

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

གཟུགས་ཅན་སྡང་བའི་དགྲ་དང་། གཟུགས་མེད་གཉོད་བྱེད་
**शुगच्येन दाङवी डाधङ । शुगमे नोइजे**
रूप भएको रिसाहा शत्रु र रूप नभएको हानिकारक

བགེགས་ཀྱི་ཚོགས་དང་བཅས་པ་ཐམས་ཅད་སྲིད་པ་
**गेगकी छोग धङ चेपा थम्चे स्रीपा**
बाधकका गणसहित सबै

གསུམ་གྱི་ཁོད་ཀར་གང་གནས་གང་སྲོས་ཀྱང་།
**सुम्धी खोङ घरने घर डोई क्याङ ।**
त्रिभव (तीनलोक) भित्र जहाँ रहेपनि जहाँ भागेपनि,

སྐད་ཅིག་ཡུད་ཙམ་ལ་དམིགས་པའི་རྟེན་འདི་ལ་བྱུལ་ཅིག ।
**केचिक युईचम ला मिगपी तेनदिला खुगचिग**
तत्कालै यहाँ आलम्बन गरिएको आश्रयमा बोलायौ ।

ཙ་སྤྲགས་ཤ་སྟ་ནའི་མཐར་ཁྲི་ཏྲི་བཛྲ་ཨ་ཀུ་ཤ་ཛཿ
मूलमन्त्र **श्या स न** अन्तिममा **त्रि त्रि वज्र अङ्कुश जः**

ཛཿ ཧཱུྃ་བཾ་ཧོཿ ཞེས་བསྟེམ། ཨོཾ་ཨཱཿ ཧཱུྃ་ཧོཿ ས་བརྟགས།
**जः हुम् बम् हो :-** भनी लय गर्नु **ओम् आः हुँ होः** अधिष्ठान गर्ने

ཨོཾ་མ་ཧཱ་ཀཱ་ལ་ཡ། ཤཱ་ས་ན་ཨུ་པ་ཧཱ་རི་ཎི།
**ओम् महाकालाय शासन उपहारिणी**

ཨེ་ཥ-ཨ་པཙྩི་མ་ཀཱ་ལོ་ཨ་ཡཾ། ཨི་དཾ་རཏྣ་ཏྲ་ཡཱ་ཡ།
**एषअपच्चिमकालो अयं । इदं रत्न त्रयाय**

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

ཨ་པ་ཀཱ་རི་ཎ་ཡཱ་དི་པྲ་ཏི་ཛྙཱ་སྨ་ར་སི་ཏ་དཱ།

**अपकारिणयादि प्रतिज्ञा स्मर सितदा**

ཨི་དཾ་དུཥྚཱ་ན་ཁ་ཁ་ཁཱ་ཧི་ཁཱ་ཧི། མཱ་ར་མཱ་ར། གྲི་ཧྞ་གྲི་ཧྞ།

**इदं दुष्टान ख ख खाहि खाहि, मार मार, ग्रिहण ग्रिहण**

བྷནྡྷ་བྷནྡྷ། ཧ་ན་ཧ་ན། ད་ཧ་ད་ཧ། པ་ཙ་པ་ཙ།

**भन्ध भन्ध, हन हन, दह दह, पच पच**

དེ་ན་མེ་ཀེ་ན་ཧཱུྃ་ཕཊ། ས་པ་རི་ཝཱ་ར་ཨི་དཾ་བ་ལིཾ་ཀ་ན་ཁ་ཁཱ་ཧི་ཁཱ་ཧི།

**देन मेकेन हुङ् फट । स-परिवार इदं बलिंत ख ख खाहि खाहि ।**

ལན་གསུམ་ཕྱིས་ཕུལ་ལ།

तीन पटक पाठ गरेर अर्पण गर्ने ।

ཧཱུྃ། ཆོས་ཀྱི་དབྱིངས་ནས་འབར་བའི་སྐུ་བཞེངས་པ།

**हुँ क्षोईकी ईङ्ने बरवई कुरशेङपा ।**

हुङ् धर्मको धातुबाट प्रज्वलित कायधर,

།མཐུ་སྟོབས་དབང་ཕྱུག་རྡོ་རྗེ་ནག་པོ་ཆེ།

**थुतोब वाङक्षुग दोर्जे नागपो छे ।**

शक्ति बलेश्वर महाकाल वज्र,

།ལྷུམ་དལ་བ་ཀ་འ་སྡོད་དམ་ཅན་རྒྱ་མཚོའི་ཚོགས།

**च्यमढल कार्दोइ धमचेन ग्याछोई छोग ।**

आज्ञाकारी भाइ, बहिनी व्रती सागरगण,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།འཁོར་བཅས་ཐུགས་དམ་དབང་གིས་འདིར་གཤེགས་ཤིག །
**खोरचे थुग्धम वाङ्घी दिर शेगशिग ।**
स-परिवारसहित प्रतिज्ञाको बलले यहाँ पाल्नुहोस् ।

ཕྱི་ནང་གསང་མཆོད་སྐྲག་རྟག་བ་ལོ་ཀ།
**छिनाङ साङ क्षोई मेनरक वलिता ।**
बाहिरी, भित्री, गुह्य पूजा ओखती, रक्त र बलिंत,

།དགྲ་བགེགས་ཤ་ཁྲག་ལ་སོགས་མཁོ་དགུའི་རྫས།
**डागेग श्यठाग लसोग खोगुईजे ।**
शत्रु बाधकका मांस र रक्त आदि आवश्यक द्रव्य,

།སོ་སོའི་ཐུགས་ལ་ཅི་བཞེད་དེར་འཆར་བའི།
**सोसोई थुगला चिशे देर क्षाईवाई ।**
जो जसलाई जे ग्रहण गर्ने मन हुन्छ; त्यो नै उदय हुने,

།མྱ་ངྱུད་དཔྱེས་པའི་མཆོད་སྤྲིན་ཆེན་པོ་འདི།
**मेज्यूङ गेपी क्षोई टिन छेन्पो दी ।**
अद्भूत प्रसन्न हुने यो महामेघ पूजा,

།སྔར་མཛད་ལེགས་པའི་ལས་ཀྱི་གཏད་རགས་དང་།
**ङरजे लेगपी लेकी तङरग धङ ।**
पहिले गरिएका शुभकार्यका हर्ष उत्साह र

།སྤྱིད་ནས་གཡེལ་བ་མེད་པའི་ཕྲིན་ལས་བཞིའི།
**लेने येल्वा मेपाई ठिन्ले शीई ।**
पछि पनि निरन्तर रूपले चार कर्मका,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།འདོད་པའི་དངོས་གྲུབ་སྩོལ་སྨད་འབྱུལ་ལགས་ན།
**दोईपी डोईद्धुब चोल्ले वुल लागना ।**
इच्छा अनुरूपका सिद्धि प्रदान गरी दिनुहुनको निम्ति चढाएको छु,

།དགྱེས་པ་ཆེན་པོས་བཞེས་ཤིང་རོལ་ནས་ཀྱང་།
**ग्येपा छेन्पोई शेशिङ रोलने क्याङ ।**
अति प्रसन्नताका साथ ग्रहण गरी आनन्दित हुनुभई,

།བསྟན་དང་འགྲོ་བའི་ཕན་བདེ་གྱུན་སྒྲུབ་ཞིང་།
**तेनधङ डोवी फेन्दे कुन पेलशिङ ।**
बुद्धशासन र प्राणीका सम्पूर्ण हित, सुखवृत्ति गराउनुभई,

ཁྱད་པར་བདག་ཅག་དཔོན་སློབ་འཁོར་བཅས་རྣམས།
**खेपर दाग च्याग पोनलोब खोरचे नाम ।**
विशेष हामी गुरु शिक्षार्थी परिवारहरूसहित,

།ནད་མེད་པ་དང་མི་འཇྱུར་ཚེ་སྲོག་དཔལ།
**नेमेपा धङ मिग्युर छेस्रोग पाल ।**
निरोगी र अपरिवर्तनशील प्राणआयुश्री,

།གྲགས་དང་འབྱོར་བ་རྒྱ་མཚོས་མཐོ་བ་དང་།
**ढाग धङ ज्योरवा ग्याछोई थोवा धङ ।**
कीर्ति र सम्पदा उच्च सागर झैं भएर,

།མ་རུངས་བདུད་དགྲའི་ཚོལ་བ་གྱུན་ཞེ་ཞིང་།
**मरुङ दुईडाई गोल्वा कुन शिशिङ ।**
दुष्ट मार शत्रुका सबै विवाद शान्त भई,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།རྣམ་མང་ཕྲིན་ལས་རྒྱ་མཚོ་ཡིད་བཞིན་སྒྲུབས།
**नममाङ ठिनले ग्याछो हिशिन डुब ।**
कर्मसागर जस्ता धेरै प्रकारका मनोकुलहरू सिद्ध होउन् ।

།ཕྱོགས་ལས་རྣམ་པར་རྒྱལ་བའི་དུ་མཆོག་ཕྱོར།
**क्षोग्ले नम्पर ग्यल्वी रुछोन क्षोर ।**
दिशा दिशाबाट विजयध्वजा उठाउनुभई

།བྱང་ཆུབ་བར་དུ་སྐུད་ཞིང་སྐྱོང་བར་མཛོད།
**भ्याङक्षुब भरधु सुङशिङ क्योङवार जोई ।**
बोधि लाभ नभएसम्म रक्षा गर्नुहोस् ।

།ཅེས་གཏོར་མ་སྐྱོབ་ཅིང་འདོད་དོན་གསོལ། ཡང་ན་འབྲུ་གསུམ་གྱི་
ཟིན་བྲིས་དང་སྔགས་མཆོད་སྟོན་དུ་འགྲོ་བས།
भनी बलि (तोर्मा) चढाएर इच्छार्थ प्रार्थना गर्ने वा त्रिदानाको
अधिष्ठान र मन्त्र पूजा पहिले गरेर,

དམ་ཅན་རྒྱ་མཚོའི་ཚོགས་རྣམས་ཀྱིས།
**धमचेन ग्योछोई छोगनामकी ।**
धर्मपाल व्रती सागर गणहरूले,

།མཆོད་སྦྱིན་གཏོར་མ་འདི་བཞེས་ལ།
**क्षोई जिन तारेमा दिशेला ।**
यो पूजादान बलि (तोर्मा) ग्रहण गर्नुभई,

།རྣལ་འབྱོར་བདག་ཅག་འགོར་བཅས་ལ།
**नलज्योर दगच्यग खोरचेला ।**
हामी योगीहरूका स-परिवारलाई,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།ནད་མེད་ཚེ་དང་དབང་ཕྱུག་དང་།
**नेमे छे धडवाडक्षुग धड ।**
निरोगी, दीर्घायु शक्ति र,

།དཔལ་དང་བྲག་དང་སྐལ་བ་བཟང་།
**पाल धड ढाग धड कल्प शड ।**
श्री कीर्ति र सौभाग्य,

།ལོངས་སྤྱོད་རྒྱ་ཆེན་གྱུར་ཐོབ་ཅིང་།
**लोड च्योई ग्याछेन कुन थोव चिड ।**
विशाल सम्पत्ति सबै प्राप्त गराउनुभई,

།ཞི་དང་རྒྱས་ལ་སོགས་པ་ཡི།
**शिधड ग्येला सोगपाही ।**
शान्ति वृद्धि आदिले,

།ལས་ཀྱི་དངོས་གྲུབ་བདག་ལ་སྩོལ།
**लेकी डोईद्धुव दगला चोल ।**
मलाई कर्मका सिद्ध प्रदान गर्नुहोस् ।

།དམ་ཚིག་ཅན་ཕྱིས་བདག་ལ་སྐྱབས།
**धमछिग चेनघी दगला स्युड ।**
व्रती (धर्मपाल) हरूले मेरो रक्षा गर्नुहोस् ।

།དངོས་གྲུབ་ཀུན་ཕྱི་སྟོངས་གྲོགས་མཛོད།
**डोईद्धुब कुन्घी दोड ढोग जोई ।**
सबै सिद्धि प्राप्त गर्न साथ दिनुहोस् ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།དུས་མིན་འཆི་དང་ནད་རྣམས་དང་།
**धुईमिन छि धाङ नेनाम धङ ।**
अकाल मृत्यु र रोगहरू,

།གདོན་དང་བགེགས་རྣམས་མེད་པར་མཛོད།
**दोन धङ गेग नम मेपार जोई ।**
भूत र बाधकहरू नष्ट गर्नुहोस्,

།རྨི་ལམ་དན་དང་མཚན་མ་དན།
**मिलाम डेनधङ छेन्मा डेन ।**
दुःस्वप्न र कुलक्षण,

།བྱ་སྤྱོད་དན་པ་མེད་པར་མཛོད།
**ज्यजे डेन्पा मेपार जोई ।**
कुकार्यका निवारण गर्नुहोस् ।

།འཇིག་རྟེན་བདེ་ཞིང་ལོ་ལེགས་དང་།
**जिग्तेन देशिङ लोलेग धङ ।**
लोकमा सुख, समृद्धि र बालीनाली,

།འབྲུ་རྣམས་འཕེལ་ཞིང་ཕྱུགས་འཕེལ་བ།
**डुनम फेलाशिङ क्षुगफेल्वा ।**
फसलका अभिवृद्धि गराउँदै वस्तुभाउ फैलाउनुभई,

།དགེ་ལེགས་ཐམས་ཅད་འབྱུང་བའི་གནས།
**गेलेग थम्च्ये ज्यूङवई ने ।**
सम्पूर्ण शुभ कुशलका उत्पन्न हुने स्रोतले,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།ཡིད་ལ་འདོད་པ་གྲུབ་འགྱུར་མཛོད།
**हिला दोइपा कुन डुब जोई ।**
सबै मनोकाङ्क्षा सिद्ध गरी दिनुहोस् ।

།ཤྲིས་གཏོར་མ་གཅོད་སར་ཕུལ་ནའང་རུང་ངོ་། ।
पाठ गरी सफा ठाउँमा बलि (तोर्मा) चढाउँदा पनि हुन्छ ।

གཏང་རགས་དོན་དུ།
हर्षित पार्नका निम्ति

ཨོཾ་ཤྲཱི་བཛྲ་ཌྷརྨ་པཱ་ལ་ས་པ་རི་ཝཱ་ར་ཨརྒྷཾ་ནས། ཞུན་དེ་བར་དང་།
**ओम् श्री वज्र धर्मपाल स-परिवार अर्घम** देखि **शब्द** सम्म पाठ गर्ने,

ཧེ་རུ་ཀ་དཔལ་སྒྲུན་སྤྱི་རུ།
**हेरुका पाल च्येनङरु ।**
श्री हेरुकको सामु

།དམ་བཅས་ཏེ་བཞིན་དུ་ལྷུ་འདིར།
**धम्चे जिशिन धता दिर ।**
प्रतिज्ञा गरे झैं; अहिले यहाँ

།བསྟན་པ་སྲུང་ཞིང་སྐྱོང་མཛད་པའི།
**तेन्पा सुङशिङ क्योङजेपी ।**
बुद्धशासन रक्षा वा संरक्षण गरेका,

།དམ་ཅན་ཀུན་ལ་བསྟོད་པར་བགྱི། ।
**धमचेन कुनला तोइपरगी ।**
सम्पूर्ण धर्मपाल व्रतीलाई स्तुति गर्दछु ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

ཞེས་མཆོད་ཅིང་བསྟོད།
भनी पूजा स्तुति गर्नु ।

མ་རྫོད་ཡོངས་སུ་མ་ཚོང་དང་།
**मने योङसु म छाङ धाङ ।**
प्राप्त नभएको र पूर्ण नभएको

།གང་ཡང་ནུས་པ་མ་མཆིས་པའི།
**घाङ्याङ नुईपा मछिपी ।**
केही केहीमा नपुग भएमा

།འདིར་ནི་བཟྱོ་བ་གང་ནོངས་པ།
**दिरनी गिवा घाङ नोङपा ।**
यहाँ जे जति गरिएका कुराहरूमा त्रुटि भएमा,

།དེ་ཀུན་སྤྱོད་ཀྱིས་བཟོད་མཛད་རིགས། ।
**धे कुन ख्योइकी शोइजे रिग ।**
त्यो सबै कुराहरूमा तपाईंले कृपा गरी क्षमा गर्नुहोस् ।

ཞེས་དང་ཡིག་བརྒྱས་ནོངས་པ་འཆགས།
भनी हुन गएका त्रुटिहरूप्रति हिग्य (वज्रसत्त्व) पाठ गरी क्षमा याचना गर्ने ।

རྟེན་ཡོད་ན།
प्रतिमा छ भने

འདིར་ནི་གཟུགས་དང་ལྡན་ཅིག་ཏུ།
**दिर्नी शुग धाङ ल्हेनचिगतु ।**
यहाँ प्रतिमामा एकाकार भएर,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།འཁོར་བ་སྡིད་དུ་བཞུགས་ནས་ཀྱང་།
**खोरवा सीधु श्युगने क्याङ ।**
जबसम्म संसार रहनेछ; तबसम्म बस्नु भएर पनि,

།ནད་མེད་ཚེ་དང་དབང་ཕྱུག་དང་།
**नेमे छेघाङ वाङक्षुग धाङ ।**
निरोगी, बलवान् र दीर्घायु भई,

།མཆོག་རྣམས་ལེགས་པར་བསྒྲུབ་དུ་གསོལ།
**क्षोग्नाम लेगपार चोल्धु सोल ।**
उत्तम सिद्धिहरू सु-प्रदान गर्नुहोस् ।

།ཨོཾ་སུ་ཏིཥྛ་བཛྲེ་ཡེ་སྭཱ་ཧཱ།
**ओम् सु-प्रतिष्ठा बज्रये स्वाहा,**

ཞེས་པས་དམ་ཡེ་གཏིས་ཀ་བསྡིམ། མེད་ན།
भनी समय र प्रज्ञा दुवै लय गर्ने; यदि भएन भने,

ཨོཾ། ཁྱེད་ཀྱིས་སེམས་ཅན་དོན་ཀུན་མཛད།
**ॐ ख्येकी सेमचेन धोनकुन जे ।**
ओम्, तपाईंले सम्पूर्ण प्राणीहरूका कल्याण गर्नुभयो ।

།རྗེས་སུ་མཐུན་པའི་དངོས་གྲུབ་སྩོལ།
**जेसु थुन्पी ङेइद्धुव चोल ।**
त्यस अनुकूलका सिद्धि प्रदान गरी,

།སངས་རྒྱས་ཡུལ་དུ་གཤེགས་ནས་ཀྱང་།
**साङ्गे युल्धु सेगने क्याङ ।**
बुद्धक्षेत्रमा पाल्नुभयो,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།སྒྲུབ་ཡང་འགྲོན་པར་མཛོད་དུ་གསོལ།
**लरयाङ ज्योनपर जे धु सोल ।**
फेरि पनि आगमनको लागि निवेदन गर्दछु ।

།བཙུན་མོ་ཐུགས་ཡེ་ཤེས་པ་གཤེགས། དམ་ཚིག་པ་བདག་ལ་བསྟིམ། འཇིག་རྟེན་པ་རྣམས། གཅིག་གཅིག་སྣ་བྱ་ཁྱོད་ཀྱིས་རང་གནས་སུ་བཏང་།
**वज्र मुम्:-** प्रज्ञा निगम भयो । समय (भावना गरिएका देव) आफूमा लय

भयो, संसारिकहरू **गच्छ गच्छ स्वभावानं** ले आ-आफ्नो स्थानमा पठाउने

དགེ་བ་འདི་ཡིས་མྱུར་དུ་བདག །
**गेवा दिहि ञ्युरदु दाग ।**
मैले यस कुशल पुण्यको प्रभावले शीघ्र,

ཧེ་རུ་ཀ་དཔལ་འབྱུག་མྱུར་ནས།
**हेरुक पाल डुवग्युरने ।**
श्री हेरुक सिद्ध भएर,

།འཚོ་བ་གཅིག་ཀྱང་མ་ལུས་པ།
**डोवा चिगक्याङ मलुइपा ।**
एउटै पनि प्राणीलाई नछोडिकन,

།དེ་ཡི་ས་ལ་འགོད་པར་ཤོག །
**धेही साला गोइपार श्योग ।**
उहाँको भुवनमा पुऱ्याउन सकुँ ।

ཅེས་དགེ་བ་བསྔོ།
भनी पुण्य परिणामना गर्ने ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

རབ་འབྱམས་དཀྱིལ་འཁོར་རྒྱ་མཚོའི་འཁོར་ལོའི་མགོན།
**राबज्याम किल्खोर ग्याछोई खोरलोई गोन ।**
विशाल मण्डप सागरको लोकनाथ,

ས་གསུམ་གསུམ་འགྱུར་མེད་བདེ་ཆེན་རྡོ་རྗེའི་སེམས།
**साङसुम ग्युर्मे देछेन दोर्जेई सेम ।**
त्रि-गुह्य अपरिवर्तनीय महासुख वज्रचित्त,

ཌོ་ལ་ཕན་བདེའི་མཆོག་སྩོལ་དཔག་བསམ་ཤིང་།
**डोला फेन्देई क्षोगचोल पाग सम सिङ ।**
प्राणी हित र सुखको उत्तम सिद्धि प्रदान गर्ने कल्पवृक्ष,

ཆ་བརྒྱུད་བླ་མ་རྣམས་ཀྱི་བཀྲ་ཤིས་རྒྱས།
**चाग्युई लामा नाम्की टाशी श्योग ।**
पारम्परिक मूलगुरुहरूका मङ्गल होस् ।

ཆོས་སྐུའི་མཁའ་ལ་བྱངས་མེད་གཟུགས་སྐུའི་སྤྲིན།
**क्षोईकुई खाला ढाङमे शुगकुई टिन ।**
धर्मकायको आकाश (धातु) मा अनगन्ती रूपकायका मेघ,

ཞི་ཁྲོ་ཉམས་བརྒྱའི་རོལ་པར་འཆར་བ་ལས།
**शिठो ञामग्याई रोल्पार क्षरवाले ।**
सयौं शान्त र क्रोधको रसलीला उत्पन्न गराइ दिनुहुने,

ངེས་གྲུབ་འདོད་དགུའི་ཆར་དུ་སྨོལ་མཛད་པའི།
**ङेईदुब दोईगुई क्षार्धु ल्जेपी ।**
इच्छानुरूप सिद्धिको वर्ष गराइ दिनुहुने,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།ཡི་དམ་ལྷ་ཚོགས་རྣམས་ཀྱི་བཀྲ་ཤིས་མཆོག

**हिदम ल्हछोग नामकी टाशी श्योग ।**

इष्टदेव देवगणहरूका मङ्गल होस् ।

།རྡེ་རུ་ཀ་དཔལ་སྐྱིད་རྡེའི་རོལ་གར་ནི།

**हेरुका पाल न्यिङजेई रोल घरनी ।**

श्री हेरुक्क करुणाको नृत्य (वाद्यसहित),

།གཏུམ་ཆེན་བཟོད་པར་དཀའ་བའི་གཟེ་བརྡེད་ཀྱིས།

**तुमछेन शोईपर कावई शिजिकी ।**

महाक्रूर सहनै नसकिने तेजस्वीले,

།ནག་པོའི་རྩ་ལག་སྡེར་བཅས་མཐར་མཛད་པའི།

**नागपोई चालग देरचे थरजेपी ।**

कालको नातेदारसहित सबैलाई मुक्त गरिदिने,

།དཔལ་འབར་མ་ཧཱ་ཀཱ་ལའི་བཀྲ་ཤིས་ཤོག

**पालवर महाकालई टाशी श्योग ।**

श्री प्रज्वलित महाकालको मङ्गल होस् ।

།རྒྱལ་བའི་བཀའ་སྡོད་མི་བཟད་དྲག་ཤུལ་ཅན།

**ग्यल्वी कादोई मिशे ढाग श्युलचेन ।**

जिनका आज्ञाकारी परिचारक अति शक्तिशाली

།བདུད་དཔུང་ཚར་གཅོད་སྐྱབ་མཆོག་བུ་བཞིན་སྐྱོང་།

**दुईपुङ छरच्योई डुबक्षोग भुशिन क्योङ ।**

मारसैन्य, नष्ट गरी, उत्तम साधकपुत्रलाई झैं रक्षा गर्नुभएको,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།ཐིན་ལས་རྣམ་བཞེས་བསྟན་པ་སྲུང་མཛོད་པའི།
**ठिनले नमशी तेन्पा स्रुङजेपी ।**
चार प्रकारका कर्मले शासन रक्षा गर्नु हुने,

།དམ་ཅན་ཆུ་མཚོའི་ཚོགས་ཀྱི་བཀྲ་ཤིས་ཞོག
**धम्चेन ग्याछोई छोगकी टाशी श्योग ।**
धर्मपाल व्रती सागर गणको मङ्गल होस् ।

།ཅེས་སོགས་བཀྲ་ཤིས་བརྗོད་པར་བྱའོ། ।
आदिले मङ्गल पाठ गर्ने ।

དམ་ཅན་སྤྱིའི་གཏོར་མའི་ཚོ་གཱ་ཉང་དུར་བསྡུས་པ་འདི་ནི་ཆུ་ཀྱི་ཉ་ཤམས་ལེན་ལ་འཇུག་པ་བའི་བཟའ་བའི་ཕྱིར་རིག་འཛིན་འཇུར་མེད་རྡོ་རྗེས་སྦྱོང་སྐྱེས་ཀྱི་རི་བོར་སྦྱར་བའོ། །སརྦ་མངྒ་ལཾ།། ॥

समग्र धर्मपाल बलिविधिको सङ्क्षिप्त रूपमा दैनिक साधना गर्नुपर्ने; सहजताको निम्ति रिग्जिन ग्युर्मेदोर्जेले देवयुक्त बन्दरगाहको टाकुरोमा लेख्नुभएको हो । सर्व मङ्गलम् ।

བརྟན་བཞུགས་ནི།
दीर्घायु कामना

།ཕན་བདེ་འབྱུང་བའི་གནས་གཅིག་པུ།
**फेन्दे ज्युङ वाई ने चिगपु ।**
सुख एवं हितको एक मात्र स्रोत ।

།བསྟན་པ་ཡུན་རིང་གནས་པ་དང་།
**तेन्पा युनरिन ने पा धङ ।**
बुद्धशासन चिरकालसम्म रहेर ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།བསྟན་པ་འཛིན་པའི་སྐྱེས་བུ་རྣམས།
**तेन्पा झिन्पी केभु नाम ।**
शासनलाई धारण गर्ने सद्पुरुषहरूका

།སྐུ་ཚེའི་རྒྱལ་མཚན་བརྟན་གྱུར་ཅིག
**कु छेही ग्यल्छेन तेन ग्युर चिग ।**
आयुध्वजा स्थिर रहोस् ।

།དཔལ་ལྡན་བླ་མའི་སྐུ་ཚེ་བརྟན་པ་དང་།
**पाल्देन लामी कुछे तेन्पा धङ ।**
श्रीमान् गुरुका आयु दृढ रहेर,

།མཁའ་མཉམ་ཡོངས་ལ་བདེ་སྐྱིད་འབྱུང་བ་དང་།
**खा नम योङ्ला देकी ज्युङ्वा धङ ।**
आकाशसरह सर्वप्राणीलाई सुख र आनन्द हुने,

།བདག་གཞན་མ་ལུས་ཚོགས་བསགས་སྒྲིབ་བྱང་ནས།
**दगशेन मलुई छोग साग डिब भ्यङने ।**
हामी सबैका आवरण शोधन गरी पुण्य सञ्चयपूर्ण गराइ ।

།མྱུར་དུ་སངས་རྒྱས་ས་ལ་འགོད་པར་ཤོག
**ञुरधु साङ्गे साला गोईपर श्योग ।**
शीघ्र बुद्धभूमिमा पुऱ्याउन सकुँ ।

།བླ་མ་སྐུ་ཁམས་བཟང་བར་གསོལ་བ་འདེབས།
**लामा कुखाम शाङवर सोल्वादेव ।**
गुरुका काय सदा स्वस्थ एवं सुखी रहोस् भनी प्रार्थना गर्दछु ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།མཆོག་ཏུ་སྐུ་ཚེ་རིང་བར་གསོལ་བ་འདེབས།
**क्षोगतु कुछे रिङवर सोल्वादेव ।**
गुरूका उत्तम काय दीर्घायुको कामना गर्दछु ।

།ཐིན་ལས་དར་ཞིང་རྒྱས་པར་གསོལ་བ་འདེབས།
**ठिन्ले धार शिङ गेपर सोल्वादेव ।**
गुरूको कर्म व्यापक प्रचार होस् भनी कामना गर्दछु ।

།བླ་མ་དང་བྲལ་བར་མེད་པར་བྱིན་གྱིས་རློབས།
**लामा धाङ ढलवर मेपर झिन्घी लोव ।**
गुरूसँग कहिल्यै विछोड नहुने आशिर्वाद दिनुहोस् ।

།བདག་དང་མཐའ་ཡས་འགྲོ་བ་མ་ལུས་པ།
**दाग धाङ थाये डोवा मलुईपा ।**
आफू र असिम जगत्का प्राणीहरू कुनै बाँकी नबसेर ।

།དགེ་བའི་རྩ་བ་འདི་ལ་བརྟན་ནས་ནི།
**गेवई चावा दि ल तेन ने नि ।**
मूलकुशलमा आश्रित भई ।

།ཆེར་བ་ལས་ཀྱི་སྒྲིག་སྒྲིབ་ཡོངས་བྱང་ནས།
**छेरब लेकि दिग ढिब योङ् भ्याङने ।**
पूर्वजन्मका पाप आवरणहरू परिशुद्ध भई ।

།ཟབ་ཡངས་ཆོས་མཛོད་གློད་དུ་གྱོལ་བར་ཤོག ।
**शाब याङ क्षोईजोई लोङधु डोलवर श्योग ।**
गम्भीर तथा विशाल धर्मनिधि धातुमा लय हुन सकुन् ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri


ཨེ་མ་ཧོ་ཿ དོ་མཚོར་སངས་རྒྱས་སྣང་བ་མཐའ་ཡས་དང་ཿ
**एमहो । डोछर साङ्गे नाङव थाये धाङ ।**
ओहो ! आश्चर्यमय अमिताभ बुद्ध र ।

གཡས་སུ་ཇོ་བོ་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་དང་ཿ
**येसु ज्योवो थुग्जे छेन्पो धाङ ।**
दायाँतर्फ महाकारुणिक अवलोकितेश्वर

གཡོན་དུ་སེམས་དཔའ་མཐུ་ཆེན་ཐོབ་རྣམས་ལ་ཿ
**योनधु सेम्पा थुछेन थोब नाम्ला ।**
बायाँतर्फ महाशक्ति प्राप्त वज्रपाणिहरूलाई ।

སངས་རྒྱས་བྱང་སེམས་དཔག་མེད་འཁོར་གྱིས་བསྐོར་ཿ
**साङ्गे भ्याङ्सेम पाग्मे खोरघी कोर ।**
असिम (अनगिन्ती) बुद्ध र बोधिसत्त्वले घेरिएका ।

བདེ་སྐྱིད་དོ་མཚོར་དཔག་ཏུ་མེད་པ་ཡིས་ཿ
**देकि डोछर पाग्तु मेपही ।**
आश्चर्यमय असीम सुख शान्तिले सुशोभित ।

བདེ་བ་ཅན་ཞེས་བྱ་བའི་ཞིང་ཁམས་དེར་ཿ
**देवा चेन शे भ्यवई शिङ खामधेर ।**
सुखवती भनिने त्यस भुवनमा ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

བདག་ནི་འདི་ནས་ཚེ་འཕོས་ཐུར་མ་ཐག།
**दाग्नी दिने छेफोई ग्युरमा थग ।**
यहाँबाट आफ्नो देहावसान हुनसाथ ।

སྐྱེ་བ་གཞན་གྱི་བར་མ་ཆོད་པ་རུ།
**केवा शेनगी भरमा क्षोईपारु ।**
अन्य कुनै जन्मको व्यवधानमा नपरिकन ।

དེ་རུ་སྐྱེས་ནས་སྣང་མཐའི་ཞལ་མཐོང་ཞོག།
**धेरु केने नाङथाई श्याल थोङ श्योग ।**
त्यहाँ (सुखवती भुवन) जन्म पाएर अमिताभ बुद्धको दर्शन मिलोस् ।

དེ་སྐད་བདག་གིས་སྨོན་ལམ་བཏབ་པ་འདི།
**धेके दागघी मोन्लम तावपादी ।**
मैले यसरी प्रार्थना गरेकोले ।

ཕྱོགས་བཅུའི་སངས་རྒྱས་བྱང་སེམས་ཐམས་ཅད་ཀྱིས།
**क्षोगच्युई साङ्गे भ्याङसेम थाम्चे की ।**
दश दिशाका बुद्ध, बोधिसत्त्वहरूले

གེགས་མེད་འགྲུབ་པར་བྱིན་གྱིས་བརླབ་ཏུ་གསོལ།
**गेगमे डुबपर भिन्ची लाबतुसोल ।**
बाधारहित सिद्ध हुने अधिष्ठान गर्नुहोस् ।

ཏདྱཐཱ།  པཉྩེནྡྲི་ཡ་ཨ་ཝ་བོ་དྷ་ན་ཡེ་སྭཱ་ཧཱ།
**तद्यथा पञ्चेण्द्री य अव बोध नय स्वाहा ॥**
तद्यथा पञ्चेन्द्रिय अवबोधनय स्वाहा ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

Digitization by eGangotri
ཞེས་པ་འདི་ནི་སྤྲུལ་སྐུ་ཕྱག་རྡོར་རྣམ་པར་ཐོལ་བ་ལགས་ཀྱིས་ལོ་ལ་ཀ་ཟླ་བའི་ཚེས་བདུན་ལ་གཅོོད་འགོངས་རྟོགས་ཀྱི་ཞིང་གཟིགས་པའི་ཚེ་སངས་རྒྱས་སྣང་བ་མཐའ་ཡས་ཀྱིས་དངོས་སུ་གསུངས་པའོ།། ॥

भनिने यो निर्माणकाय मिग्युरदोर्जे १३ वर्षको हुनुहुँदा सेर्क्षङ नामक वर्ष, सागादावा (वैशाख-जेठ महिना) को सप्तमी तिथिमा बुद्ध र बोधिसत्त्वहरूका प्रत्यक्ष दर्शन पाउनुभएको समयमा अमिताभ बुद्धबाट देशना भएको प्रणिधान हो ।

ཕྱོགས་དུས་རྒྱལ་བ་སྲས་བཅས་དགོངས།
**क्षोग धुई ग्याल्वा सेच्ये गोङ ।**
दिशा, समय, बुद्ध र बोधिसत्त्वहरूले कृपा गरी ।

ཚོགས་གཉིས་ཇོགས་པ་རྗེ་ཡི་རང་།
**छोग नी जोगला जेही रङ ।**
दुइटा संभार (पुण्य र ज्ञान) पूर्ण भएकामा अनुमोदन गर्नुहोस् ।

བདག་གིས་དུས་གསུམ་དགེ་བསགས་པ།
**दागघी धुईसुम गेसागपा ।**
मैले त्रिकालमा सञ्चय गरेको कुशलहरू ।

དཀོན་མཆོག་གསུམ་ལ་མཆོད་པ་འབུལ།
**कोन्क्षोग सुमला क्षोईपा बुल ।**
त्रिरत्नलाई पूजा अर्पण गर्दछु ।

རྒྱལ་བའི་བསྟན་པ་འཕེལ་གྱུར་ཅིག
**ग्यालवई तेन्पा फेल ग्युर चिग ।**
यो कर्मबाट बुद्धशासन विस्तार होस् ।

དགེ་བ་སེམས་ཅན་ཀུན་ལ་བསྔོ།
**गेव सेम्चेन कुनला ङो ।**
कुशल कर्महरू समस्त प्राणीका लागि परिणामना गर्दछु ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

འདོ་ཀུན་སངས་རྒྱས་ཐོབ་གྱུར་ཅིག།
**डोकुन साङ्गे थोवग्युर चिग ।**
सम्पूर्ण जगत् प्राणीले बुद्धत्व प्राप्त गरून् ।

དགེ་རྩ་ཐམས་ཅད་གཅིག་བསྡུས་ཏེ།།
**गेचा थाम्चे चिग दुईते ।**
मूलकुशल सबै एकसाथ सङ्ग्रहित भएर ।

བདག་གི་རྒྱུད་ལ་སྨིན་གྱུར་ཅིག།
**दागघी ग्युईला मिन ग्युर चिग ।**
मेरो मन-सन्ततिमा परिपाक होउन् ।

སྒྲིབ་གཉིས་དག་ནས་ཚོགས་རྫོགས་ཏེ།།
**ढिबञि धागने छोग जोगते ।**
दुइटा आवरण (क्लेश र ज्ञेय) शुद्ध भई संभारहरू पूर्ण होउन् ।

ཚེ་རིང་ནད་མེད་ཉམས་རྟོགས་འཕེལ།།
**छेरिङ नेमे ञमतोग फेल ।**
दीर्घायु, निरोगी र बोधको अनुभूतिमा वृद्धि होस् ।

ཚེ་འདིར་ས་བཅུ་ནོན་གྱུར་ཅིག།
**छेदिर सच्यु नोन ग्युर चिग ।**
यसै जीवनमा दशभूमि प्राप्त गर्न सकुँ ।

ནམ་ཞེག་ཚེ་འཕོས་གྱུར་མ་ཐག།
**नाम शिग छेफोई ग्युरमा थाग ।**
कुनैपनि बखतमा प्राण स्थानान्तरण हुनसाथ ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

བདེ་བ་ཅན་དུ་སྐྱེ་གྱུར་ཅིག།
**देवा चेनघु केग्युर चिग ।**
सुखवती भुवनमा जन्म पाउँ ।

སྐྱེས་ནས་པདྨའི་ཁ་ཕྱེ་སྟེ།
**केने पेमाई खक्षेते ।**
त्यहाँ जन्मिनसाथ कमल फक्रिएर ।

ལུས་རྟེན་དེ་ལ་སངས་རྒྱས་ཞོག།
**लुईतेन धेला साङ्गे श्योग ।**
त्यही देहमा बुद्धत्व प्राप्त गर्न सफलता मिलोस् ।

བྱང་ཆུབ་ཐོབ་ནས་ཇི་སྲིད་དུ།
**भ्याङक्षुब थोबने जिस्रिघु ।**
बोधिज्ञान प्राप्त गरिसकेपछि ।

སྤུལ་པས་འགྲོ་བ་འདྲེན་པར་ཞོག།ས་མ་ཡ་རྒྱ་རྒྱ།
**टुल्पे डोव डेनपर श्योग ।**
निर्माणकायद्वारा प्राणीहरूका उद्धार गर्न सकियोस् । समय ग्य ग्य ग्य ।

## བསྔོ་བ་སྨོན་ལམ།
## परिणामना र प्रणिधान

ཇ ཨཇམ་དཔལ་དཔའ་བོས་ཇི་ལྟར་མཁྱེན་པ་དང་།
**ज्यामपाल पावई जितार खेन्पा धाङ ।**
महाबोधिसत्त्व मञ्जुश्रीले जसरी बुझ्नुभयो ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།ཀུན་ཏུ་བཟང་པོས་དེ་ཡང་དེ་བཞིན་ཏེ།
**कुनतु शाङपो धेयङ धे शिन ते ।**
समन्तभद्रले पनि त्यसरी नै बुझ्नु हुनेछ ।

།དེ་དག་ཀུན་གྱི་རྗེས་སུ་བདག་སློབ་ཅིང་།
**धेधाग कुनगी जेसु दाग लोब चिङ ।**
म पनि उहाँहरूका अनुसरण गर्दै,

།དགེ་བ་འདི་དག་ཐམས་ཅད་རབ་ཏུ་བསྔོ།
**गेवा दि धाग थाम्चे राबतु ङो ।**
यी सबै पुण्यहरू परिणामना गर्दछु ।

།དུས་གསུམ་གཤེགས་པའི་རྒྱལ་བ་ཐམས་ཅད་ཀྱིས།
**धुईसुम श्येगपी ग्याल्वा थाम्चे की ।**
तीन कालमा आउनुभएका समस्त तथागत बुद्धहरूले ।

།བསྔོ་བ་གང་ལ་མཆོག་ཏུ་བསྟན་པ་དེས།
**ङेवा घङला क्षोगतु ङग्पा धे ।**
जुन परिणामनालाई उत्तम भनी प्रशंसा गर्नुभएको छ ।

།བདག་གི་དགེ་བའི་རྩ་བ་འདི་ཀུན་ཀྱང་།
**दगघी गेवाई चावा दीकुन क्यङ ।**
मेरो यी सबै मूलकुशल कर्महरू पनि ।

།བཟང་པོ་སྤྱོད་ཕྱིར་རབ་ཏུ་བསྔོ་བར་བགྱི།
**शङपो च्योईछिर रबतु ङेवारगी ।**
भद्रचर्या लाभको निम्ति परिणामना गर्दछु ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།སྨོན་ལམ་རྒྱལ་པོ་འདི་དག་མཆོག་གི་གཅོ།
**मोन्लम ग्यल्पो दीघग क्षोगघी चो ।**
उत्तम प्रणिधानराजले यसबाट ।

།མཐའ་ཡས་འགྲོ་བ་ཀུན་ལ་ཕན་བྱེད་ཅིང་།
**थाये डोवा कुनला फेन्जे चिङ ।**
अनन्त जगत् प्राणीहरूका हित गर्दै ।

།ཀུན་ཏུ་བཟང་པོས་བརྩུན་པའི་གཞུང་གྲུབ་སྟེ།
**कुन्तु शङपोई गेनपी श्युङ ढुब ते ।**
समन्तभद्रले अलङ्कृत प्रणिधान पूरा गरी ।

།ངན་སོང་གནས་རྣམས་མ་ལུས་སྟོང་བར་གྱོག ।
**ङेन सोङ नेनाम मलुई तोङ वार स्योग ।**
दुर्गतिका सबै स्थानहरू खाली पार्न सकियोस् ।

།ཐུབས་ཀྱིས་ཀུན་འདི་ཡིས་ཐམས་ཅད་གཟིགས་པ་ཉིད།
**सोईनाम दीही थाम्चे शिगपा ञी ।**
यस पुण्यले सर्वज्ञता हासिल गरी,

།ཐོབ་ནས་ཉེས་པའི་དགྲ་རྣམས་ཐམ་བྱས་ནས།
**थोब ने ञेपी डानाम फम्जे ने ।**
सबै शत्रु र दोषहरूलाई पराजित गरी,

།སྐྱེ་ཞི་ན་འཆིའི་ཐ་བྲལ་བས་འཇིགས་པ་ཡི།
**के गा ना छि बलाब ठुगपा ही ।**
जन्म, वृद्ध, रोग र मृत्युका घर्षण हुने,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།སྲིད་པའི་མཚོ་ལས་འགྲོ་གྱུན་སྒྲོལ་བར་གཤེག
**स्रीपी छोले डोकुन डोलवार स्योग ।**
भवसागरबाट प्राणीहरू मुक्त होउन् ।

།ཇྱང་ཆུབ་སེམས་མཆོག་རིན་པོ་ཆེ།
**भ्यङक्षुब सेम क्षोग रिन्पोछे ।**
उत्तम बोधिचित्त रत्न ।

།མ་སྐྱེས་པ་རྣམས་སྐྱེས་གྱུར་ཅིག
**मके पानाम के ग्युर चिग ।**
उत्पन्न नभएकाहरूमा उत्पन्न होस् ।

།སྐྱེས་པ་ཉམས་པར་མེད་པ་ཡང་།
**केपा नम्पार मेपा याङ ।**
उत्पन्न भएकाहरूमा पतन नभई,

།གོང་ནས་གོང་དུ་འཕེལ་བར་གཤེག
**घोङ ने घोङघु फेल वार स्योग ।**
उत्तरोत्तर वृद्धि होस् ।

།སེམས་ཅན་ཐམས་ཅད་བདེ་དང་ལྡན་གྱུར་ཅིག
**सेमचेन थाम्चे दे धङ देन ग्युर चिग ।**
सम्पूर्ण प्राणीहरू सुखले युक्त होउन् ।

།ངན་འགྲོ་ཐམས་ཅད་རྟག་ཏུ་སྟོང་བར་གཤེག
**ङेनडो थाम्चे ताग्तु तोङ वार स्योग ।**
दुर्गतिका स्थानहरू सदा शून्य रहुन् ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་གང་དག་སར་བཞུགས་པ།
**ཤྱད ཁྱུབ སེམ্পা ঘড ধগ সর শ্যুগপা ।**
बोधिसत्त्वहरू जुन जुन भूमिमा विराजमान हुनु भएपनि ।

།དེ་དག་གུན་གྱི་སྨོན་ལམ་འགྲུབ་པར་གྱུར།
**ধ্যেধগ কুন্ধী মোন্লম ডুব পার স্যোগ ।**
उहाँहरू सबैका प्रार्थना सिद्ध होउन् ।

སངས་རྒྱས་སྐུ་གསུམ་བརྙེས་པའི་ཕྱིན་རྟྭས་དང་།
**সাঙ্গে কুসুম নেপী ঋিন্লব ঘড ।**
बुद्धको त्रिकायलाई सत्कार गरिएको आशीर्वाद र,

།ཆོས་ཉིད་མི་འགྱུར་བདེན་པའི་ཕྱིན་རྟྭས་དང་།
**ক্ষোইনী মিগ্যুর দেন্পী ঋিন্লব ঘড ।**
अपरिवर्तनीय धर्मताका सत्य आशीर्वाद र,

།དགེ་འདུན་མི་ཕྱེད་དུས་པའི་ཕྱིན་རྟྭས་དང་།
**গেদুন মিক্ষে ধুইপী ঋিন্লব ঘড ।**
अभेद सङ्घ समुदायको आशीर्वादले,

།རྗེ་ལྟར་སྨོན་ལམ་བཏབ་བཞིན་འགྲུབ་པར་གྱུར།
**জিতার মোন্লম তাবশিন ডুবপার স্যোগ ।**
जसरी प्रणिधान गऱ्यौं; त्यसरी नै सिद्ध होस् ।।

ཕྱི་སྣང་བགགས་རིག་གསུམ་ལྷ་སྔགས་ཆོས་སྐུའི་དངོ་
**নাড ঢগ রিগসুম ল্হাঙগ ক্ষোইকুই ঙঙ ।**
प्रतिभास, ध्वनि, त्रि-अनुभूति, देवमन्त्र र धर्मकायको स्वभावमा ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།སྐུ་དང་ཡེ་ཤེས་རོལ་པར་འཇུམས་གྱུར་པས།
**कु धड हिशे रोल पार ज्यमले पे ।**
काय र प्रज्ञाका लीला असीम भएकोले,

།ཟབ་གསང་རྣལ་འབྱོར་ཆེན་པོའི་ཉམས་ལེན་ལ།
**शब सड नलज्योर छेनपोई ञामलेन ला ।**
गम्भीर गुह्य महायोग साधनामा,

།དབེར་མེད་ཐུགས་ཀྱི་ཐིག་ལེར་རོ་གཅིག་ཤོག ।
**येरमे थुगकी थिगलेर रो चिग स्योग ।**
चित्तको अभेद बिन्दुमा एकरस होस् ।

ཀེ་སྐྱེ་བ་ཀུན་ཏུ་ཡང་དག་བླ་མ་དང་།
**केवा कुनतु याड धग लामा धड ।**
जन्म जन्मान्तरसम्म सम्यक् कल्याणमित्रसँग,

།འབྲལ་མེད་ཆོས་ཀྱི་དཔལ་ལ་ལོངས་སྤྱོད་ཅིང་།
**डलमे क्षोईकी पाल्ला लोड च्योई चिड ।**
वियोग नभई सद्धर्मको श्री उपभोग गरी,

།ས་དང་ལམ་གྱི་ཡོན་ཏན་རབ་རྫོགས་ནས།
**स धड लमघी योन्तेन रब जोग ने ।**
भूमि र मार्गको गुण सु-सम्पन्न भई,

།རྡོ་རྗེ་འཆང་གི་གོ་འཕང་མྱུར་ཐོབ་ཤོག ।
**दोर्जे क्षाङघी गो फड ञुर थोब स्योग ।**
वज्रधरको पद शीघ्र प्राप्त होस् ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri


ཨོཾ་བཛྲ་སཏྭ་ས་མ་ཡ། མ་ནུ་པཱ་ལ་ཡ་བཛྲ་སཏྭ། ཏེ་ནོ་པ་
ཏིཥྛ་དྲྀ་ཌྷོ་མེ་བྷ་ཝ། སུ་ཏོ་ཥྱོ་མེ་བྷ་ཝ། སུ་པོ་ཥྱོ་མེ་བྷ་ཝ།
ཨ་ནུ་རཀྟོ་མེ་བྷ་ཝ། སརྦ་སིདྡྷི་མྨེ་པྲ་ཡཙྪ། སརྦ་ཀརྨ་སུ་ཙ་
མེ། ཙིཏྟཾ་ཤྲཱི་ཡཾ་ཀུ་རུ་ཧཱུྃ། ཧ་ཧ་ཧ་ཧ་ཧོཿ བྷ་ག་ཝཱན། 
སརྦ་ཏ་ཐཱ་ག་ཏ། བཛྲ་མྨེ་མུཉྩ། བཛྲཱི་བྷ་ཝ་མ་ཧཱ་ས་མ་ཡ་
སཏྭ་ཨཱཿ

**ओम् वज्रसत्त्व समय मनुपालय वज्रसत्त्व तेनोपा तिष्ठदृढो मेभव सुतोष्यो मेभव सुपोष्यो मेभव अनु रक्तो मेभव सर्व सिद्धिम्मे प्रयच्छ सर्व कर्म सुचमे चित्तं श्रेयं कुरु हुङ् ह ह ह ह हो भगवान सर्व तथागत वज्र मामे मुञ्च वज्रीभव महा समय सत्व आ ॥**

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri



**ग्याघर केदु । आर्यभद्रचर्याप्रणिधानराज ।**
संस्कृत भाषामा ।

**भोई केदु । फाग्पा स्हाङपो च्योपी मोन्लाम ग्यी ग्याल्पो ।**
भोट भाषामा । आर्य भद्रचर्या प्रणिधानराज ।

**फाग्पा ज्यम्पल शोनुर ग्युर्पाला क्षाग छाल्लो ।**
आर्य मञ्जुश्री कुमारलाई वन्दना गर्दछु ।

**जिङे सुदाग् क्षोग च्युई जिग्तेन्ना ।**
दश दिशाका लोकमा जे जति भएका,

**धुईसुम सेग्पा मिही सेङ्गे कुन् ।**
त्रिकालका समस्त नरसिंह (बुद्ध) हरू,

**दाग्गी मालुई धेधाग थाम्चेला ।**
अशेष उहाँ (तथागत) हरू सबैलाई,

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།ལུས་དང་བག་ཡོད་དང་བས་ཕྱག་བགྱིའོ།

**लुईघाङ डाग्ही धाङ्वे क्षाग्गिहो ।**

शरीर, वचन, मन द्वारा प्रसन्नपूर्वक वन्दना गर्दछु ॥

།བཟང་པོ་སྤྱོད་པའི་སྨོན་ལམ་སྟོབས་དག་གིས།

**साङ्पो च्योईपी मोन्लम तोब् धाग्घी ।**

भद्रचर्या प्रणिधानको बलले,

།རྒྱལ་བ་ཐམས་ཅད་ཡིད་ཀྱིས་མངོན་སུམ་དུ།

**ग्याल्वा थाम्चे हिकी ङेन् सुम्धु ।**

सम्पूर्ण जिनहरू चित्तद्वारा साक्षात्कार गरी,

།ཞིང་གི་རྡུལ་སྙེད་ལུས་རབ་བཏུད་པ་ཡིས།

**शिङ्घी दुल्ले लुराब् तुइपाही ।**

भूमिका धूलो जति शरीरले निहुरेर,

།རྒྱལ་བ་ཀུན་ལ་རབ་ཏུ་ཕྱག་འཚལ་ལོ།

**ग्याल्वा कुन्ला राब्तु क्षाग छाल्लो ।**

सम्पूर्ण जिनहरूलाई वन्दना गर्दछु ॥

།རྡུལ་གཅིག་སྟེད་ན་རྡུལ་སྙེད་སངས་རྒྱས་རྣམས།

**दुल्चिग तेङ्ना दुल्ले साङ्गे नाम् ।**

एक कणमा जति रहेका धूलो समान बुद्धहरू,

།སངས་རྒྱས་སྲས་ཀྱི་དབུས་ན་བཞུགས་པ་དག

**साङ्गे सेकी उईना शुग्पा धाग् ।**

बुद्धपुत्रको बीचमा विराजमान हुनुभएका,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།དེ་ལྟར་ཆོས་ཀྱི་དབྱིངས་རྣམས་མ་ལུས་པ།
**धेतार क्षोईकी यिङ् नाम् मालुपा ।**
त्यसैगरी समस्त धर्मधातुहरूमा,

།ཐམས་ཅད་རྒྱལ་བ་དག་གི་གང་བར་མོས།
**थाम्चे ग्याल्वा धाग्घी घाङ्वार मोई ।**
सबै जिनले भरिएको भक्ति गर्दछु ।

།དེ་དག་བསྟོགས་པ་མི་ཟད་རྒྱ་མཚོ་རྣམས།
**धेधाग ङग्पा मिशे ग्याछ्यो नाम् ।**
उहाँहरूलाई प्रशंसा गरेको अक्षय समुद्रहरूका,

།དབྱངས་ཀྱི་ཡན་ལག་རྒྱ་མཚོའི་སྒྲ་གུན་གྱིས།
**याङ्की यन्लाग् ग्याछ्योई डा कुन्ची ।**
मिठो स्वरको अङ्ग र सागररूपी शब्दले,

།རྒྱལ་བ་གུན་གྱི་ཡོན་ཏན་རབ་བརྗོད་ཅིང་།
**ग्याल्वा कुन्ची योन्तेन राब्जोइ चिङ् ।**
सम्पूर्ण जिन (बुद्ध) हरूका गुण वर्णन गरी,

།བདེ་བར་གཤེགས་པ་ཐམས་ཅད་བདག་གིས་བསྟོད།
**देवार् सेग्पा थाम्चे दाग्गी तोई ।**
म सबै सुगतहरूका स्तुति गर्दछु ॥

།མེ་ཏོག་དམ་པ་ཕྲེང་བ་དམ་པ་དང་།
**मेतोग धाम्पा ठेङ्वा दाम्पा धाङ् ।**
उत्तम फूलको उत्तम माला र,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།སིལ་སྣེན་རྣམས་དང་བྱུག་པ་གདུགས་མཆོག་དང་།

**सिल्लेन नाम् धाङ् ज्युग्पा दुग्छोग धाङ् ।**

दिव्य बाजाहरू, विलेपन र उत्तम छत्र,

།མར་མེ་མཆོག་དང་གདུག་སྤོས་དམ་པ་ཡིས།

**मार्मे क्षोग्धाङ् दुग्पोइ धाम्पाही ।**

उत्तम दीप र उत्तम धूपले,

།རྒྱལ་བ་དེ་དག་ལ་ནི་མཆོད་པར་བགྱི།

**ग्याल्वा धेधाग् लानि क्षोईपार गी ।**

ती जिनहरूका पूजा गर्दछु ॥

།ན་བཟའ་དམ་པ་རྣམས་དང་དྲི་མཆོག་དང་།

**नाशा धाम्पा नाम्धाङ् ढिछोग् धाङ् ।**

परम् दिव्यवस्त्रहरू, उत्तम सुगन्ध र,

།ཕྱེ་མ་ཕུར་མ་རི་རབ་མཉམ་པ་དང་།

**क्षेमा फुर्मा रिराब् ञ्याम्पा धाङ् ।**

चूर्ण पुटिका सुमेरु पर्वत सरह,

།བགོད་པ་བྱང་པར་འཕགས་པའི་མཆོག་གྲུབ་སྦྱིས།

**कोईपा ख्येपार फाग्पी क्षोग् कुन्ची ।**

व्यवस्थित विशिष्ट पूजा सामग्रीद्वारा,

།རྒྱལ་བ་དེ་དག་ལ་ནི་མཆོད་པར་བགྱི།

**ग्याल्वा धेधाग् लानि क्षोईपार् गी ।**

ती जिनहरूका पूजा गर्दछु ॥

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།མཆོད་པ་གང་རྣམས་བླ་མེད་རྒྱ་ཆེ་བ།
**क्षोईपा घाङ् नाम् लामे ग्याछेवा ।**
अनुत्तर एवं वैपूल्य पूजाहरूद्वारा,

།དེ་དག་རྒྱལ་བ་ཐམས་ཅད་ལ་ཡང་མོས།
**धेधाग् ग्याल्वा थाम्चेला याङ्मोई ।**
ती सम्पूर्ण जिनहरूमा भक्ति गर्दछु ॥

།བཟང་པོ་སྤྱོད་ལ་དད་པའི་སྟོབས་དག་གིས།
**साङ्पो च्योईला धेपी तोब् धाग्घी ।**
भद्रचर्यामा श्रद्धा गरेको बलले,

།རྒྱལ་བ་ཀུན་ལ་ཕྱག་འཚལ་མཆོད་པར་བགྱི།
**ग्याल्वा कुन्ला क्षाग्छाल् क्षोईपार् गी ।**
सबै बुद्ध वा जिनहरूलाई वन्दना गरी पूजा गर्दछु ॥

།འདོད་ཆགས་ཞེ་སྡང་གིས་མྱག་དབང་གིས་ནི།
**दोईक्षाग् शेदाङ् तिमुग् वाङ्घी नि ।**
राग, द्वेष (रिस) मोहको वशमा परेर नै,

།ལུས་དང་ངག་དང་དེ་བཞིན་ཡིད་ཀྱིས་ཀྱང་།
**लुधाङ् ङग्धाङ् देशिन हिकी क्याङ् ।**
शरीर, वचन र त्यसैगरी चित्तले पनि,

།སྡིག་པ་བདག་གིས་བགྱིས་པ་ཅི་མཆིས་པ།
**दिग्पा दाग्गी गिपा चि छिपा ।**
पाप(कर्म) मैले गरिएका जति छन्,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།དེ་དག་ཐམས་ཅད་བདག་གིས་སོ་སོར་བཤགས།
**धेधाग् थाम्चे दाग्घी सोसोर स्याग् ।**
ती सबै मैले प्रतिदेशना गर्दछु ॥

།ཕྱོགས་བཅུའི་རྒྱལ་བ་ཀུན་དང་སངས་རྒྱས་སྲས།
**क्षोग् च्युई ग्याल्वा कुन्धाङ् साङ्गे से ।**
दश दिशाका सम्पूर्ण जिन र बुद्धपुत्र,

།རང་རྒྱལ་རྣམས་དང་སློབ་དང་མི་སློབ་དང་།
**राङ् ग्याल् नाम्धाङ् लोब्धाङ् मिलोब् धाङ् ।**
प्रत्येक बुद्धहरू, शैक्ष, अशैक्ष र

།འགྲོ་བ་ཀུན་གྱི་བསོད་ནམས་གང་ལ་ཡང་།
**डोवा कुन्ची सोनम घाङ्ला याङ् ।**
सर्वप्राणीहरूले पुण्य जुनै गरेपनि,

།དེ་དག་ཀུན་གྱི་རྗེས་སུ་བདག་ཡི་རང་།
**धेधाग् कुन्ची जेसु दाग्ही राङ् ।**
ती सबै पुण्यप्रति म अनुमोदन गर्दछु ॥

།གང་རྣམས་ཕྱོགས་བཅུའི་འཇིག་རྟེན་སྒྲོན་མ་རྣམས།
**घाङ्नाम् क्षोग् च्युई जिग्तेन डोन्मा नाम् ।**
जो दशै दिशाका लोक प्रदीपहरू,

།བྱང་ཆུབ་རིམ་པར་སངས་རྒྱས་མ་ཚགས་བརྙེས།
**भ्याङ्छुब् रिम्पार् साङ्गे माछाग् ने ।**
बोधिक्रममा अराग बुद्धत्व प्राप्त गरेका,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།མགོན་པོ་དེ་དག་བདག་གིས་ཐམས་ཅད་ལ།
**गोन्पो धेधाग् दाग्घी थाम्चेला ।**
ती सम्पूर्ण नाथहरूलाई म,

།འཁོར་ལོ་བླ་ན་མེད་པར་བསྐོར་བར་བསྐུལ།
**खोर्लो लाना मेपार् कोवार् कुल् ।**
अनुत्तर धर्मचक्र प्रवर्तन गर्न अध्येषणा गर्दछु ॥

།མྱ་ངན་འདའ་སྟོན་གང་བཞེད་དེ་དག་ལ།
**ञ्याङेन् दातोन् घाङ्शे धे धाग्ला ।**
निर्वाण प्राप्ति चाहना गर्नेहरूलाई,

།འགྲོ་བ་ཀུན་ལ་ཕན་ཞིང་བདེ་བའི་ཕྱིར།
**डोवा कुन्ला फेन्शिङ् देवी छिर् ।**
सबै प्राणीको हित र सुखको निम्ति,

།བསྐལ་པ་ཞིང་གི་དུལ་སྐྱེད་བཞུགས་པར་ཡང་།
**काल्पा शिङ्गी दुल्ले शुग्पार् याङ् ।**
भूमिका धुलो समान कल्पसम्म रहनका लागि पनि,

།བདག་གིས་ཐལ་མོ་རབ་སྦྱར་གསོལ་བར་བགྱི།
**दाग्गी थाल्मो राब् ज्यार् सोल्वार् गी ।**
म अञ्जुलीबद्ध गरी प्रार्थना गर्दछु ॥

།ཕྱག་འཚལ་བ་དང་མཆོད་ཅིང་བཤགས་པ་དང་།
**क्षाग् छाल्वा धाङ् क्षोईचिङ् साग्पा धाङ् ।**
वन्दना, पूजा र पाप कटौती,

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།རྗེས་སུ་ཡི་རང་བསྐུལ་ཞིང་གསོལ་བ་ཡི།

**जेसु हिराङ् कुल्शिङ् सोल्वा ही ।**

अनुमोदन, धर्मचक्र प्रवर्तन गर्न अध्येषणा र याचना गरेको,

།དགེ་བ་རྩེད་ཟད་བདག་གིས་ཅི་བསགས་པ།

**गेवा च्युङ्शे दाग्गी चि साग्पा ।**

मैले जति पुण्य सञ्चय गरेको छु,

།ཐམས་ཅད་བདག་གིས་བྱང་ཆུབ་ཕྱིར་བསྔོའོ།

**थाम्चे दाग्गी भ्याङ्छुब् छिर ङोहो ।**

ती सबै बोधिज्ञान प्राप्तिको निम्ति परिणामना गर्दछु ॥

།འདས་པའི་སངས་རྒྱས་རྣམས་དང་ཕྱོགས་བཅུ་ཡི།

**देपी साङ्गे नाम्दाङ् क्षोग् च्युही ।**

अतितका बुद्धहरू र दशै दिशाका,

།འཇིག་རྟེན་དག་ན་གང་བཞུགས་མཆོད་གྱུར་ཅིག

**जिग्तेन् ध्याग्ना घाङ्शुग् क्षोईग्युर् चिग् ।**

लोकहरूमा विराजमान (बुद्धहरू) जति सबै पूजित होउन् ।

།གང་ཡང་མ་བྱོན་དེ་དག་རབ་མྱུར་བར།

**घाङ्याङ् माज्योन् धेधाग् राब् ञ्युर्वार् ।**

कुनै पनि आगामी बोधिसत्त्वहरूलाई मनोरथ ।

།བསམ་རྫོགས་བྱང་ཆུབ་རིམ་པར་སངས་རྒྱས་སྤྱོན།

**साम्जोग् भ्याङ्छुब् रिम्पार् साङ्गे च्योन् ।**

शीघ्र पूर्ण भएसँगै क्रमशः बुद्धत्व प्राप्त होउन् ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

ཕྱོགས་བཅུ་གའི་ཡའི་ཞིང་རྣམས་ཏི་སྐྱེད་པ།
**क्षोग् च्युई घाली शिङ् नाम् जिनेपा ।**
दशै दिशामा जे जति क्षेत्रहरू छन्,

དེ་དག་རྒྱ་ཆེར་ཡོངས་སུ་དག་ཐྱུར་ཅིག
**धेघाग् ग्याछेर योङ्सु धाग् ग्युर् चिग् ।**
ती सबै विस्तार र परिशुद्ध होउन् ।

ཐྱུང་ཆུབ་ཤིང་དབང་དུད་གཤེགས་རྒྱལ་བ་དང་།
**भ्याक्षुब् सिङ्वाङ् ढुङ्सेग् ग्याल्वा धाङ् ।**
बोधिवृक्ष समिप जानुभएका बुद्ध र

ས་དས་རྒྱས་སྲས་ཀྱིས་རབ་ཏུ་གང་བར་ཤོག
**साङ्गे स्रेकी राब्तु घाङ्वार् स्योग् ।**
बुद्धपुत्रले उक्त बोधिवृक्ष भरिपूर्ण होउन् ।

ཕྱོགས་བཅུའི་སེམས་ཅན་གང་རྣམས་ཏི་སྐྱེད་པ།
**क्षोग् च्युई सेम्चेन् घाङ्नाम् जिनेपा ।**
दशै दिशामा रहेका प्राणीहरू जे जति छन्,

དེ་དག་རྟག་ཏུ་ནད་མེད་བདེ་ཐྱུར་ཅིག
**धेघाग् ताग्तु नेमे देग्युर् चिग् ।**
तिनीहरू सँधै निरोगी र सुखी होउन् ।

ཌེབྷ་བ་ཀུན་གྱི་ཆོས་ཀྱི་དོན་རྣམས་ནི།
**डेवा कुन्गी क्षोकी धोन् नाम्नी ।**
सम्पूर्ण प्राणीका धर्मको अर्थ (काम) हरू,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།ཐུན་པར་གྱུར་ཅིག་རེ་བའང་འགྱུར་པར་ཤོག

**थुन्पार् ग्युर्चीग् रेवाहाङ् डुब्पार् स्योग् ।**

अनुकूल भई इच्छाहरू पनि पूर्ण होउन् ।

།བྱང་ཆུབ་སྤྱོད་པ་དག་ནི་བདག་སྤྱོད་ཅིང་།

**भ्याङ्छुब् च्योईपा धाग्नी दाग् च्योचिङ् ।**

मैले बोधिचर्याहरू पालना गरिरहँदा,

།འགྲོ་བ་ཀུན་ཏུ་སྐྱེ་བ་དྲན་པར་འགྱུར།

**डोवा कुन्तु क्येवा ढेन्पार् ग्युर् ।**

सबै जुनीका जन्महरू सम्झन सकुँ ।

།ཚེ་རབས་ཀུན་ཏུ་འཆི་འཕོ་སྐྱེ་བ་ན།

**छेराब् कुन्तु छिफो के वाना ।**

सबै जन्मजन्मान्तरमा मरण-सङ्क्रान्ति हुनसाथ,

།རྟག་ཏུ་བདག་ནི་རབ་ཏུ་འབྱུང་བར་ཤོག

**ताग्तु दाग्नी राब्तु ज्युङ्वार् स्योग् ।**

सदैव म प्रव्रजित हुन सकुँ ।

།རྒྱལ་བ་ཀུན་གྱི་རྗེས་སུ་སློབ་གྱུར་ཏེ།

**ग्याल्वा कुन्ची जेसु लोब् ग्युर्ते ।**

सबै जिनहरूका शिक्षाको अनुशरण गर्दै,

།བཟང་སྤྱོད་སྤྱོད་པ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་བྱེད་ཅིང་།

**साङ्पो च्योईपा योङ्सु जोग्ज्ये चिङ् ।**

भद्रचर्या परिपूर्ण गर्दै,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།ཚུལ་ཁྲིམས་སྦྱོད་པ་དེ་མེད་ཡོངས་དག་པ།
**छुल्ठिम च्योईपा ढिमे योङ् धाग्पा ।**
शील, चर्या विमल, परिशुद्ध,

།རྟག་ཏུ་མ་ཉམས་སྐྱོན་མེད་སྦྱོང་པར་ཤོག
**तागतु माञ्याम् क्योन्मे च्योईपार् स्योग् ।**
दोषरहित भएर सदा पालन गर्न सकुँ ।

།ལྷ་ཡི་སྐད་དང་ཀླུ་དང་གནོད་སྦྱིན་སྐད།
**ल्हायी केधाङ् लुधाङ् नोजिन् के ।**
देव, नाग र यक्षभाषा,

།བྱུལ་བུམ་དག་དང་མི་ཡི་སྐད་རྣམས་དང་།
**ढुल्बुम् धाग्धाङ् मिही केनाम् धाङ् ।**
कुष्माण्ड (अमानुष) र मनुष्यका भाषाहरू,

།འཇིག་པ་ཀུན་གྱི་སྒྲ་རྣམས་ཇི་ཙམ་པར།
**डोवा कुन्ची डानाम् जि चाम्पार् ।**
जगत्मा जति भाषाहरू छन्,

།ཐམས་ཅད་སྐད་དུ་བདག་གིས་ཆོས་བསྟན་ཏོ།
**थाम्चे केदु दाग्गी क्षोई तेन्तो ।**
ती सबै भाषाहरूमा मैले धर्मदेशना गर्न सकुँ ।

།དེས་ཤིང་ཕ་རོལ་ཕྱིན་ལ་རབ་བརྩོན་ཞིང་།
**धेसिङ् फारोल् छिन्ला राब्चोन् शिङ् ।**
त्यसैगरी पारमितामा परिश्रम (वीर्य) गरी,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།བྱང་ཆུབ་སེམས་ནི་ནམ་ཡང་རྗེད་མ་བྱུར།

**भ्याङ्छुब् सेम्नी नाम्याङ् जेमा ग्युर् ।**

बोधिचित्तलाई कहिल्यै नबिसुँ ।

།སྡིག་པ་གང་རྣམས་སྒྲིབ་པར་བྱེད་པ་དག

**दिग्पा घाङ्नाम् डिब्पार् ग्युर्पा धाग् ।**

जति भएका पाप आवरणहरू,

།དེ་དག་མ་ལུས་ཡོངས་སུ་བྱང་བར་ཤོག

**धेधाग् मालु योङ्सु भ्याङ्वार् स्योग् ।**

ती सबै परिशुद्ध भएर जाउन् ।

།ལས་དང་ཉོན་མོངས་བདུད་ཀྱི་ལས་རྣམས་ལས།

**लेधाङ् ञ्योन्मोङ् दुइकी लेनाम्ले ।**

कर्म, क्लेश र मारका कर्महरूबाट,

།འོལ་ཞིང་འཇིག་རྟེན་འགྲོ་བ་རྣམས་སུ་ཡང་།

**ढोल्शिङ् जिग्तेन् डोवा नाम्सु याङ् ।**

मुक्त भई सांसारिक प्राणीहरूमा पनि,

།རྗེ་པྲུང་པདྨེ་ཆུས་མི་ཆགས་པ་བཞིན།

**जितार् पेमो क्षुईमि छाग्पा शिङ् ।**

जसरी कमलपुष्पमा पानी रहँदैन,

།ཉི་ཟླ་ནམ་མཁར་ཐོགས་པ་མེད་པྲུང་སྐྱེད།

**ङिदा नाम्खार् थोग्पा मेतार् च्ये ।**

चन्द्र, सूर्य आकाशमा बाधारहित तवरले उदाउँछन् ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།ཞིང་གི་ཁྱོན་དང་ཕྱོགས་རྣམས་ཇི་ཙམ་པར།
**शिङ्घी ख्योन्घाङ् क्षोग् नाम् जिचाम् पार् ।**
त्यसरी नै सबै दिशा र क्षेत्रहरूमा जे जति छन्,

།དེན་སོང་སྤྲུག་བསྔལ་རབ་ཏུ་ཞི་བར་བྱེད།
**डेन्सोङ् दुङ्गल राब्तु शिवार ज्ये ।**
ती दुर्गतिका दुःख शान्त पार्दै,

།བདེ་བ་དག་ལ་འཕྲོ་བ་ཀུན་འགོད་ཅིང་།
**देवा धाग्ला डोवा कुन्गोई चिङ् ।**
सबै प्राणीलाई सुखमा लगाउँदै,

།འགྲོ་བ་ཐམས་ཅད་ལ་ནི་ཕན་པར་སྤྱད།
**डोवा थाम्चे लानि फेन्पार् च्ये ।**
सम्पूर्ण जगत्लाई हित हुने चर्या गर्दछु ।

།བྱང་ཆུབ་སྤྱོད་པ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་བྱེད་ཅིང་།
**भ्याङ्छुब् च्योईपा योङ्सु जोग्ज्ये चिङ् ।**
बोधिचर्या परिपूर्ण गर्दै लोकको चर्या,

།སེམས་ཅན་དག་གི་སྤྱོད་དང་མཐུན་པར་འཇུག
**सेम्चेन् धाग्गी च्योईधाङ् थुन्पार् जुग् ।**
अनुकूल हुनेगरी लागि पर्नेछु ।

།བཟང་པོ་སྤྱོད་པ་དག་ནི་རབ་སྟོན་ཅིང་།
**साङ्पो च्योईपा धाग्नी राब्तोन् चिङ् ।**
भद्रचर्याहरू प्रर्दशन गर्दै,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།མ་འོངས་བསྐལ་པ་ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པར་གྱུར།
**माहोङ् काल्पा कुन्तु च्योईपार् ग्युर् ।**
भविष्यका सबै कल्पहरूमा निरन्तर लागि पर्न सकुँ ।

།བདག་གི་སྤྱོད་དང་མཚུངས་པར་གང་སྤྱོད་པ།
**दाग्घी च्योईधाङ् छुङ्पार् घाङ् च्योईपा ।**
मेरो जस्तो भद्रचर्या पालना गर्ने जति छन्,

།དེ་དག་དང་ནི་རྟག་ཏུ་འགྲོགས་པར་ཤོག
**धेधाग् धाङ्नी ताग्तु डोग्पार स्योग् ।**
तिनीहरूसँग सदैव सङ्गत गरिरहन सकुँ ।

།ལུས་དང་དག་རྣམས་དང་ནི་སེམས་ཀྱིས་ཀྱང་།
**लुईधाङ् डाग्नाम् धाङ्नि सेम्की क्याङ् ।**
शरीर, वचन र चित्तले पनि

།སྤྱོད་པ་དག་དང་སྨོན་ལམ་གཅིག་ཏུ་སྤྱོད།
**च्योईपा धाग्धाङ् मोन्लम चिग्तु च्ये ।**
चर्या र प्रणिधान एक समान पालना गरिरहन सकुँ ।

།བདག་ལ་ཕན་པར་འདོད་པའི་གྲོགས་པོ་དག
**दाग्ला फेन्पार् दोईपी ढोग्पो धाग् ।**
मेरो हित चाहाने कल्याणमित्रहरू,

།བཟང་པོ་སྤྱོད་པ་རབ་ཏུ་སྟོན་བཞིན་པ།
**साङ्पो च्योईपा राब्तु तोन् गिपा ।**
भद्रचर्याको उपदेश दिनुहुने,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།དེ་དག་དང་ཡང་རྟག་ཏུ་འཕྲད་པར་ཤོག

**ཕེཕাག্ ধাঙ্ যাঙ্ তাগ্তু ঠেপার্ স্যোগ্ ।**

উহাঁহরুসঁগ পনি সঁধৈ ভেট গরিরহন পাউঁ ।

།དེ་དག་བདག་གིས་ནམ་ཡང་ཡིད་མི་དབྱུང་།

**ধেধাগ্ দাগ্ঘী নাম্যাঙ্ হিমী জ্যুঙ্ ।**

মৈলে কহিল্যৈ উহাঁহরুকা চিত্ত দুখাউন নপরোস্ ।

།སངས་རྒྱས་སྲས་ཀྱིས་བསྐོར་བའི་མགོན་པོ་རྣམས།

**সাঙ্গে স্রেকী কোর্বী গোন্পা নাম্ ।**

বুদ্ধপুত্রহরুলে পরিধি (ঘেরা) লগাই রহনুভএকা নাথহরুকা,

།མངོན་སུམ་རྟག་ཏུ་བདག་གིས་རྒྱལ་བ་བལྟ།

**ঙোন্সুম্ তাগ্তু দাগ্গী গ্যাল্বা তা ।**

মৈলে সদৈব প্রত্যক্ষ জীনকো রূপমা দর্শন গরিরহন সকুঁ ।

།མ་འོངས་བསྐལ་པ་ཀུན་ཏུ་མི་སྐྱོ་བར།

**মাহোঙ্ কাল্পা কুন্তু মিক্যোবার্ ।**

ভবিষ্যকা সবৈ কল্পহরুমা সন্তাপ নলিইকন,

།དེ་དག་ལ་ཡང་མཆོད་པ་རྒྱ་ཆེར་བགྱི།

**ধে ধাগ্লা যাঙ্ ছ্যোইপা গ্যাল্ছের্ গী ।**

উহাঁহরুলাই পনি বৃহত্ পূজা গর্নেছু ।

།རྒྱལ་བ་རྣམས་ཀྱི་དམ་པའི་ཆོས་འཛིན་ཅིང་།

**গ্যাল্বা নাম্কী ধাম্পী ছ্যোজিন্ চিঙ্ ।**

জিনহরুকা সদ্ধর্ম ধারণ গর্দৈ,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།བྱང་ཆུབ་སྤྱོད་པ་ཀུན་ཏུ་སྣང་བར་བྱེད།

**भ्याङ्छुब् च्योईपा कुन्तु नाङ्वार् ज्ये ।**

बोधिचर्यालाई सर्वत्र प्रकाशमय पार्दै,

།བཟང་པོ་སྤྱོད་པ་རྣམ་པར་སྤྱོད་པ་ཡང་།

**साङ्पो च्योईपा नाम्पार् ज्योङ्वा याङ् ।**

भद्रचर्या निर्मल पार्ने अभ्यासमा पनि,

།མ་འོངས་བསྐལ་པ་ཀུན་ཏུ་སྤྱད་པར་བགྱི།

**माहोङ् काल्पा कुन्तु च्येपार् गी ।**

भविष्यका सबै कल्पहरूमा प्रयत्न गरिरहनेछु ।

།སྲིད་པ་ཐམས་ཅད་དུ་ཡང་འཁོར་བ་ན།

**स्रिपा थाम्चे धुयाङ् खोर्वाना ।**

सबै भव (संसार) मा भौंतारिइरहँदा पनि,

།བསོད་ནམས་ཡེ་ཤེས་དག་ནི་མི་ཟད་བརྟེས།

**सोईनम हेशे धाग्नी मिशे ने ।**

अक्षय पुण्यसम्भार र ज्ञानसम्भार गर्दै,

།ཐབས་དང་ཤེས་རབ་ཏིང་ཁེའུ་རྣམ་ཐར་དང་།

**थाब्याङ् सेराब् तिङ्जिन् नाम्थार् धाङ् ।**

उपाय, प्रज्ञा, समाधि, विमोक्ष र,

།ཡོན་ཏན་ཀུན་གྱི་མི་ཟད་མཛོད་གྱུར་ཅིག

**योन्तेन् कुन्धी मिशे जोई ग्युर् चिग् ।**

सबै गुणहरू अक्षय निधि होउन् ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།རྡུལ་གཅིག་སྟེང་ན་རྡུལ་སྙེད་ཞིང་རྣམས་ཏེ།
**दुल्चिग् तेङ्ना दुल्ले शिङ् नाम्ते ।**
एउटा धुलोमा रहेका कण समान सङ्ख्याका,

།ཞིང་དེར་བསམ་གྱིས་མི་ཁྱབ་སངས་རྒྱས་རྣམས།
**शिङ्धेर् साम्ची मिख्याब् साङ्गे नाम् ।**
भुवन (क्षेत्र) हरूमा अचिन्त्य बुद्धहरू र

།སངས་རྒྱས་སྲས་ཀྱི་དབུས་ན་བཞུགས་པ་ལ།
**साङ्गे सेकी उईना शुग्पाला ।**
बुद्धपुत्रका बीचमा विराजमान हुनुभएकोलाई,

།བྱང་ཆུབ་སྤྱད་པ་སྤྱོད་ཅིང་བལྟ་བར་བགྱི།
**भ्याङ्छुब् च्येपा च्योईचिङ् तावार् गी ।**
भद्रचर्या पालना गर्दै दर्शन गर्दछु ।

།དེ་ལྟར་མ་ལུས་ཐམས་ཅད་ཕྱོགས་སུ་ཡང་།
**धेतार् मालुई थाम्चे क्षोग्सु याङ् ।**
त्यसैगरी सबै दिशाहरूमा पनि,

།སྤྲུ་ཙམ་ཁྲོན་ལ་དུས་གསུམ་ཚད་སྙེད་ཀྱི།
**टाचाम् ख्योन्ला धुईसुम् छेनेकी ।**
रौंको टुप्पो जति भागमा पनि त्रिकालका

།སངས་རྒྱས་རྒྱ་མཚོ་ཞིང་རྣམས་རྒྱ་མཚོ་དང་།
**साङ्गे ग्याछो शिङ्नाम् ग्याछो धाङ् ।**
बुद्धसागर र समुद्रसमान भुवनहरू,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།བསྐལ་པ་རྒྱ་མཚོར་སྤྱོད་ཅིང་རབ་ཏུ་འཇུག

**काल्पा ग्याछोर् च्योईचिङ् राब्तु जुग् ।**

कल्पौंसम्म पनि भद्रचर्या पालन गर्दै लागि पर्नेछु ।

།གསུང་གཅིག་ཡན་ལག་རྒྱ་མཚོའི་སྒྲ་སྐད་ཀྱིས།

**सुङ्चिग् यन्लाग् ग्याछोई डाकेकी ।**

एकै वचनको अङ्ग, समुद्र समान स्वरले,

།རྒྱལ་བ་ཀུན་དབྱངས་ཡན་ལག་རྣམ་དག་པ།

**ग्याल्वा कुन्याङ् यन्लाग् नाम् धाग्पा ।**

सर्वबुद्धका स्वरको अङ्ग समान विशुद्ध पार्दै,

།འགྲོ་བ་ཀུན་གྱི་བསམ་པ་ཇི་བཞིན་དབྱངས།

**डोवा कुन्ची साम्पा जिशिन् याङ् ।**

सम्पूर्ण प्राणीहरूका आशयअनुसार,

།སངས་རྒྱས་གསུང་ལ་རྟག་ཏུ་འཇུག་པར་བགྱི།

**साङ्गे सुङ्ला ताग्तु जुग्पार् गी ।**

बुद्धवाणी श्रवण गर्न सदैव लागि पर्छु ।

།དུས་གསུམ་གཤེགས་པའི་རྒྱལ་བ་ཐམས་ཅད་དང་།

**धुईसुम् सेग्पी ग्याल्वा थाम्चे धाङ् ।**

त्रिकालमा आगमन हुने समस्त बुद्धहरूका,

།འཁོར་ལོའི་ཆུལ་རྣམས་རབ་ཏུ་བསྐོར་བ་ཡི།

**खोर्लोई छुल्नाम् राब्तु कोर्वाही ।**

धर्मचक्र प्रवर्तन विधिपूर्वक गर्दै,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།དེ་དག་གི་ཡང་གསུང་དབྱངས་མི་ཟད་ལ།
**धेधाग् घीयाङ् सुङ्याङ् मिशेला ।**
उहाँहरूका पनि अक्षय वाणी घोष (गुञ्जित ध्वनि) मा,

།ལྕོ་ཡི་སྟོབས་ཀྱིས་བདག་ཀྱང་རབ་ཏུ་འཇུག
**लोही तोब्की दाग् क्याङ् राब्तु जुग् ।**
मतिको बलले म पनि प्रवेश गर्न लागिपर्दछु ।

།མ་འོངས་བསྐལ་པ་ཐམས་ཅད་འཇུག་པར་ཡང་།
**माहोङ् काल्पा थाम्चे जुग्पार् याङ् ।**
अनागत (भविष्य) का सबै कल्पमा प्रवेश गर्नुपर्ने भएपनि,

།སྐད་ཅིག་གཅིག་གིས་བདག་ཀྱང་འཇུག་པར་བགྱི།
**केचिग् चिग्घी दाग् क्याङ् जुग्पार् गी ।**
क्षणभरको लागि म पनि प्रवेश गर्नेछु ।

།གང་ཡང་བསྐལ་པ་དུས་གསུམ་ཚད་དེ་དག
**घाङ्याङ् काल्पा धुईसुम् छेधेधाग् ।**
तीनै कालका कल्प प्रमाणहरूमा पनि,

།སྐད་ཅིག་ཆ་ཤས་ཀྱིས་ནི་བཞུགས་པར་སྨྲའོ།
**केचिग् क्यासेकी नि शुग्पार् च्ये ।**
एकै क्षणको अंशमा नै म प्रवेश गर्नेछु ।

།དུས་གསུམ་གཤེགས་པ་མི་ཡི་སེང་གེ་གང་།
**धुईसुम् सेग्पा मिही सेङ्गे घाङ् ।**
त्रिकालका नरसिंह (बुद्ध) हरूलाई,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།དེ་དག་སྐད་ཅིག་གཅིག་ལ་བདག་གིས་བལྟ།

**ཕེཕाग् केचिग् चिग्ला दाग्गी ता ।**

एकै क्षणमा मैले दर्शन गर्न पाउँ ।

།རྟག་ཏུ་དེ་དག་གི་ནི་སྤྱོད་ཡུལ་ལ།

**ताग्तु धे धाग्गी नि च्योई युल्ला ।**

सदा उहाँहरूका गोचर (दृष्टि) मा,

།སྒྱུ་མར་གྱུར་པའི་རྣམ་ཐར་སྒོམས་ཀྱིས་འཇུག

**ग्युमार् ग्युर्पी नाम्थार् तोब्की जुग् ।**

जादुमयी विमोक्षको बलले प्रवेश गर्नेछु ।

།གང་ཡང་དུས་གསུམ་དག་གི་ཞིང་བཀོད་པ།

**घाङ्याङ् दुईसुम् धाग्घी शिङ् कोईपा ।**

जति पनि त्रिकालका बुद्धक्षेत्र छन्,

།དེ་དག་རྡུལ་གཅིག་སྟེང་དུ་མངོན་པར་བསྒྲུབ།

**धेघाग् दुल्चिग् तेङ्घु ङेन्पार् डुब् ।**

उहाँहरूलाई एउटा धुलोकणको अग्रभाग जतिमा राख्न सकुँ ।

།དེ་ཕྱོགས་མ་ལུས་ཞྭགས་རྣམས་ཐམས་ཅད་དུ།

**धेतार् मालुई क्योग् नाम् थाम्चेघु ।**

यसरी सबै दिशामा रहनुभएका,

།རྒྱལ་བ་དག་གི་ཞིང་རྣམས་བཀོད་པ་འཇུག

**ग्याल्वा धाग्घी शिङ् नाम् कोईला ज्युग् ।**

जीन (तथागत) हरूका क्षेत्रहरूमा प्रवेश गर्दछु ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།གང་ཡང་མ་བྱོན་འཇིག་རྟེན་སྒྲོན་མ་རྣམས།
**घाङ्याङ् माज्योन् जिग्तेन् डोन्मा नाम् ।**
जति पनि अनागतका लोकप्रदीपहरू,

།དེ་དག་རིམ་པར་འཆད་ཆུ་འཁོར་འོ་བསྐོར།
**धेघाग् रिम्पार् छाङ्ग्या खोर्लो कोर् ।**
क्रमशः बुद्धत्व प्राप्त गरी धर्मचक्र प्रवर्द्धन गर्दै,

།མྱ་ངན་འདས་པ་རབ་ཏུ་ཞི་མཐའ་སྟོན།
**ञ्याङेन् देपा राब्तु शिथा तोन् ।**
शान्तपूर्वक निर्वाण प्राप्त गरी देखाउन,

།མགོན་པོ་ཀུན་གྱི་དྲུང་དུ་བདག་མཆིའོ།
**गोन्पो कुन्धी ढुङ्धु दाग् छ्यिो ।**
म सबै नाथहरूका सामिप्यमा रहनेछु ।

།ཀུན་ཏུ་མྱུར་བའི་རྫུ་འཕྲུལ་སྟོབས་རྣམས་དང་།
**कुन्तु ञ्युर्वी जुठुल तोब् नाम्धाङ् ।**
सबैतिर शीघ्र ऋद्धिको बलहरू,

།ཀུན་ནས་སྒོ་ཡི་ཐེག་པའི་སྟོབས་རྣམས་དང་།
**कुन्ने गोही थेग्पी तोब् नाम्धाङ् ।**
यानका सबैतिरका द्वार बलहरू,

།ཀུན་ཏུ་ཡོན་ཏན་སྤྱོད་པའི་སྟོབས་རྣམས་དང་།
**कुन्तु योन्तेन च्योईपी तोब् नाम्धाङ् ।**
सर्वत्र गुणै-गुणले युक्त भएका चर्याको बलहरू,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།ཀུན་ཏུ་ཁྱབ་པ་བྱམས་པ་དག་གི་སྟོབས།
**कुन्तु ख्याम्पा भ्याम्पा धाग्घी तोब् ।**
सबैतिर व्याप्त मैत्रीको बलहरू,

།ཀུན་ནས་དགེ་བའི་བསོད་ནམས་སྟོབས་རྣམས་དང་།
**कुन्ने गेवी सोईनम तोब् नाम्घाङ् ।**
सर्वत्र कुशल पुण्यको बलहरू,

།ཚགས་པ་མེད་པར་ཐུགས་པའི་ཤེས་སྟོབས།
**क्षाग्पा मेपार् ग्युर्पी हेशे तोब् ।**
आसक्ति नभएको ज्ञानका बलहरू,

།ཤེས་རབ་ཐབས་དང་ཏིང་ངེ་འཛིན་སྟོབས་དག་གིས།
**सेराब् थाब्घाङ् तिङ्जिन् तोब् धाग्घी ।**
प्रज्ञा, उपाय समाधिका बलहरूले,

།བྱང་ཆུབ་སྟོབས་རྣམས་ཡང་དག་སྒྲུབ་པར་བྱེད།
**भ्याङ्छुब् तोब्नाम् याङ्धाग् डुब्पार् ज्ये ।**
बोधिबलहरू सम्यक् तरिकाले सिद्ध गराउँदै,

།ལས་ཀྱི་སྟོབས་རྣམས་ཡོངས་སུ་དག་བྱེད་ཅིང་།
**लेकी तोब् नाम् योङ्सु धाग् ज्येचिङ् ।**
कर्मका बलहरू निर्मल बनाउँदै,

།ཉོན་མོངས་སྟོབས་རྣམས་ཀུན་ཏུ་འཇོམས་པར་བྱེད།
**ञ्योन् मोङ् तोब् नाम् कुन्तु ज्योम्पार् ज्ये ।**
क्लेशका बलहरू सबै नष्ट गर्दै,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།བདུད་ཀྱི་སྟོབས་རྣམས་སྟོབས་མེད་བབ་བྱེད་ཅིང་།
**दुईकी तोब् नाम् तोब्मे राब् ज्येचिङ् ।**
मारका बलहरूलाई दुर्बल पार्दै,

།བཟང་པོ་སྤྱོད་པའི་སྟོབས་ནི་རྫོགས་པར་བགྱི།
**साङ्पो च्योईपी तोब्नी जोग्पार् गी ।**
भद्रचर्या बल परिपूर्ण गर्दछु ।

།ཞིང་རྣམས་རྒྱ་མཚོ་རྣམ་པར་དག་བྱེད་ཅིང་།
**शिङ्नाम् ग्याछो नाम्पार् धाग् ज्येचिङ् ।**
क्षेत्रहरूका समुद्रलाई विशुद्ध पार्दै,

།སེམས་ཅན་རྒྱ་མཚོ་དག་ནི་རྣམ་པར་གྲོལ།
**सेम्चेन ग्याछो धाग्नी नाम्पार् ढोल् ।**
प्राणीहरूका सागरलाई विमुक्त गर्दछु ।

།ཆོས་རྣམས་རྒྱ་མཚོ་རབ་ཏུ་མཐོང་བྱེད་ཅིང་།
**छ्योईनाम् ग्याछो राब्तु थोङ् ज्येचिङ् ।**
धर्मसागरहरूका दर्शन गर्दै,

།ཡེ་ཤེས་རྒྱ་མཚོ་རབ་ཏུ་རྫོགས་པར་བྱེད།
**येशे ग्याछो राब्तु तोग्पार् ज्ये ।**
ज्ञानसागरलाई बोध गर्दै,

།སྤྱོད་པ་རྒྱ་མཚོ་རྣམ་པར་དག་བགྱིད་ཅིང་།
**च्योईपा ग्याछो नाम्पार् धाग्गी चिङ् ।**
चर्यासागरलाई विशुद्ध पार्दै,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།སྨོན་ལམ་རྒྱ་མཚོ་རབ་ཏུ་རྫོགས་པར་བྱེད།

**मोन्लम ग्याछो राब्तु जोग्पार् ज्ये ।**

प्रणिधानसागरलाई परिपूर्ण गरेर

།སངས་རྒྱས་རྒྱ་མཚོ་རབ་ཏུ་མཆོད་བཀྲིད་ཅིང་།

**साङ्गे ग्याछो राब्तु क्षोईगी चिङ् ।**

बुद्धसागरलाई राम्ररी पूजा गर्दै,

།བསྐལ་པ་རྒྱ་མཚོར་མི་སྐྱོ་སྦྱོང་པར་བགྱི།

**काल्पा ग्याछोर् मिक्यो च्येपार् गी ।**

कल्पसागरमा पनि दिक्क नमानिकन चर्या गर्दछु ।

།གང་ཡང་དུས་གསུམ་གཤེགས་པའི་རྒྱལ་བ་ཡི།

**घाङ्याङ् धुसुम् सेग्पी ग्याल्वा ही ।**

जति पनि त्रिकालका तथागत बुद्धहरूका,

བྱང་ཆུབ་སྦྱོང་པའི་སྨོན་ལམ་བྱེ་བྲག་རྣམས།

**भ्याङ्छुब् च्योईपी मोन्लम ज्येडाग् नाम् ।**

बोधिचर्या प्रणिधानका भेदहरू छन् ।

།བཟང་པོ་སྤྱོད་པས་བྱང་ཆུབ་འཚང་རྒྱས་ནས།

**साङ्पो च्योपे भ्याङ्छुब् छाङ् ग्येने ।**

भद्रचर्याद्वारा बोधिलाभ वा बुद्ध भई,

།དེ་གུན་མ་ལུས་བདག་གིས་རྫོགས་པར་བགྱི།

**धेकुन् मालुई धाग्गी जोग्पार् गी ।**

ती सबै म पूर्ण गर्दछु ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།རྒྱལ་བ་ཀུན་གྱི་སྲས་ཀྱི་ཐུ་བོ་པ།
**ग्याल्वा कुन्ची सेकी थुबोपा ।**
सम्पूर्ण बुद्ध (तथागत) का जेष्ठपुत्र,

།གང་གི་མིང་ནི་ཀུན་དུ་བཟང་ཞེས་བྱ།
**घाङ्घी मिङ्नी कुन्तु साङशे भ्या ।**
जसलाई समन्तभद्रको नामले सम्बोधन गरिन्छ,

།མཁས་པ་དེ་དང་མཚུངས་པར་སྤྱད་པའི་ཕྱིར།
**खेपा धेघाङ् छुङ्पार् च्येपी छिर् ।**
विज्ञ (बोधिसत्त्व) का समकुल चर्या गर्न,

།དགེ་བ་འདི་དག་ཐམས་ཅད་རབ་ཏུ་བསྔོ།
**गेवा दिधाग् थाम्चे राब्तु ङो ।**
यी सबै कुशल कर्मका परिणामना गर्दछु ।

།ལུས་དང་དག་དང་ཡིད་ཀྱང་རྣམ་དག་ཅིང་།
**लुईधाङ् ङग्धाङ् हिक्याङ् नाम्धाग् चिङ् ।**
शरीर, वचन र चित्त पनि परिशुद्ध भई,

།སྤྱོད་པ་རྣམ་དག་ཞིང་རྣམས་ཡོངས་དག་དང་།
**च्योईपा नाम्धाग् शिङ्नाम् योङ् धाग्धाङ् ।**
चर्या विशुद्ध, क्षेत्रहरू परिशुद्ध,

།བསྔོ་བ་བཟང་པོ་མཁས་པ་ཅི་འདྲ་བ།
**ङेवा साङ्पो खेपा चिडावा ।**
भद्र परिणामना गर्नेहरू जत्तिको विज्ञ हुनुहुन्छ,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།དེ་འདྲར་བདག་ཀྱང་དེ་དང་མཚུངས་པར་ཤོག།

**ཕེडार दाग् क्याङ् ध्येघाङ् छुङ्पार् स्योग्।**

म पनि उहाँहरू समान हुन सकुँ ।

།ཀུན་ནས་དགེ་བ་བཟང་པོ་སྤྱོད་པའི་ཕྱིར།

**कुन्ने गेवा साङ्पो च्येपी छिर्।**

सबैतिर कुशल भद्रचर्याको निम्ति,

།འཇམ་དཔལ་གྱི་ནི་སྨོན་ལམ་སྤྱད་པར་བགྱི།

**जाम्पाल्धी नि मोन्लम् च्येपार् गी।**

मञ्जुश्रीको प्रणिधानमा लागि पर्दछु ।

།མ་འོངས་བསྐལ་པ་ཀུན་ཏུ་མི་སྐྱོ་བར།

**माहोङ् काल्पा कुन्तु मिक्यो वार्।**

भविष्यका सबै कल्पहरूमा चिन्ता नमानिकन,

།དེ་ཡི་བྱ་བ་མ་ལུས་རྫོགས་པར་བགྱི།

**ध्येही भ्यावा मालुई जोग्पार गी।**

उक्त कार्यहरू पूर्ण गर्नेछु ।

།སྤྱོད་པ་དག་ནི་ཚད་ཡོད་མ་གྱུར་ཅིག

**च्योईपा धाग्नी छेयोई माग्युर चिग्।**

मेरा चर्याका मापन भन्ने नहोस् ।

།ཡོན་ཏན་རྣམས་ཀྱང་ཚད་བཟུང་མེད་པར་ཤོག

**योन्तेन नाम् क्याङ् छेशुङ मेपार स्योग्।**

गुणहरूका पनि मापन गर्न नसकोस् ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།སྤྱོད་པ་ཚད་མེད་པ་ལ་གནས་ནས་ཀྱང་།

**च्योईपा छे मेपाला नेने क्याङ् ।**
अप्रमाण चर्यामा स्थिर रहेरपनि,

།དེ་དག་འཕྲུལ་པ་ཐམས་ཅད་འཚོལ་བར་བགྱི།

**धेघाग् ठुल्पा थाम्चे छाल्वार् गी ।**
ती सबै भ्रम हुन् भन्ने जानेर चिर्न सकुँ ।

།ནམ་མཁའི་མཐར་ཐུག་གྱུར་པ་རྣམས་ཙམ་པར།

**नाम्खाई थार्थुग् ग्युर्पा जि चाम्पार् ।**
जहाँसम्म, आकाश अन्ततः रहेको छ ।

།སེམས་ཅན་མ་ལུས་མཐའ་ཡང་དེ་བཞིན་ཏེ།

**सेम्चेन् मालुई थायाङ् धेशिन्ते ।**
त्यहाँसम्म समस्त प्राणीहरूका पनि अन्तता कायम छ ।

།རྣམ་ལས་དང་ཉོན་མོངས་མཐར་གྱུར་པ།

**जिचाम् लेधाङ् ञ्योन्मोङ् थार् ग्युर्पा ।**
जतिसम्म कर्म र क्लेश रहिरहनेछन्,

།བདག་གི་སྨོན་ལམ་མཐའ་ཡང་དེ་ཙམ་མོ།

**दाग्गी मोन्लम थायाङ् धे चाम्मो ।**
त्यतिसम्मै मेरो प्रणिधान पनि रहिरहनेछ,

།གང་ཡང་ཕྱོགས་བཅུའི་ཞིང་རྣམས་མཐའ་ཡས་པ།

**घाङ्याङ् क्षोग् च्युई शिङ्नाम् थायेपा ।**
दशै दिशाका जति पनि अन्नत क्षेत्रहरू छन्,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།རིན་ཆེན་བརྒྱན་ཏེ་རྒྱལ་བ་རྣམས་ལ་ཕུལ།

**रिन्छेन् ग्येन्ते ग्याल्वा नाम्ला फुल् ।**
रत्नद्वारा अलङ्कृत गरी बुद्धहरूलाई चढाउँदछु ।

།ལྷ་དང་མི་ཡི་བདེ་བའི་མཆོག་རྣམས་ཀྱང་།

**ल्हाधाङ् मिही देवी क्षोग् नाम् क्याङ् ।**
देव, मनुष्यका उत्तम सुखहरूलाई,

།ཞིང་གི་རྡུལ་སྙེད་བསྐལ་པར་ཕུལ་བ་བས།

**शिङ्घी दुल्ले काल्पार् फुल्वावे ।**
ब्रह्माण्डमा रहेका धुलोकणका सङ्ख्या जति कल्पसम्म चढाउनु भन्दापनि,

།གང་གིས་བསྟོད་བའི་རྒྱལ་པོ་འདི་ཐོས་ནས།

**घाङ्घी डोवी ग्याल्पो दि थोईने ।**
जसले यो परिणामना राजगाथा सुनेर,

།བྱང་ཆུབ་མཆོག་གི་རྗེས་སུ་ཡར་མོས་ཤིང་།

**भ्याङ्छुब् क्षोग्घी जेसु राब्मोई सिङ् ।**
परम् बोधिको अनुमोदन र विश्वास गर्दै,

།ལན་ཅིག་ཙམ་ཡང་དད་པ་བསྐྱེད་པ་ནི།

**लेन्चिग् चाम्याङ् धेपा क्येपा नि ।**
एकपल्ट मात्र श्रद्धा उत्पाद गर्दछ,

།བསོད་ནམས་དམ་པའི་མཆོག་ཏུ་འདི་འགྱུར་རོ།

**सोईनम धाम्पी क्षोग्तु दि ग्युर्रो ।**
ऊ उत्तम पुण्यवान् सन्त हुनेछ ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།གང་གིས་བཟང་སྤྱོད་སྨོན་ལམ་འདི་བཏབ་པས།
**घाङ्घी साङ्च्योई मोन्लम दि ताब्पे ।**
जसले यो भद्रचर्या प्रणिधान पाठ गर्दछ,

།དེས་ནི་དན་སོང་ཐམས་ཅད་སྤངས་པར་འགྱུར།
**धेनि डेन्सोङ् थाम्चे पाङ्पार् ग्युर् ।**
उसले सबै दुर्गति त्याग गर्दछ,

།དེས་ནི་གྲོགས་ཡོ་དན་པ་སྤངས་པ་ཡིན།
**धेनि ढोग्पो डेन्पा पाङ्पा हिन् ।**
उसले दुष्टमित्र त्याग्नेछ,

།སྣང་བ་མཐའ་ཡས་དེ་ཡང་དེས་མྱུར་མཐོང་།
**नाङ्वा थाये देयाङ् देञ्युर थोङ् ।**
अमिताभ बुद्धको पनि शीघ्र दर्शन पाउनेछ,

།དེ་དག་རྣེད་པ་རབ་རྣེད་བདེ་བར་འཚོ།
**धेधाग् नेपा राब्ने देवार् छो ।**
त्यसले उत्तम जीवन लाभ गरी जीविका चलाउनेछ ।

།མི་རྟེ་འདིར་ཡང་དེ་དག་ལེགས་པར་འོང་རས།
**मिछे दियाङ् धेधाग् लेग्पार् होङ् ।**
यो जीवनमा पनि असल बन्नेछ ।

།ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་དེ་ཡང་ཅི་འདྲ་བར།
**कुन्तु साङ्पो धेयाङ् चिडा वार् ।**
समन्तभद्र जस्तो हुनेछ ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།དེ་དག་རིང་པོར་མི་ཐོགས་དེ་བཞིན་འགྱུར།

**ཕེཕྱག་ རིཌ་པོར་ མིཐོག་ ཕེཤིན་ ཀྱུར་ ।**
उनीहरू पनि छिट्टै त्यस्तै हुनेछन् ।

།མཚམས་མེད་ལྔ་པོ་དག་གི་སྤྲིག་པ་རྣམས།

**ཚྷམ्मे ङापो धाग्गी दिग्पा नाम् ।**
असीम पञ्चमहापापहरू ।

།གང་གིས་མི་ཤེས་དབང་གིས་བྱས་པ་དག

**घाङ्घी मिसे वाङ्घी ज्येपा धाग् ।**
जसले अज्ञानतावश गरेका हुन्छन् ।

།དེ་ཡིས་བཟང་པོ་སྤྱོད་པ་འདི་བརྗོད་ན།

**ध्येही साङ्पो च्योईपा दि ज्योईना ।**
तिनले पनि यो भद्रचर्या पाठ गरेमा,

།མྱུར་དུ་མ་ལུས་ཡོངས་སུ་བྱང་བར་འགྱུར།

**ञ्युर्दु मालुई योङ्सु भ्याङ्वार् ग्युर् ।**
सबै (पापहरू) शीघ्र परिशुद्ध भएर जानेछन् ।

།ཤེ་ཤེས་དང་ནི་གཟུགས་དང་མཚན་རྣམས་དང་།

**हेशे धाङ्नी शुग्धाङ् छेन् नाम्धाङ् ।**
ज्ञान, रूप, लक्षण,

།རིགས་དང་ཁ་དོག་རྣམས་དང་ལྡན་པར་འགྱུར།

**रिग्धाङ् खादोग् नाम्धाङ् देन्पार् ग्युर् ।**
गोत्र र वर्णहरूले परिपूर्ण हुनेछन् ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།བདུད་དང་སྡེ་གས་མང་པོས་དེ་མི་ཐུབ།
**धुईधाङ् मुतेग् माङ्पो धे मिथुब् ।**
मार र तैर्थिकहरूले तिनलाई दबाउन सक्ने छैनन् ।

།འཇིག་རྟེན་གསུམ་པོ་ཀུན་ནའང་མཆོད་པར་འགྱུར།
**जिग्तेन् सुम्पो कुन्नाहाङ् क्षोपार् ग्युर् ।**
समस्त त्रिलोकमा पनि पुज्यनीय हुनेछन् ।

།བྱང་ཆུབ་ཤིང་དབང་དུད་དུ་དེ་སྐུར་འགྲོ།
**भ्याङ्छुब् सिङ्वाङ् दुङ्दु धे ञ्युर् डो ।**
तिनीहरू बोधिवृक्ष समिप चाँडै पुग्नेछन् ।

།སོང་ནས་སེམས་ཅན་ཕན་ཕྱིར་དེར་འདུག་སྟེ།
**सोङ्ने सेम्चेन् फेन्छिर् धेर् दुग्ते ।**
तिनले त्यहीं बसेर प्राणी हितका निम्ति,

།བྱང་ཆུབ་སངས་རྒྱས་འཁོར་ལོ་རབ་ཏུ་བསྐོར།
**भ्याङ्छुब् साङ्गे खोर्लो राब्तु कोर् ।**
बोधिज्ञान लाभ गरी धर्मचक्र प्रवर्तन गरेर,

།བདུད་རྣམས་སྡེ་དང་བཅས་པ་ཐམས་ཅད་བཏུལ།
**दुईनाम् देधाङ् चेपा थाम्चे तुल् ।**
सम्पूर्ण मारसैन्यसहितलाई दमन गर्नेछन् ।

།གང་ཡང་བཟང་པོ་སྨོན་པའི་སྨོན་ལམ་འདི།
**घाङ्याङ् साङ्पो च्योईपी मोन्लम दि ।**
जसले यो भद्रचर्या प्रणिधानलाई,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།འཆང་བ་དང་ནི་སྟོན་ཏམ་གློག་ན་ཡང་།

**क्षाङ्वा धाङ्नी तोन्ताम् लोग्ना याङ् ।**
धारण, धर्मोपदेश वा पाठ मात्र गरेमा पनि,

།དེ་ཡི་རྣམ་པར་སྨིན་པ་སངས་རྒྱས་མཁྱེན།

**धेही नाम्पार् मिन्पा साङ्गे ख्येन् ।**
त्यसको विपाक बुद्धलाई ज्ञात हुने भएकोले,

།བྱང་ཆུབ་མཆོག་ལ་སོམ་ཉི་མ་བྱེད་ཅིག

**भ्याङ्छुब् क्षोग्ला सोम् निमा ज्ये चिग् ।**
परम् बोधिज्ञान प्राप्त हुने कुरामा संदेह गर्नु पर्दैन ।

།འཇམ་དཔལ་དཔའ་བོས་ཇི་ལྟར་མཁྱེན་པ་དང་།

**जाम्पाल् पाओई जितार् ख्येन्पा धाङ् ।**
महामञ्जुश्रीले जसरी बुझ्नुभयो,

།ཀུན་ཏུ་བཟང་པོས་དེ་ཡང་དེ་བཞིན་ཏེ།

**कुन्तु साङ्पोई धेयाङ् धे शिन्ते ।**
समन्तभद्रले पनि त्यसरी नै बुझ्नुहुनेछ ।

།དེ་དག་ཀུན་གྱི་རྗེས་སུ་བདག་སློབ་ཅིང་།

**धेधाग् कुन्घी जेसु दाग् लोब् चिङ् ।**
उहाँहरूका अनुसरण गर्दै म पनि,

།དགེ་བ་འདི་དག་ཐམས་ཅད་རབ་ཏུ་བསྔོ།

**गेवा दिधाग् थाम्चे राब्तु ङो ।**
यी सबै पुण्य (जगत्को हितार्थ) परिणामना गर्दछु ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།དུས་གསུམ་གཤེགས་པའི་རྒྱལ་བ་ཐམས་ཅད་ཀྱིས།

**धुईसुम् सेग्पी ग्याल्वा थाम्चेकी ।**
त्रिकालका तथागत बुद्धहरूले,

།བསྔོ་བ་གང་ལ་མཆོག་ཏུ་བསྟན་པ་དེས།

**ङोवा घाङ्ला क्षोग्तु ङग्पा धे ।**
जुन परिणामनालाई उत्तम भनी बताउनुभएको छ ।

།བདག་གི་དགེ་བའི་རྩ་བ་འདི་ཀུན་ཀྱང་།

**दाग्घी गेवी चावा दिकुन् क्याङ् ।**
मेरा यी सबै मूलकुशल कर्महरू पनि,

།བཟང་པོ་སྤྱོད་ཕྱིར་རབ་ཏུ་བསྔོ་བར་བགྱི།

**साङ्पो च्योईछिर् राब्तु ङोवार् गि ।**
भद्रचर्याको निम्ति परिणामना गर्दछु ।

།བདག་ནི་འཆི་བའི་དུས་བྱེད་ཐུང་བ་ན།

**दाग्नी छिवी धुईज्ये ग्युर्पाना ।**
मेरो मृत्युको समयमा,

།སྒྲིབ་པ་ཐམས་ཅད་དག་ནི་ཕྱིར་བསལ་ཏེ།

**डिब्पा थाम्चे धाग्नी छिर् साल्ते ।**
सम्पूर्ण आवरण हटेर शुद्ध भई,

།མངོན་སུམ་སྣང་བ་མཐའ་ཡས་དེ་མཐོང་ནས།

**ङोन्सुम् नाङ्वा थाये धे थोङ्ने ।**
अमिताभ बुद्धको प्रत्यक्ष दर्शन पाएर,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།བདེ་བ་ཅན་གྱི་ཞིང་དེར་རབ་ཏུ་འགྲོ

**देवा चेन्ची शिङ्धेर् राब्तु डो ।**
तत्काल त्यस सुखवती भुवनमा प्रस्थान गर्नेछु ।

།དེར་སོང་ནས་ནི་སྨོན་ལམ་འདི་དག་གྱུར།

**देर् सोङ्नेनी मोन्लम दिदाग् क्याङ् ।**
त्यहाँ पुगेर यी प्रणिधानहरूसँग,

།ཐམས་ཅད་མ་ལུས་མངོན་དུ་འགྱུར་བར་ཤོག

**थाम्चे मालुई डोन्धु ग्युर्वार् स्योग् ।**
पूर्ण रूपमा साक्षात्कार गर्न सकुँ ।

།དེ་དག་མ་ལུས་བདག་གིས་ཡོངས་སུ་བཀང་།

**धेधाग् मालुई दाग्गी योङ्सु काङ् ।**
यी प्रणिधानहरू मैले पूर्ण गरी,

།འཇིག་རྟེན་རྣམ་གསུམ་སེམས་ཅན་ཕན་བར་བགྱི།

**जिग्तेन् जिम्मि सेम्चेन फेन्पार् गी ।**
संसार रहुञ्जेल जगत् वा प्राणीका हित गर्न लागि पर्नेछु ।

།རྒྱལ་བའི་དཀྱིལ་འཁོར་བཟང་ཞིང་དག་ཏ་དེར།

**ग्याल्वी किल्खोर साङ्शिङ् गावा धेर् ।**
त्यो भद्रभुवनको बुद्धमण्डलमा खुसीका साथ,

།པདྨོ་དམ་པ་ཤིན་ཏུ་མཛེས་ལས་སྐྱེས།

**पेमो धाम्पा सिन्तु जेले क्ये ।**
अति सुन्दर उत्तम कमलको फूलमा जन्म भएर,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།སྣང་བ་མཐའ་ཡས་རྒྱལ་བས་མདོན་སུམ་དུ།

**नाङ्वा थाये ग्याल्वे ङेन् सुम्धु ।**
अमिताभ बुद्धको प्रत्यक्ष,

།ལུང་བསྟན་པ་ཡང་བདག་གིས་དེར་ཐོབ་ཟོག

**लुङ् तेन्पा याङ् दाग्गी धेर् थोब् स्योग् ।**
भविष्यवाणी त्यहाँ मैले लाभ गर्न सकुँ ।

།དེར་ནི་བདག་གིས་ལུང་བསྟན་རབ་ཐོབ་ནས།

**धेर्नि दाग्गी लुङ्तेन् राब्योब् ने ।**
त्यहाँ मैले भविष्यवाणी प्राप्त गरेर,

།སྤུལ་པ་མང་པོ་བྱེ་བ་ཕྲག་བརྒྱ་ཡིས།

**टुल्पा माङ्पो ज्येवा ठाग् ग्याही ।**
सयौं, करोडौं निर्माणकाय बनेर,

།ལྕོ་ཡི་སྟོབས་ཀྱིས་ཕྱོགས་བཅུ་རྣམས་སུ་ཡང་།

**लोही तोब्की क्षोग् च्यु नाम्सु याङ् ।**
मतिबलद्वारा दशै दिशाहरूमा पनि,

།སེམས་ཅན་རྣམས་ལ་ཕན་པ་མང་པོ་བགྱི།

**सेम्चेन् नाम्ला फेन्पा माङ्पो गी ।**
धेरै प्राणीका हित गर्न सकुँ ।

།བཟང་པོ་སྤྱོད་པའི་སྨོན་ལམ་བཏབ་པ་ཡི།

**साङ्पो च्योईपी मोन्लम ताब्पा ही ।**
भद्रचर्या प्रणिधान पाठ गरेर,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།དགེ་བ་ཆུང་ཟད་བདག་གིས་ཅི་བསགས་པ།

**गेवा चुङ्शे दाग्गी चि साग्पा ।**
जे जति पुण्य मैले सञ्चय गरेको छु,

།དེས་ནི་འགྲོ་བའི་སྨོན་ལམ་དག་བ་རྣམས།

**धेनि डोवी मोन्लम गेवा नाम् ।**
त्यसले जगत् सत्त्वको प्रणिधान कुशलहरू,

།སྐད་ཅིག་གཅིག་གིས་ཐམས་ཅད་འགྲུབ་པར་ཤོག

**केचिग् चिग्घी थाम्चे ज्योपार् स्योग् ।**
एकै क्षणमा सबै पूर्ण होस् ।

།བཟང་པོ་སྤྱོད་པའི་སྨོན་ལམ་བསྟོ་པ་ཡི།

**साङ्पो च्योईपी मोन्लम ङेपा ही ।**
भद्रचर्या प्रणिधान र परिणामना गरी,

།བསོད་ནམས་དམ་པ་མཐའ་ཡས་གང་ཐོབ་དེས།

**सोईनम धाम्पा थाये घाङ् थोब्बे ।**
प्राप्त गरिएका अनन्त उत्तम पुण्यहरूका आधारमा;

འགྲོ་བ་སྡུག་བསྔལ་ཆུ་བོར་བྱིད་བ་རྣམས།

**डोवा दुङ्गाल क्षुवोर् भ्यिङ्वा नाम् ।**
दुःखको सागरमा डुबेका प्राणीहरूले,

།འོད་དཔག་མེད་པའི་གནས་རབ་ཐོབ་པར་ཤོག

**होईपाग् मेपी नेराब् थोब्पार् स्योग् ।**
अमिताभ बुद्धको उत्तम भुवन प्राप्त गर्न सकुन् ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

།སྨོན་ལམ་རྒྱལ་པོ་འདི་དག་མཆོག་གི་གཅོ།

**मोन्लम ग्याल्पो दिदाग् क्षोग्घी चो ।**
यी मूल उत्तम प्रणिधानराजले,

།མཐའ་ཡས་འགྲོ་བ་ཀུན་ལ་ཕན་བྱེད་ཅིང་།

**थाये डोवा कुन्ला फेन् ज्येचिङ् ।**
अनन्त जगत् प्राणीहरूका हित गर्दै,

།ཀུན་ཏུ་བཟང་པོས་བརྩམ་པའི་གཞུང་གྲུབ་སྟེ།

**कुन्तु साङ्पो ग्येन्पी शुङ् ढुब्ते ।**
समन्तभद्रकृत प्रणिधान सिद्ध गरी,

།དན་སོང་གནས་རྣམས་མ་ལུས་སྟོང་པར་ཤོག

**डेन्सोङ् नेनाम् मालुई तोङ्पार् स्योग् ।**
दुर्गतिका स्थानहरू अशेष (खाली) होउन् ।

།འཕགས་པ་བཟང་པོ་སྤྱོད་པའི་སྨོན་ལམ་གྱི་རྒྱལ་པོ་རྫོགས་སོ།། ।।
आर्य भद्रचर्या प्रणिधानराज पूरा भयो ।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0.In Public Domain. Digitization by eGangotri

बौद्ध शिक्षा विस्तार मैत्री धर्म द्वीप केन्द्र अन्तर्गत
बौद्ध शिक्षा विस्तार अनुवाद समिति ।
(कपन, काठमाडौं)
E-mail: buddhisteducationcentre@gmail.com
Contact No.: 01-5918450

Scan to visit our facebook page

ISBN No.:
9 789937 139489

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal